रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

* *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 11 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 154 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

महिला सशक्तिकरण को दिया जा रहा नया आयाम

अब तक 2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज से जोड़ा गया

रांची

ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में सखी मंडल की दीदी-बहनों को मिला। यही नहीं, सखी मंडल की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2019 तक स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट लिंकेज के तहत ₹1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक ₹10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को सशक्तिकरण हेतु दी गई। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गई।

आजीविका से जोड़ने का क्रम जारी

ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए राज्य के 26 लाख परिवारों को आजीविका के सशक्त माध्यमों से जोड़ा गया है। कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित जोहार परियोजना के तहत 17 जिलों के 68 प्रखण्डों के 3,816 गांव में 3,900 उत्पादक समूह एवं 21 उत्पादक कंपनियों का गठन एवं संचालन हुआ। जिसके तहत राज्य के करीब 2.25 लाख परिवारों की आय में बढ़ोतरी हुई।

मुख्यमंत्री ने पश्चिमी सिंहभूम में कार्यक्रम के दौरान सखी मंडल को 30 करोड़ रुपये से अधिक का बैंक लिंकेज से जोड़ा

वनोत्पाद से मिल रहा लाभ

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के जरिए भी राज्य के 2.09 लाख परिवारों को लाह, रेशम, औषधीय पौधे की खेती, इमली, कृषि एवं पशुपालन से जोड़ा गया है। राज्य संपोषित झारखण्ड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 14,246 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला-पुरुष किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

तकनीक में निपुण हो रहीं महिलाएं

राज्य में बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी, पशु सखी, कृषि सखी, वनोपज मित्र, आजीविका रेशम मित्र, सीआरपी समेत, करीब 80,000 सामुदायिक कैडर को प्रशिक्षित कर परियोजना के क्रियान्वयन एवं विस्तारण में लगाया है। आधुनिक संचार तकनीक से इन महिलाओं का क्षमता वर्धन किया गया है।

> 2019 से पूर्व सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, **उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में दिया गया**

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY)

रश्मि बुडेली, चाईबासा

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जो पैसा मुझे मिल रहा है, उसका उपयोग मैं अपनी पढ़ाई में करूंगी। झारखण्ड सरकार को धन्यवाद, उन्होंने हमें इस योजना से जोड़ा।

हेमन्त दादा को धन्यवाद और जोहार

दिव्या तिवारी, विश्रामपुर, पलामू

रक्षा बंधन पर हेमन्त भैया ने हमें उपहार दिया है। हर साल ₹12,000 प्राप्त होगा। हेमन्त भैया का आभार। यह पैसा मेरी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करेगा।

हेमन्त भैया को धन्यवाद

रमिता रंजन, नावाडीह, चतरा

योजना से जो पैसा मिला है और आगे जो पैसा मिलेगा, उसे अपने बच्चों की पढ़ाई में खर्च करूंगी। मेरे खाते में ₹1,000 आया है, हर साल मुझे ₹12,000 मिलेगा।

सीएम हेमन्त जी को आभार

चांदनी देवी, पाकुड़

26 अगस्त को मेरे बैंक अकाउंट में योजना का पैसा आ गया था। इस पैसे का उपयोग मैंने अपने छोटे-मोटे कार्यों में किया है। योजना में हमलोग को साल का ₹12,000 मिलेगा। महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छी योजना है।

हेमन्त सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद

अबुआ आभार हेमन्त सरकार

मैं प्रकाश कुमार मंडल, धनबाद जिले का निवासी हूं। मेरा चयन पाइपलाइन इंस्पेक्टर (नगर विकास एवं आवास विभाग) में हुआ है। मैं खुश हूं, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी के प्रयास से हम लोगों को समय पर नियुक्ति पत्र मिल गया। अब मैं झारखण्ड के विकास में अपना योगदान दूंगा।

मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत आभार...

नियुक्ति नियमावलियों की अड़चनों को दूर कर **हजारों की संख्या में गरीब परिवार के युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई।**

निजी क्षेत्र में भी हजारों की संख्या में स्थानीय युवाओं को ऑफर लेटर मिला। वर्तमान में **हजारों सरकारी नियुक्तियां प्रक्रिया में है।**

मैं अंकिता कुजूर, झारखण्ड की निवासी हूं। मेरा चयन जूनियर इंजीनियर (यांत्रिक) के लिए हुआ है। मैं खुश हूं, मुख्यमंत्री जी ने जो वादा किया था, वह ससमय पूरा किया। हमें इंतजार का अच्छा परिणाम मिला और हम सरकार के अंग बने।

मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत आभार...

महिलाओं के बड़े वर्ग को प्रभावित करेगा योजना

सुमन देवी, बोकारो ने कहा कि झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जुड़कर खुशी हो रही है। बच्चों की पढ़ाई में होने वाले खर्च में सरकार द्वारा दिए जा रहे इस राशि का उपयोग करूंगी। सुमन देवी ने कहा कि सरकार का यह प्रयास सराहनीय है। जरूरतमंद महिलाओं को झारखण्ड सरकार कई योजनाओं का लाभ दे रही है, लेकिन यह योजना, महिलाओं के बहुत बड़े समूह को प्रभावित करेगी।

जहां मैं रहती हूं, वहां की लगभग सभी महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला है। रोजमर्रा की जरूरत को पूरा करने में यह राशि हम जैसी अन्य महिलाओं को काफी मदद करने वाली साबित होगी। जिससे बड़ी संख्या में महिलाओं को योजना का लाभ मिल सकेगा।

सुमन देवी ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई में हर माह पैसे खर्च होते हैं, अब ₹1,000 की राशि जो झारखण्ड सरकार हम लोगों को दे रही है उससे हर माह होने वाले खर्च को हम लोग संतुलित कर पाएंगे और जीवन अच्छे से गुजर सकेगा। सुमन देवी ने बताया कि इस योजना के संबंध में उसने अपने परिचितों को भी जानकारी दी है और वे भी इस योजना का लाभ ले चुकी हैं। सभी के बैंक खाता में ₹1,000 आ गया है।

बोकारो जिला में जगह जगह शिविर लगाकर हम महिलाओं को योजना से जोड़ा गया है। सरकार ने महिलाओं को आवेदन जमा करने और उसे भरने में काफी मदद की है। सुमन देवी ने कहा कि घर-घर प्रखण्ड कार्यालय से लोग योजना का आवेदन देकर गए थे। आवेदन जमा करने के 10 दिनों के अन्दर पैसा आ गया। योजना को लेकर जितना कहा जाए, वह कम है। एक बार फिर झारखण्ड सरकार को आभार। और विशेषकर सीएम हेमन्त भैय्या को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं।

> मैं बारहवीं कक्षा की छात्रा हूं। मुझे दो-दो बार - ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से ₹5-5 हजार का लाभ मिला है। हेमन्त दादा को धन्यवाद, जोहार!
>
> **सुशांति कुजूर, लोहरदगा**

हम सभी कृतज्ञ हैं ...

खूंटी की स्नेहा कुमारी खुश है। उसे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित किया गया है। स्नेहा कहती है कि राज्य सरकार से जो उसे सम्मान राशि प्राप्त हो रही है, वह उसके आने वाले कल में सहायक होगी। वह इस राशि को अपनी शिक्षा में व्यय करेगी। उसने बताया कि उसकी कई सहेलियों को भी इस योजना का लाभ मिला है और वे सभी सरकार की इस योजना का स्वागत करती हैं। हेमन्त सरकार ने जो सम्मान दिया है, इसके लिए हम सभी कृतज्ञ हैं। राज्य के मुख्यमंत्री के प्रयास से यह संभव हो पाया और हम जैसी लड़कियों को योजना का लाभ मिलने लगा है। स्नेहा ने बताया कि उसके खाते में ₹1,000 की राशि आ गई है ऐसे ही उसके जानने वालों के खाते में भी राशि आई है।

मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उसने कहा कि इस तरह की अन्य योजनाएं भी महिलाओं को सशक्त कर रही हैं। खूंटी जिले में सखी मंडल के जरिए भी महिलाएं अपनी आजीविका के मार्ग को प्रशस्त कर रही हैं। खेती से लेकर बैंकिंग तक में खूंटी की महिलाओं की भूमिका देखी जा रही है, मुख्यमंत्री का यह प्रयास सराहनीय है।

स्नेहा ने बताया वह अन्य महिलाओं और अपनी सहेलियों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करेगी।

महिलाएं बनेंगी सशक्त...

चाईबासा प्रखंड की रहने वाली आशा रानी पूर्ति ने जब झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संबंध में जाना तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं था। सुदूर गांव में रहने के कारण उसे ऑनलाइन आवेदन जमा करने में जब परेशानी हुई तो वह निराश हो गई, लेकिन दूसरे ही दिन मुख्यमंत्री ने जब ऑफ लाइन आवेदन लेने का आदेश दिया तो रानी पूर्ति का चेहरा खिल गया। रानी ने बताया कि इसके बाद उसने सीधे पंचायत भवन जाकर अपना आवेदन जमा कर दिया।

> **इससे मिलने वाले राशि का प्रयोग बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खुद के जीवन को सशक्त करने में संबल प्रदान करेगी।**

रानी ने कहा कुछ ही दिन गुजरे थे कि उसे झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत ₹1,000 की सम्मान राशि बैंक खाते पर प्राप्त हुई है। वह बताती है, कहने को तो सरकार की सभी योजनाएं लोगों के रहन-सहन में बदलाव लाने के लिए चलाई जाती है, परंतु राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने की सोच के तहत चलाई गई यह योजना काफी सार्थक है। इससे मिलने वाली राशि का प्रयोग बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खुद के जीवन को सशक्त करने में संबल प्रदान करेगी। राज्य के मुख्यमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद और जोहार करती हूं, यह योजना राज्य के सभी महिला को सशक्त बनाने में काफी उपयोगी सिद्ध होगी। हम सभी को हर वर्ष ₹12,000 की राशि प्राप्त होगी।

सचिवालय सेवा संघ के 1000 पदाधिकारी-कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर

पदाधिकारी-कर्मचारी हड़ताल पर, सचिवालय व निदेशालयों में कामकाज ठप

- फाइलों का मूवमेंट रुका, कार्मिक सचिव के खिलाफ संघ ने जतायी नाराजगी
- 12 सितंबर तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे पदाधिकारी और कर्मचारी

प्रमुख संवाददाता । रांची

मंगलवार को सचिवालय (प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस) और निदेशालयों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा. सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारी-कर्मचारी सामुहिक अवकाश में चले गए हैं. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने बताया कि 12 सितंबर तक सचिवालय सेवा के पदाधिकारी और कर्मचारी सामुहिक अवकाश में रहेंगे. संघ ने कार्मिक सचिव के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा है कि जिन प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है, उसमें कार्मिक सचिव अड़ंगा लगा रहे हैं.

तीन महीने से चल रहा है आंदोलन : सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारी-कर्मचारी अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर पिछले तीन महीने से आंदोलन कर रहे हैं. सचिवालय सेवा में लगभग 1000 पदाधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं. मंगलवार को सामुहिक अवकाश में रहने के कारण सरकारी विभागों में लगभग 3500 फाइलों का मूवमेंट रूक गया है. हर दिन एक विभाग में औसतन 100 से अधिक फाइलों का मूवमेंट होता है.

महासचिव के विभागीय प्रमुखों को लिखा था पत्र : संघ के महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और सभी विभागाध्यक्षों को पत्र लिख कर कहा था कि उनकी मांगे कई सालों से सरकार के पास लंबित है. इस उपेक्षापूर्ण रवैया की वजह से संघ के पास चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा है. संघ की कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है कि आंदोलन के अगले चरण में 10 से 12 सितंबर तक सभी पदाधिकारी व कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे.

संघ की क्या है छह मांगे

- सचिवालय सेवा के पदाधिकारी व कर्मचारी की लंबित प्रोन्नति दी जाये.
- प्रशाखा पदाधिकारी के पदों पर पूर्व के प्रभाव से प्रोन्नति का लाभ दें.
- प्रशाखा पदाधिकारियों को अकार्यात्मक वेतनमान की स्वीकृति दें.
- सचिवालय सेवा के उप सचिव एवं संयुक्त सचिव स्तर के पदों का सृजन हो.
- संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव व प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों पर प्रोन्नति मिले.
- शिशु शिक्षण भत्ता दें और सचिवालय सेवा के मूल कोटि के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती हो.

उड़नदस्ता तैयार

सचिवालय सेवा संघ के निर्णय के खिलाफ सचिवालय सेवा का कोई पदाधिकारी या कर्मचारी काम न करे, इसके लिए संघ की ओर से छह उड़नदस्ता की टीम गठित की गई है. जो औचक निरीक्षण कर देखेगी कि सचिवालय सेवा के कौन पदाधिकारी और कर्मचारी संघ के निर्णय के खिलाफ काम कर रहे हैं.

वाह भक्त जी वाह... खुद पार्टी के लतिया के भागे, लौटे तो दूसर के गद्दार बताइले हैं

संजय सिंह

पंजा पार्टिया में एगो नेताजी हैं. न... न... नेताजी न कहा जाए दिल्ली के बड़का हाउसवाले महोदय जी हैं. इ पहिले अफसर हुआ करते थे. अफसर थे, तभिए से राजनीति वाला पिलुआ काटले था. नौकरी छोड़ कर चल आए राजनीति में झूठ-साच करेला. किस्मत लहलहाया तो विधायक बन गए. पार्टिया में इनको ढेरे सम्मान मिला. ऊपरे तक पहुंचाया. लेकिन ई साहिब ऊ पार्टी के भी पंजा मरोड़ कर लतियाए में तनिको देरी न किए. फूल वाला पार्टिया ललचाया, तो निकल लिए. पुरनकी पार्टिया के ढेरे जोर से लात मार दीहिन. अंडबंड भी बोले लगे. लेकिन जनता ने ई साहिब को अईसा सबक सिखाया कि साहिब ढेरे दिन तक हबकुनिए गिरल-पड़ाइल रहे. फूलवा को तो मुरझाइए दीहिन, खुद भी मुरझाईल-मरुआईल मुंह छुपाइले फिरते रहे. चुनाव में छितराये, तो फूल वाले नेताजी भी मुंह मोड़ लिए. कहे लगे, अरे ई देखो दलबलुआ को. हमलोग के पार्टियां में भी आकर नाशिए दीहिस. अब अफसर से नेता बने ई नेताजी मुंह लटकाईले घूमते रहे. फूल पार्टिया में सफोकेशन होवे लगा, तो पुरनकी पार्टिया में फिरो से घुसियाए लगी हाथ-पैर मारे लगे. दिल्ली दरबार में नेताजी लोगन के सामने नाक रकड़े लगे. रोये, गिड़गिड़ाए लगे... कहे लगे हमसे भूल हो गई, हमका माफी देई दो. दिल्ली दरबार ने तो माफी दे दी, तो लगे अईंठाए. दिल्ली से सीना टाइट कईले लौटे, लगे हेंकड़ी बघारे.

चुनावी चकल्लस

अफसर से नेतई में इंट्री मारेवाले नेताजी का क्षुद्दरपन झारखंड के पार्टीवाला लोग के ठीक न लगा. लोकल नेता-कार्यकर्ता लोग इन्हें अजब तरीके वाली नजरों से देखे लगे. लेकिन भाई मूछ पर ताव देवेवाले नेताजी आव-भगत, गेटिंग सेटिंग के पुरनका खिलाड़ी थे, ईहां भी घिघिया के सेटिंग कर लीहिन. यहां भी पुरनका एलचा-बेलचा लोग फिर से इनके लिए पैडल मारे लगा. अब देखिए न, पार्टी ने इनको फिर से सम्मान दिया. चुनाव लड़वाया, जितवाया भी, तो लगे फुदुकने. बुझाया अकेले ही तीर मार लिए हैं. अब तो अफसर टर्नंड नेताजी तनिका ज्यादा ही फुदके लगे. अपनी पार्टिया के दूसर नेताजी लोगन को गद्दार का भी सर्टिफिकेट बांटे लगे हैं. बॉक्साइट खदानवाले इलाके के इनकी पार्टिया के नेताजी लोग कहे लगे- अरे भाई खुद जे लालच में पार्टी के ठीक चुनाव के समय लात मार कर, गच्चा देके भाग लिया, अब भला ओकरा बारे में का कहल जाए. अब तो लोग खुदे तय करलेवे कि गद्दार कौन? वइसे ई नेताजी पार्टी कृपा से दिल्ली का पहुंच गए, ईहांवाला नेताजी लोग को कीड़ा-मकोड़ा बुझे लगे हैं. नेताजी का पैरवा धरती पर पड़इए न रहिस है. चूंकि जनजाति समुदाय के स्मार्ट नेताजी हैं, तो झारखंड में पार्टिया में अपन मनमर्जी चलावे लगी तड़पड़ाईले रहे, लेकिन गेटी फिटे न हुआ. सोचे लगे, उपरेवाला नेताजी लोगन से जे चाहें से करा लेंगे. पार्टी के लोग भी दांत निपोरले है कि आखिर ई नेताजी एतना कलाकारी कइसे कर लेते हैं. अब देखिए विधानसभा चुनाव आया है, तो पार्टी के लतिया के भागेवाले नेताजी को पुत्र-पत्नी प्रेम ढेरे हो गया. वइसे भी नेताजी पत्नी-पुत्र से ढेरे प्रेम पहिले से ही करते रहे हैं. लेकिन अब नेताजी को तनिका ज्यादा प्रेम हो गया. बेटु को युवा लोगवाला संगठनवा के साथे एक्टिव कईले हैं. अब साहिब अपन पत्नी या पुत्तरजी के विधानसभा चुनाव में टिकट दिलावे लगी लार टपकाइले हैं. प्लेटफार्म तैयार कर रहे हैं. अकड़ तो नेताजी के अईसन है कि पूछिए मत. जानते ही हैं, दिल्ली में नाक रगड़ कर सेटिंग-गेटिंग करिए लेंगे. दिल्ली के नेताजी लोग पट गए तो फिर क्या कहना. अकेले नारा बुलंद कईले फिरेंगे...वंशवाद जिंदाबाद. वईसे ई नेताजी ढेरे चतुर-चालाक भी हैं. इनके लग्गू-भग्गू लोग को उम्मीद है कि अबकी भ से भउजी, न तो भ से भतीजवा को भ से भइया जी दिल्ली में दांत निपोर कर, नाक रगड़ कर टिकटवा झटकिए लेंगे. अब देखिए आगे-आगे होता है क्या. नेताजी लार टपकाईले रह जाएंगे या फिरो से बाजी मार लेंगे. लेकिन इनके पार्टिया के नेताजी लोग ईनके आव-भगत आउर कारस्तानी देख कर कहे लगे हैं, पहचान भाई पहचान, गद्दार कौन?

ब्रीफ खबरें

यौन उत्पीड़न के दोषी कैफी खान को सजा

रांची । रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी कैफी खान को दोषी करार देते हुए सजा का ऐलान किया है. पोक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने कैफी खान को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही कोर्ट ने उस पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर कैफी को तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. दोषी के खिलाफ घटना पीड़िता ने डोरंडा थाना में सात सितंबर 2019 को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

जयराम की पार्टी से संजय ने किया किनारा

रांची। जयराम महतो की पार्टी झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय उपाध्यक्ष संजय मेहता ने पार्टी से किनारा कर लिया है. संजय ने समिति के केंद्रीय उपाध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि मैं क्रांतिकारियों और महापुरुषों के सपनों का झारखंड बनाने की सोच रखता हूं.अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए चिंतन-मनन की आवश्यकता महसूस हो रही है.

आजसू ने मारपीट करने वाले नेता को निकाला

रांची । आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने मुन्ना सिंह उर्फ ब्रजेश सिंह को पार्टी के तमाम पदों से पदमुक्त कर दिया है. मुन्ना सिंह जमशेदपुर के रहने वाले हैं. उन पर आरोप है कि उन्होंने एक महिला के साथ मारपीट की. मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद आजसू ने घटना की भर्त्सना की और आरोपी मुन्ना सिंह को पार्टी से निकालने का फैसला लिया. इसके बाद सुदेश महतो के हस्ताक्षर से पार्टी ने इससे संबंधित पत्र भी जारी कर दिया है.

चंपाई ने किया दुर्गा सोरेन को नमन

रांची । पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा नेता चंपाई सोरेन ने दुर्गा सोरेन को उनके जन्मदिन पर नमन किया. उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक दुर्गा सोरेन झारखंड के वीर सपूत थे. झामुमो में जुझारू साथी के रूप में रहे, स्वर्गीय दुर्गा सोरेन झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता रहे. वीर दुर्गा सोरेन अमर रहें.

तमाड़, बड़कागांव व चंदनक्यारी आजसू के लिए छोड़ने को तैयार नहीं भाजपा

- जुगसलाई, लोहरदगा और टुंडी सीट देने को तैयार भाजपा

ब्यूरो प्रमुख। रांची

एनडीए गठबंधन के अंदरखाने से खबरें आ रही हैं कि भाजपा तमाड़, बड़कागांव और चंदनक्यारी सीट आजसू के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है. क्योंकि एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि तीनों सीटों पर आजसू की जीत मुश्किल है. हालांकि भाजपा इन तीनों सीटों के बदले आजसू को जुगसलाई, लोहरदगा और टुंडी सीट देने को तैयार है. इन तीनों सीटों को लेकर भाजपा नेताओं का तर्क है कि वर्ष 2019 में तीनों जगह पर आजसू के प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहे थे, जबकि भाजपा के प्रत्याशी दूसरे स्थान पर. इस कारण इन तीनों सीटों पर भी आजसू का स्वाभाविक दावा बनता ही नहीं है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा और आजसू के बीच गठबंधन नहीं था.

आजसू के लिए घर से लेकर बाहर तक दिक्कत

विधानसभा की इन तीनों सीटों को लेकर आजसू के लिए घर से बाहर तक दिक्कत वाली परिस्थिति बन गई है. अगर बड़कागांव सीट छोड़ते हैं, तो परिवार में नाराजगी बढ़ सकती है. पार्टी चंद्रप्रकाश चौधरी का विरोध संभालने की स्थिति में नहीं है. बात तमाड़ सीट की करें, तो वह सिल्ली के बगल का क्षेत्र है. सिल्ली के आदिवासी वोटरों पर भी तमाड़ का असर पड़ता है. और चंदनक्यारी की बात करें, तो अगर उमकांत रजक को टिकट नहीं मिलता है, तो उनका जयराम के साथ मिल जाने का खतरा है. यही कारण है कि आजसू पार्टी इन तीनों सीटों पर किसी तरह का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है.

तमाड़

तमाड़ में आजसू के पास जीतनेवाला कोई मजबूत प्रत्याशी नजर नहीं आ रहा है और राजा पीटर भाजपा के संपर्क में हैं. जेल से निकलने के बाद राजा पीटर ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं. राजा पीटर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से मिलकर पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा भी जता दी है. भाजपा को लगता है कि अगर तमाड़ में आजसू समर्थन दे, तो भाजपा के टिकट पर राजा पीटर को जीत दर्ज करने में कोई परेशानी नहीं होगी.

बड़कागांव

बड़कागांव सीट से आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के भाई और सुदेश महतो के मौसा रौशन लाल चौधरी पिछले तीन विधानसभा चुनावों में हार का सामना कर चुके हैं. वर्ष 2014 में भाजपा के साथ गठबंधन होने के बाद भी चुनाव हार गए और वर्ष 2019 में अलग-अलग लड़ कर भी. भाजपा वहां से कुशवाहा जाति के उम्मीदवार पर दाव खेलना चाहती है. हालांकि यह आसान नहीं होगा. बड़कागांव में पिछले तीन चुनावों से योगेंद्र साव, उनकी पत्नी निर्मला देवी और बेटी अंबा प्रसाद ने जीत दर्ज की है.

चंदनक्यारी

भाजपा के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी लगातार दो बार से चुनाव जीत रहे है. वर्ष 2019 में भाजपा के टिकट पर और उससे पहले वर्ष 2014 में झारखंड विकास मोर्चा (बाद में पार्टी से टूट कर भाजपा में शामिल हो गए) से. बाउरी पार्टी के लिए राज्य में दलित चेहरा हैं. आजसू चंदनक्यारी से उमाकांत रजक के लिए टिकट चाह रही है, लेकिन भाजपा इसके लिए तैयार नहीं है. हालांकि बीच में यह अफवाह उड़ी थी कि बाउरी कांके से चुनाव लड़ सकते हैं, जिसका उन्होंने खंडन किया था.

आपराधिक गिरोहों को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का संरक्षण: सरयू

- शक्तिनाथ हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त ईश्वर सिंह बन्ना गुप्ता का खासमखास
- बन्ना गुप्ता के दबाव में गिरफ्तार ईश्वर सिंह को एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया

संवाददाता । रांची

निर्दलीय विधायक सरयू राय मंत्री बन्ना गुप्ता के खिलाफ और आक्रमक हो गए हैं. उन्होंने कहा है कि जमशेदपुर शहर में आपराधिक घटनाएं पुलिस-प्रशासन के नियंत्रण से बाहर हो गई हैं. राजनीतिक दबाव का माहौल बन जाने से पुलिस-प्रशासन पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है. नतीजा है कि शहर में अपराध नियंत्रित नहीं हो पा रहा है.

सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर के चुनिंदा अपराधिक गिरोहों को सत्ताधारी समूह का संरक्षण मिल रहा है. स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता की भूमिका इसमें अग्रणी है. इसी का नतीजा है कि आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के मामले में जमशेदपुर पुलिस-प्रशासन के सामने अक्सर असमंजस की स्थिति पैदा हो जाती है.

शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड के आरोपियों को संरक्षण : सरयू राय ने कहा कि मानगो में हुए शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड के आरोपियों को स्वास्थ्य मंत्री का सीधा संरक्षण प्राप्त है. मंत्री के साथ इन अपराधियों की बड़ी-बड़ी होर्डिंग मानगो के चौक चौराहों पर लगी हुई है. जिसे पुलिस ने शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त मानकर गिरफ्तार किया है. ईश्वर सिंह मानगो मंडल कांग्रेस का अध्यक्ष है और बन्ना गुप्ता का खासमखास है. उनके दवाब में ही ईश्वर सिंह को जेल से अस्पातल भेजा गया. ईश्वर सिंह के स्वास्थ्य की जांच मेडिकल बोर्ड से होनी चाहिए.

चंदन सिंह का नाम सूची से बाहर : सरयू राय ने दावा किया कि शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड के एक अन्य आरोपी चंदन सिंह का नाम अभियुक्त सूची से बाहर कर दिया. इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं. वे अपराध का संरक्षण कर रहे हैं. मानगो का अपराधी सरगना अमरनाथ सिंह को आगे बढ़ाने और संरक्षण देने का काम भी स्वास्थ्य मंत्री ने ही किया था.

जल जीवन मिशन के पैसे की बर्बादी, भ्रष्टाचार की अति और अन्याय की पराकाष्ठा: शिवराज

प्रमुख संवाददाता । रांची

केंद्रीय मंत्री सह झारखंड बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने सीएम हेमंत सोरेन के राजनीतिक गिद्ध वाले बयान पर पर तंज कसते हुए कहा कि हम इस तरह की भाषा नहीं बोलते, लेकिन सत्ताधारी दल के लोग झारखंड को चील कौवे की तरह नोच-नोच कर खा रहे हैं. जल जीवन मिशन के पैसे को बर्बाद कर दिया गया. यह भ्रष्टाचार की अति है और अन्याय की पराकाष्ठा. यहां सत्ताधारी दल के लोगों के पास से नोटों के पहाड़ बरामद हो रहे हैं. वह मंगलवार को रांची एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे.

झारखंड में कोई सुरक्षित नहीं : शिवराज ने कहा कि झारखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी है कि कोई सुरक्षित नहीं है. रेत, बालू से लेकर खनिज तक में भ्रष्टाचार है. जल जीवन मिशन का पैसा पूरा बर्बाद कर दिया. प्रधानमंत्री ने हर घर जल नल योजना के लिए पैसा भेजा, एक गांव में भी पैसा नहीं पहुंचा. आखिर ये पैसा कहां गया?

पांच साल तक एक भी नौकरी नहीं दी

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पांच साल तक सरकार ने एक भी नौकरी नहीं दी और अब चुनाव के समय 10-10 किलोमीटर तक दौड़ा रहे हैं. युवाओं की जान जा रही है. डेमोग्राफी चेंज होना भयावह है. इसलिए झारखंड को बचाना भारतीय जनता पार्टी का कर्तव्य है. पांच साल में एक भी वादा पूरा नहीं किया गया. दो हजार रुपए चूल्हा खर्च देने का वादा किया था, अब चुनाव के समय केवल एक हजार रुपए पकड़ाकर जाल बिछा रहे हैं. हम इसे उजागर करेंगे. इस सरकार को भारतीय जनता पार्टी उखाड़ कर फैंकेगी.

सीएम ने दुर्गा सोरेन और शहीद अब्दुल हमीद को दी श्रद्धांजलि

रांची । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को लोवाडीह में दुर्गा सोरेन स्मारक में दुर्गा सोरेन की प्रतिमा में माल्यापर्ण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इसके बाद वह कांटाटोली चौक स्थित परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक में परमवीर चक्र विजेता शहीद अब्दुल हमीद को उनकी शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर सीएम ने अब्दुल हमीद चौक के जीर्णोद्धार काम का शिलान्यास भी किया. इस अवसर पर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी सहित अन्य नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे.

होल्डिंग सौरव ने कटवाया था, फोन पे पर मिले थे पैसे

- सेना की जमीन कब्जा मामला में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की

विनित आभा उपाध्याय । रांची

रांची पुलिस ने सेना के कब्जे वाली भूमि की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम केस में चार्जशीट दाखिल कर दी है. पुलिस की चार्जशीट में इस बात का खुलासा किया गया है कि सेना के कब्जे वाली जमीन का होल्डिंग सौरव बरनवाल ने 90 हजार रुपये लेकर कटवाया था और उसे यह राशि फोन पे के माध्यम से दी गई थी. दरअसल, रांची नगर निगम के कर संग्रहकर्ता दिलीप शर्मा ने नगर आयुक्त के आदेश पर प्रदीप बागची के विरुद्ध जालसाजी के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रदीप बागची ने फर्जी आधार कार्ड, फर्जी बिजली बिल, फर्जी पोजेशन लेटर दिखाकर दो-दो होल्डिंग नंबर हासिल कर लिया था. आयुक्त की जांच में यह पता चला था कि सेना के कब्जे वाली जमीन का असली रैयत जयंत कर्नाड था. इस संबंध में बरियातू थाना में प्राथमिकी दर्ज है. ईडी ने पिछले वर्ष जब अफसर अली के ठिकाने पर छापेमारी की थी, तब वहां से कई दस्तावेज और डीड भी बरामद हुए थे. ईडी भी सौरव बरनवाल से पूछताछ कर चुकी है. इस केस में तलहा खान, अफसर अली समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ मामला सत्य पाते हुए चार्जशीट दाखिल की गई है.

क्लासिफाइड

अपराध

इंटरनेट से आये कॉल व मैसेज को ट्रेस करने में पुलिस नाकाम

रांची के कारोबारियों से मांगी जा रही रंगदारी

वरीय संवाददाता । रांची

राज्य में उग्रवादी संगठन पीएलएफआई और आपराधिक संगठन के नाम पर रंगदारी मांगने का सिलसिला थम नहीं रहा है. बीते एक माह में रांची के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कई कारोबारियों से रंगदारी मांगने की घटनाएं सामने आयी हैं. किसी से पीएलएफआई के नाम पर तो किसी से अमन साहू गिरोह के नाम पर रंगदारी मांगी गयी है. पुलिस सिर्फ केस दर्ज कर रही है, लेकिन रंगादारी मांगनेवाले अपराधियों व उग्रवादियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है. नतजीजन कारोबियों में दहशत व्याप्त है.

इंटरनेट के जरिये कॉल कर वर्चुअल नंबर का यूज कर रहे : झारखंड के अलग-अलग जिलों में अपराधी इंटरनेट कॉल के जरिये कारोबारी को फोन कर रंगदारी मांग रहे और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. इंटरनेट के जरिये किये जाने वाले कॉल में वर्चुअल नंबर का यूज किया जाता है. इसे आसानी से ट्रेस नहीं किया जा सकता है. इसके लिए न तो मोबाइल की जरूरत होती है और न ही सिम कार्ड की. सिम कार्ड का इस्तेमाल न होने से पुलिस टावर लोकेशन सहित अन्य जानकारी ट्रेस करने में नाकाम रह जाती है. राजधानी में कई लोगों को धमकियां मिली हैं, लेकिन अपराधियों-उग्रवादियों को पुलिस ट्रेस करने में नाकाम रही है.

जानिए कब किससे कितनी मांगी गयी रंगदारी

07 अगस्त : रांची के बिल्डर निशित केसरी से एक करोड़ की रंगदारी मांगी गयी.

28 अगस्त : रांची के अरगोड़ा इलाके में रहने वाले हेमंत सिंह मुंडा से दो करोड़ रंगदारी मांगी गयी.

28 अगस्त : रांची में संजय कुमार से भी एक करोड़ रुपये रंगदारी मांगी गयी.

03 सितंबर : रांची में कांग्रेस नेता ईश्वर आनंद से अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह के नाम पर एक करोड़ रंगदारी मांगी गयी.

05 सितंबर : रांची के लापुंग में पीएलएफआई के एरिया कमांडर अमृत होरो के नाम पर एसएनजी बिल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड के ठेकेदार और उनके कर्मी से 50 लाख की रंगदारी मांगी गयी.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 11 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 154 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.5	25.7
जमशेदपुर	32.4	25.0
डालटनगंज	33.0	25.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ओलंपिक खेलों के स्तर के लायक तो बनें सभी खिलाड़ी

› पेज 10

झारखंड सरकार ने चुनाव आयोग को पत्र लिख कर शिकायत दर्ज कराई है

हिमंता व शिवराज फैला रहे नफरत, अफसरों को धमका रहे

चुनाव आयोग ने कहा- आदर्श आचार संहिता लागू नहीं, ऐसे में हम कुछ नहीं कर सकते

रवि भारती।रांची

झारखंड सरकार ने चुनाव आयोग को पत्र लिख कर इस बात की शिकायत की है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान झारखंड के विभिन्न समुदायों के बीच में नफरत फैला रहे हैं. इसके साथ ही राज्य के शीर्ष अफसरों को धमकी दे रहे हैं. सरकार की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने दो सितंबर को लिखे पत्र में कहा है कि हिमंता बिस्वा सरमा ने झूठे बयान दिए. क्या यह राज्य, राज्य के शीर्ष अफसरों और सरकारी पदाधिकारियों का चरित्र हनन नहीं है ? शिवराज सिंह चौहान झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी हैं, जबकि हिमंता सह प्रभारी. दोनों नेता लगातार झारखंड आ रहे हैं. विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और लोगों से मिल रहे हैं. इस दौरान दोनों नेताओं की प्रेस कांफ्रेंस व सभाएं भी हो रही हैं.

दोनों नेताओं पर हो कड़ी कार्रवाई : झारखंड सरकार ने चुनाव आयोग से मांग की है कि दोनों नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए. साथ ही यह भी मांग की गई है कि शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा को राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी खर्चे पर राज्य सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था का दुरूपयोग न करने की सलाह दी जाए. इस बारे में अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस की खबर में चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया ली गई है. आयोग का कहना है कि झारखंड में आदर्श संहिता लागू नहीं है. लिहाजा वह इस मामले में कुछ नहीं कर सकते. राज्य सरकार की तरफ से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि अभी तक राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू नहीं हुई है, लेकिन भाजपा ने 17 जून को शिवराज सिंह चौहान को प्रभारी और हिमंता बिस्वा सरमा को सह प्रभारी नियुक्त किया है. इसके बाद से दोनों नेता हर हफ्ते झारखंड दौरे पर आते हैं. दोनों नेता जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति है. शिवराज सिंह केंद्रीय मंत्री हैं, जबकि हिमंता बिस्वा सरमा असम के मुख्यमंत्री. दोनों नेताओं की सुरक्षा में बड़े पैमाने पर पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की तैनाती की जाती है.

प्रशासनिक अफसरों के खिलाफ लगातार बयानबाजी : पत्र के मुताबिक दोनों नेताओं के दौरे के दौरान यह पाया गया है कि उनके भाषण व बयान उत्तेजक, शत्रुतापूर्ण, झारखंड राज्य के प्रशासन के खिलाफ होते हैं. डीजीपी, एसएसपी, एसपी जैसे शीर्ष अधिकारियों की गतिविधियों के खिलाफ उनके बयान होते हैं. दोनों नेता कई गांवों का दौरा कर रहे हैं, रैलियां कर रहे हैं और इस तरह के बयान देते रहते हैं. इस कारण सरकारी अधिकारी में प्रतिशोध का डर है, और वह कर्तव्य का पालन करने में हतोत्साहित हो रहे हैं. पत्र के साथ हिमंता बिस्वा सरमा और शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य भाजपा नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी चुनाव आयोग को भेजा गया है. साथ ही कहा गया है कि भाजपा नेताओं के बयान सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वाले हैं. पत्र में सरकार की तरफ से कहा गया है कि दोनों नेताओं की गतिविधियां और बयान गलत हैं. साथ ही गलत और जानबूझकर योजनाबद्ध तरीके से प्रशासनिक अधिकारियों को बदनाम करने वाला है. ताकि झूठे आरोपों के आधार पर अधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट तैयार की जा सके और जब आचार संहिता लागू हो, तब चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई जा सके. ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा राज्य के अफसरों को डराने की कोशिश कर रही है. ताकि जब वह धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश करें, तो उनके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई ना हो.

कई अफसरों के नामों का जिक्र

पत्र में देवघर के पूर्व डीसी मंजूनाथ भजंत्री को चुनाव ड्यूटी से हटाने वाली घटना का जिक्र उदाहरण के तौर पर किया गया है. साथ ही राज्य के तत्कालीन डीजीपी एमवी राव, देवघर के तत्कालीन एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग और एसपी पीयूष पांडेय के खिलाफ हुई शिकायतों का भी जिक्र किया गया है. भाजपा नेताओं के ऐसी और सोची समझी साजिश के तहत झारखंड में शीर्ष अफसरों पर सुनियोजित तरीके से हमले किये जा रहे हैं. जिससे अफसरों में भय पैदा हुआ है और उनके मनोबल पर असर पड़ा है. इसलिए राज्य के शीर्ष अफसरों के खिलाफ की गई शिकायतों की जांच करते समय निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,700
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

21 को परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे साह

रांची। झारखंड भाजपा परिवर्तन यात्रा के जरिए ताकत दिखाएगी. प्रदेश भाजपा ने छह जगहों पर परिवर्तन यात्रा निकालेगी. इसके लिए राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को संयोजक बनाया गया है. परिवर्तन यात्रा की तैयारी को लेकर मंगलवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में बैठक हुई. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 21 को आएंगे. गृह मंत्री के साथ यूपी, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के सीएम भी परिवर्तन यात्रा में शामिल होंगे. इस यात्रा की शुरुआत दुमका से होगी. परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य भ्रष्टाचार, घुसपैठ, बदली डेमोग्राफी से जनता को अवगत कराना है.

केदारनाथ पैदल मार्ग पर हादसा, तीन मरे

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने से तीन श्रद्धालु की मौत हो गई. रास्ते में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. पुलिस ने बताया किपहाड़ दरकने से गिरे मलबे में श्रद्धालुओं के दबे होने की सूचना मिलने पर तत्काल बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया गया. बचाव दल ने मौके से मृतकों के शव को निकाला. शवों की पहचान नहीं हो पाई है.

चार लड़कियों की तालाब में डूबने से मौत

बांका। बिहार के बांका जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक तालाब में नहाने गई चार लड़कियों की डूबने से मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि बेहरार गांव के तालाब में करमा पर्व को लेकर नहाने के दौरान चार लड़कियां तालाब के अंदर गहरे पानी में चली गईं, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई. सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची. सभी चार शवों को तालाब से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया.

बाजार के लिए मंगल साबित हुआ मंगल

मुंबई. मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मंगल साबित हुआ है. शानदार ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली है. और इसी तेजी में सबसे बड़ा योगदान आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मा और एनर्जी स्टॉक्स का रहा है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 361 अंकों के उछाल के साथ 81,921 और निफ्टी 105 अंकों की तेजी के साथ 25,041 पर क्लोज हुआ है.

बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगेगा बैन

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की योजना की घोषणा की है. पीएम ने कहा कि सरकार सोशल मीडिया तक पहुंच के लिए न्यूनतम आयु लागू करने का कानून पेश करेगी. प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा, हम जानते हैं कि सोशल मीडिया सामाजिक नुकसान पहुंचा रहा है.

कार्यक्रम : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निशाने पर भाजपा, कहा-

विधायकों को खरीदने के लिए थैली लेकर घूम रहे

रवि/सुनील।जमशेदपुर/रांची

झामुमो को तोड़ने व विधायकों को खरीदने के लिए भाजपा के लोग थैली लेकर घूम रहे हैं, लेकिन हमारे कर्मठ लोग उनके झांसे में नहीं आ रहे. वे लोग अपने साथ पैसा गिनने की मशीन लेकर चल रहे हैं. उक्त गंभीर आरोप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लगाए हैं. सीएम मंगलवार को कोल्हान प्रमंडल स्तरीय आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने कहा भाजपा सरकार के पास गरीब, किसान, मजदूर को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन सरकार को अस्थिर करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बैसाखी के सहारे चल रही है. गरीबों का कर्ज माफ करने की बजाय उस सरकार को पूंजीपतियों, अमीर व सेठ महाजनों की चिंता है. उन्होंने उपस्थित जनसमूह से भाजपा एवं उसके सहयोगी दलों को सबक सिखाने की अपील की. उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की कर्म भूमि है, जब हम गोली-बंदूक से नहीं डरे तो इतनी यातना, प्रताड़ना व जेल जाने से क्यों डरेंगे. डबल इंजन की सरकार के पास पेंशन का पैसा नहीं था, महिलाओं को देने के लिए कुछ नहीं. लेकिन बड़े-बड़े अरबपति व्यापारियों का दर्द इनको तुरंत दिखता है. सीएम ने कहा कि आने वाले पांच साल में हर घर में एक-एक लाख रुपया जाएगा. आपको किसी से उधार लेने की जरूरत नहीं होगी.

हम योजनाओं की हकीकत देखने को कर रहे भ्रमण : सीएम ने कहा कि हम योजनाओं की हकीकत देखने के लिए ही पूरे राज्य का भ्रमण कर रहे हैं. भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वो नहीं चाहते हैं कि झारखंड समृद्ध हो. दिल्ली में देश के किसान भाजपा को घेर कर रखा. अनेक किसान शहीद हो गए. लेकिन ये लोग किसानों के आंसू पोंछने नहीं गए. लोकसभा चुनाव में इनका घमंड चूर-चूर हो गया. सरकार बनाने के लिए बैशाखी का सहारा लेना पड़ा.

बोले सीएम

- बोलते हैं इतने विधायक - सांसद हैं हमारे साथ
- जनता इनको नहीं चुनती, पैसे से बनाते हैं सरकार
- 1.36 लाख करोड़ बकाया के लिए दौड़ा रही केंद्र सरकार

प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन.

बिना नाम लिए चंपाई पर भी साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन पर भी बगैर उनका नाम लिए निशाना साधा. कहा कि कोल्हान में भीड़ दिखाने के लिए उन्हें पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा से भाड़े पर लोगों को लाना पड़ रहा है. आने वाले दिनों में यह भीड़ गायब हो जाएगी. उन्होंने कहा कि जिसने भी यहां की माटी से धोखा किया, जनता ने उसे सबक सिखाया.

कोरोना में उल्टा-सीधा दवा लगवा दिया

सीएम ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कोरोना में उल्टा सीधा दवा लगवा दिया. पूरा देश दुनिया में उसपर रोक लगा दी गयी थी. चंदा लेने के लिए देशभर में फर्जी दवा सप्लाई की गयी. हमलोगों को भी लगा दिया, पता नहीं कब मर जाएंगे. लोग चलते-फिरते मर जा रहे हैं. ये लोग सत्ता में आने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं.

चील-कौओं की तरह मंडराने लगे हैं

सीएम ने कहा कि चील-कौओं की तरह नेता लोग मंडराने लगे हैं. अभी इनका गुरु आने वाला है. ये लोग इतने बड़े जादूगर हैं कि नोट छापने वाली मशीन घर पर रख लिया है. नोट के बल पर सोचते है कि पूरे देश में कब्जा कर लेंगे. पर देश की जनता ने ऐसे सामंती विचार वाले लोगों को करारा जवाब दिया है. अपना अधिकार मांगने पर जेल में डाल दिया जाता है. 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया है. मांगने पर भी नहीं दिया जा रहा.

दो किमी पैदल चल कर पहुंचे कार्यक्रम में लाभुक

मुख्यमंत्री के सरायकेला-खरसावां जिले के डोबो काजू बगान में आयोजित सभा में लाभुक एवं आम लोग दो किमी पैदल चल कर पहुंचे. पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला खरसावां के लाभुकों की गाड़ियों को मरीन ड्राइव पुल के समीप पुलिस ने रोक दिया. जिसके कारण सभी लोग वहां से पैदल कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे. इस दौरान कई लोगों में नाराजगी भी दिखी. पुल के पास कई लोग पुलिस से बकझक करते दिखे.

555.83 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात

सीएम ने जमशेदपुर को 555 करोड़ 83 लाख 80 हजार की योजनाओं की सौगात दी. जिसमें पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर की 303 करोड़ 54 लाख 84 हजार की योजनाएं और पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा की 252 28 लाख 96 हजार की योजनाएं शामिल हैं.

पांच दिन के लिए इंटरनेट हुआ बैन इंफाल समेत कई जिलों में कर्फ्यू

एजेंसी।इंफाल

मणिपुर में बिगड़े हालात के बीच सरकार ने मंगलवार को सरकार ने कई जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है. साथ ही पांच दिनों के लिए राज्य में इंटरनेट और मोबाइल डेटा पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है. सीएम एन बीरेने सिंह ने कहा, उप्रद्रवियों के नफरत फैलाने वाले भाषणों और सोशल मीडिया के जरिए हिंसा भड़कने से रोकने के लिए ही इंटरनेट पर बैन का फैसला किया है.

इससे पहले सरकार ने बेकाबू स्थिति पर आरएएफ को बुलाया था और कर्फ्यू लगाने का फैसला किया था. बीती रात महिलाओं ने ड्रोन हमले के विरोध में मशाल जुलूस निकाला. प्रदर्शनकारियों ने राजभवन पर पथराव किया. बिगड़ती कानून व्यवस्था और हमलों को देखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है. इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम के अलावा थौबल में कर्फ्यू लगा है. इन जिलों में बेमियादी कर्फ्यू लगा है और लोगों को घरों में ही रहने की सलाह दी गई है. बीएनएसएस की धारा 162 (2) को लागू कर दिया गया है.

मणिपुर में फिर बिगड़े हालात

मणिपुर के घटनाक्रमों की बड़ी बातें

मंगलवार को प्रदर्शनाकिरयों ने राजभवन की ओर मार्च निकालने की कोशिश की. सुरक्षाबलों ने छात्रों और महिला प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प में आंसू गैस के गोले दागे. प्रदर्शनकारी लगातार डीजीपी और मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार को हटाए जाने का मांग पर अड़े हैं. ख्वाइरामबंद महिला बाजार में सोमवार से डंटे हुए सैंकड़ो स्टूडेंट्स ने बीटी रोड के रास्ते राजभवन की ओर मार्च निकालने का प्रयास किया जिन्हें सुरक्षाबलों ने कांग्रेस भवन के पास रोका. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी ने मणिपुर में ड्रोन और हाई-टेक मिसाइल हमलों के बाद अत्याधुनिक रॉकेट के ढेर बरामद किए जाने की बात कही. उन्होंने असम राइफल्स के सेवानिवृत्त डीजी लेफ्टिनेंट जनरल पी सी नायर के उस दावे का भी खंडन किया जिसमें ड्रोन या रॉकेट का इस्तेमाल नहीं होने की बात कही गई थी. मणिपुर पुलिस को मैतेई पुलिस कहे जाने के सेवानिवृत्त अधिकारी के बयान पर काफी हंगामा हुआ.

कांग्रेस ने सेबी अध्यक्ष पर नए आरोप जड़े, कहा-

बुच की सलाहकार फर्म ने महिंद्रा से भी लिया फायदा

एजेंसी।नयी दिल्ली

कांग्रेस ने सेबी प्रमुख माधवी बुच पर नए आरोप लगाए हैं. मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि सेबी अध्यक्ष बुच ने महिंद्रा एंड महिंद्रा, डॉ. रेड्डीज, पिडिलाइट, आईसीआईसीआई, सेंबकॉर्प और विसू लीजिंग एंड फाइनेंस समेत कई कंपनियों से पैसा कमाया है.

खेड़ा दावा किया कि बुच की कंपनी, अगोरा ने उनके पदभार संभालने के बाद परिचालन बंद कर दिया था. इसके बावजूद कंपनी ने काम करना जारी रखा और राजस्व अर्जित किया. इसके अलावा, कांग्रेस ने बताया कि अगोरा ने 2016 से 2024 के बीच 2.95 करोड़ रुपए से अधिक कमाए.

सबसे ज्यादा भुगतान महिंद्रा ने किया : खेड़ा कहा, अजीब बात यह है कि अगोरा को मिले कुल 2.95 करोड़ में से 2.59 करोड़ रुपए अकेले महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह से आए हैं. यह अगोरा को मिले कुल पैसे का 88% है. खेड़ा ने आरोप लगाया कि माधवी पुरी और उनके पति के पास अगोरा कंपनी में 90% से ज्यादा शेयर हैं. अगस्त में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया था कि बुच ने अडानी की विदेशी शेल कंपनी में निवेश किया, जिसके बाद से कांग्रेस सेबी प्रमुख पर लगातार हमलावर है. कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सेबी की प्रमुख की अगोरा कंपनी में उस समय 99% हिस्सेदारी थी, जब यह कंपनी महिंद्रा समूह को सेवा दे रही थी. खेड़ा ने दावा भी किया कि माधवी के सेबी की सदस्य रहते उनके पति धवल बुच को महिंद्रा से 4.78 करोड़ रुपए मिले.

वामपंथी नेता सीताराम येचुरी की हालत नाजुक

नयी दिल्ली। माकपा के नेता सीताराम येचुरी की हालत नाजुक है. उन्हें एम्स के आईसीयू में कृत्रिम श्वसन प्रणाली पर रखा गया है. उन्हें सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी. पार्टी ने बयान में कहा है कि चिकित्सकों की टीम येचुरी के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और उनकी हालत इस समय गंभीर है. येचुरी को निमोनिया जैसे सीने के संक्रमण के उपचार के लिए 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था. उन्होंने कुछ वक्त पहले ही मोतियाबिंद की सर्जरी कराई थी. सीपीएम महासचिव बीते तीन सप्ताह से लगातार एम्स में ही एडमिट हैं. उनकी सेहत में पहले कुछ सुधार हुआ था, लेकिन एक बार फिर से उन्हें परेशानी बढ़ गई है. 72 वर्षीय सीताराम येचुरी की ओर से अस्पताल में रहने के दौरान ही 22 अगस्त को एक 6 मिनट का वीडियो जारी किया गया था. इस वीडियो में उन्होंने बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेब भट्टाचार्य के निधन पर दुख जाहिर किया था.

नई स्टडी देर रात तक जागने वालों में से 50 फीसदी लोगों को डायबिटीज होने का खतरा

रात में उल्लू की तरह जागने से बिगड़ती है सेहत

लगातार न्यूज नेटवर्क

जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना हेल्दी आदतों में गिना जाता है. लेकिन आजकल के दौर में लोग उल्लू की तरह देर रात तक जागते हैं. देखा जाए तो मोबाइल ने लोगों की रात की नींद कम कर दी है. लेकिन देर से सोने की ये आदत आपको डायबिटीज टाइप2 का शिकार बना सकती है.

जी हां, एक स्टडी में कहा गया गया है कि रात को देर से सोने वाले लोगों को सुबह जल्दी उठने वालों की तुलना में डायबिटीज 2 का 46 फीसदी ज्यादा रिस्क होता है. दरअसल नींद की खराब क्वालिटी के साथ साथ गलत लाइफस्टाइल डायबिटीज के रिस्क को बढ़ाती हैं. हाल ही में कराई गई एक नई स्टडी में कहा गया है कि जो लोग रात में देर तक जागते हैं, वो उनके अंदर दूसरों की तुलना में टाइप 2 डायबिटीज होने के 46 फीसदी ज्यादा जोखिम होते हैं. नीदरलैंड्स में कराई गई इस स्टडी में पांच हजार ऐसे लोगों को शामिल किया गया जिनका वजन अधिक था. इन लोगों को तीन भागों में बांटा गया. पहला, जल्दी उठने वाले, दूसरा औसत समय पर उठने वाले और तीसरा देर से उठने (लेट क्रोनोटाइप) वाले. बता दें कि इस स्टडी की फाइंडिंग को यूरोपीय संघ की बैठक में भी दिखाया जाएगा. रात के उल्लू ऐसे लोग हैं जो रात को देर से सोते हैं और सुबह देर से उठते हैं. स्टडी में कहा गया है कि रात में देर से सोने वालों की बायो क्लॉक गड़बड़ हो जाती है, जिससे इनके शरीर में टाइप 2 डायबिटीज और मेटाबॉलिज्म संबंधी परेशानियां पैदा हो सकती हैं. रात में देर से सोने वालों को होने वाली परेशानियों में हाई बीएमआई, बैली फैट, फैटी लिवर और आंत में फैट जमना शामिल हैं. लेट क्रोनोटाइप वालों में मिडिल क्रोनोटाइप वालों की तुलना में डायबिटीज टाइप 2 होने का रिस्क बढ़ जाता है. इसके पीछे शरीर में फैट का बढ़ना, आंत की चर्बी का बढ़ना और फैटी लिवर शामिल है.

इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ती है

नींद की कमी की वजह से ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का एक सबसे बड़ा कारण है, इंसुलिन सेंसिटिविटी की कमी। दरअसल, जब आपकी नींद पूरी नहीं होती, तो आपके सेल्स इंसुलिन का ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाते और ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. इसे ही इंसुलिन रेजिस्टेंस कहते हैं, यानी शरीर इंसुलिन का ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाती है.

खाने की क्रेविंग बढ़ती है

जब आप रात को देर तक जागते हैं, तो आपने ध्यान दिया होगा कि आपका बार-बार मन कुछ खाने का करता है. उसमें भी हाई कैलोरी के फूड्स खाने का मन ज्यादा करता है. इसकी वजह से अक्सर लोग मिड नाइट स्नैकिंग के नाम पर जंक और प्रोसेस्ड फूड्स खाते हैं. इनकी वजह से भी ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है और डायबिटीज को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है.

स्ट्रेस हार्मोन का लेवल बढ़ता है : नींद की कमी की वजह से बॉडी में कॉर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन बढ़ने लगते हैं. ये स्ट्रेस हार्मोन इंसुलिन सेंसिटिविटी को कम कर देते हैं, जिसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ने लगता है. नींद की कमी से अन्य हार्मोन्स में भी असंतुलन होने लगता है. जिसके कारण भी ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है.

आरक्षण खत्म करने का समय अभी नहीं आया है: राहुल गांधी

एजेंसी।वाशिंगटन

विपक्ष के नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं. इस बीच उन्होंने आरक्षण खत्म करने को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी, जब सही समय होगा, जोकि अभी नहीं आया है.

राहुल गांधी से यूनिवर्सिटी में छात्रों ने पूछा था कि देश में आरक्षण कब तक जारी रहेगा, जिसका जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा, जब आप वित्तीय आंकड़ों को देखते हैं, तो आदिवासियों को 100 रुपए में से 10 पैसे मिलते हैं, दलितों को 100 में से 5 रुपए मिलते हैं और ओबीसी को भी लगभग इतनी ही रकम मिलती है. असलियत यह है कि उन्हें भागीदारी नहीं मिल रही है. भारत के बिजनेस लीडर की सूची देखें. मुझे आदिवासी, दलित का नाम दिखाएं. मुझे ओबीसी का नाम दिखाएं. शीर्ष 200 में से एक ओबीसी है. वे भारत के 50% हैं, लेकिन हम बीमारी का इलाज नहीं कर रहे हैं. अब, आरक्षण एकमात्र साधन नहीं है. समान नागरिक संहिता के बारे में राहुल ने कहा कि वह इस पर तभी टिप्पणी करेंगे, जब पता चलेगा कि बीजेपी का प्रस्ताव क्या है. राहुल ने कहा, दलित, ओबीसी, आदिवासी को उनका हक नहीं मिल रहा है. देश के 90% आबादी वाले लोग इस खेल में ही नहीं हैं. जातीय जनगणना ही एकमात्र समाधान है.

-पेज 12 भी देखें

अमेरिका में नेता प्रतिपक्ष

ब्रीफ खबरें

लोगों को गुमराह करने वालों के दिन अब लद गए : विनोद

पांकी (पलामू)। पांकी विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी विनोद सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग राजनीति को कमाई का साधन समझकर आते हैं. जनता को विकास के सपने दिखाते हैं और चले जाते हैं. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि आज लोग जागरूक हो चुके हैं.इसलिए राजनीति में आकर जनता को गुमराह करने वाले नेताओं के दिन लद चुके हैं. पांकी की जनता ने अपना मूड बना लिया है कि अबकी बार किसी नेता को नहीं, बल्कि अपने बेटे-भाई को मौका देंगे. श्री सिन्हा केकरगढ़ पंचायत के पोरसम जांजो ताल लोहरसी चट्टी में जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

मानसिक स्वास्थ्य के लिए पेड़ आवश्यक है

सतबरवा (पलामू)। देश में पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टिकोण से नवजागरण अभियान एक पेड़ मां के नाम संदेश से प्रेरित होकर एक पेड़ प्रतिदिन पर्यावरण अभियान का प्रारंभ शिक्षक अभिषेक तिवारी के द्वारा राजकीय कृत सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर सतबरवा में विभिन्न पौधे की प्रजातियां पीपल, नीम, जामुन, आम, नीम, कटहल, गुलमोहर इत्यादि पौधे को लगाया. विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बताया कि ये सभी मातृ वृक्ष मनुष्यों को आक्सीजन प्रदान करते हैं कार्बन को संग्रहित करते हैं .

श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की नई कमेटी गठित

मेदिनीनगर। बाईपास रोड स्थित हाउसिंग कॉलोनी में इस वर्ष धूमधाम के साथ दुर्गा पूजा संपन्न कराने को लेकर श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति सदस्यों की दुर्गा मंडप हाउसिंग कॉलोनी परिसर में बैठक हुई. बैठक का संचालन मुकेश सिन्हा ने किया. बैठक में पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया. कमेटी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष जयप्रकाश शुक्ला, उपाध्यक्ष संजीव तिवारी, आशीष श्रीवास्तव, सचिव राजन मेहता, कोषाध्यक्ष राहुल सोनी व सुजीत गिरी, उपसचिव जय कुमार व राहुल सिन्हा बनाए गए.

सरकार समाप्त कराए सफाई कर्मियों की हड़ताल

मेदिनीनगर। पलामू भाकपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य में चल रही सफाई कर्मियों की हड़ताल समाप्त कराने की मांग की है. भाकपा के वरिष्ठ नेता सूर्यपत सिंह एवं पलामू जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने इसे लेकर जारी बयान में कहा है कि झारखंड के कर्मचारी जो हड़ताल पर बैठे हुए थे. उनकी लगभग मांगों को पूरा कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हड़ताल समाप्त करा दिया .नगर निगम एवं नगर परिषद के सफाई कर्मी जो लगभग एक माह से अपनी जायज मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हैं .

पांकी की जनता विकास के लिए तरस रही है : लाल सूरज

पांकी(पलामू)। कांग्रेसी नेता लाल सूरज इन दिनों पांकी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव-कस्बों में बदलाव यात्रा अभियान चला रहे हैं. बदलाव यात्रा के तहत सभी धर्म समुदाय के लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख में भाग ले रहे हैं . लोगों का हाल चाल जान रहे हैं. इस दौरान लाल सूरज बदलाव यात्रा के तहत क्षेत्र में दौरा कर लोगों से समर्थन मांग रहे हैं. इस बदलाव यात्रा में हाजी अकमल खान साहब, अरबिंद सिंह, गयासुदीन, उमेश सिंह, अभिषेक मेहता, अजित मेहता, संतोष सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे.

वादे हैं वादों का क्या : पांकी को अनुमंडल बनवाने का वादा कर जनता को झांसा देते रहे हैं जनप्रतिनिधि

दो दशक से जनता की मांग पर न एनडीए ने ध्यान दिया, न यूपीए ने

शिवशंकर पासवान । पांकी(पलामू)

वादे हैं वादों का क्या? हर चुनाव से पहले नेता जनता से कई वादे करते है. वादे पूरा करने का भरोसा देकर चुनाव भी जीत जाते हैं. लेकिन वादा छलावा बनकर रह जाता है. अब जब विस चुनाव सिर पर है, तो जनता उन्हीं वादों पर इन सफेदपोश वादाधारियों को घेर रही है. पांकी विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्वलंत व बड़ा मुद्दा है पांकी को अनुमंडल बनाने की मांग. यहा मांग दो दशकों से की जा रही है. दो दशक में हर जनप्रतिनिधि ने पांकी को अनुमंडल बनाने का वादा किया है. लेकिन आज तक इसे आमलीजामा नहीं पहना पाया. स्थानीय विधायक व विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाया, परंतु कोई भी सरकार कभी भी इस मुद्दे पर संवेदनशील नहीं हुई. चाहे वह एनडीए की सरकार रही हो या यूपीए गठबंधन की. इस बात का मलाल पांकी वासियों को है.

पांकी से डालटनगंज की दूरी 55 किलोमीटर है. लोगों को छोटे मोटे काम के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है. इस संबंध में पूर्व मंत्री स्व मधु सिंह के बेटे व पांकी से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके कांग्रेस नेता लाल सूरज से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पांकी को अनुमंडल बनाने के लिए अनुमंडल संघर्ष समिति का गठन किया गया था. समिति का संयोजक उन्हें बनाया गया था. उनके नेतृत्व में पांकी ब्लाक परिसर पर धरना -प्रदर्शन भी किया गया. 15 सूत्री मांग पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा भी गया था.लेकिन समय के साथ आंदोलन भी ठप पड़ता गया और मांग पत्र फाइलों में धूल फांकता रह गया. स मामले में पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह उर्फ बिट्टू सिंह से पूछने पर कहते हैं कि उनके विधायक कार्यकाल में पांकी को अनुमंडल बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी थी. इसे उच्चस्तरीय बैठक में शामिल भी कराना था, लेकिन चुनाव आ जाने के कारण मामला आगे नहीं बढ़ पाया. वर्तमान विधायक डॉ एसपीबी मेहता ने इस मुद्दे पर विशेष ध्यान नहीं दिया, केवल जनता को दिग्भ्रमित करने में ही पूरा कार्यकाल बिता दिया है.

वर्तमान पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पांकी को अनुमंडल बनाने की मांग को लेकर कई बार सदन में आवाज उठाया हूं. इस मांग को लेकर सदन के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया है. विधायक ने कहा कि पांकी विधानसभा में पुलिस मुख्यालय के होने के बावजूद उसे अनुमंडल नहीं बनाया जा रहा है हेमंत सोरेन सरकार कभी भी इस मुद्दे पर सकारात्मक पहल ही नहीं की. वहीं पांकी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके समाजसेवी बिनोद सिन्हा ने कहा कि पांकी को अनुमंडल के दर्जा तो पहले ही मिल जाना चाहिए था. यहां के जन प्रतिनिधियों में इच्छाशक्ति का अभाव था. स्थानीय जनप्रतिनिधियों को दोषी ठहराते हुए कहा कि बहुत पहले ही पांकी को अनुमंडल बना दिया जाना चाहिए था.

अनुमंडल बनने से विधि व्यवस्था व पंचायतों का समुचित विकास होता. लेकिन हालत ये हैं कि अब छोटी मोटी समस्या को लेकर जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ रहा है.

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में फरियादियों की लगी भीड़

ऐसे आयोजन से पुलिस व पब्लिक की दूरी मिटती है : डीआईजी

संवाददाता ।मेदिनीनगर

झारखंड पुलिस द्वारा पूरे राज्य में आयोजित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत पलामू जिले में भी पुलिस ने पांच पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं का समाधान किया. पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के बेलवाटिका स्थित श्री गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल परिसर में आयोजित शिविर का उद्घाटन पलामू आईजी नरेंद्र कुमार सिंह, पलामू एसपी रिष्मा रमेशन समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया. आईजी नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से पुलिस व पब्लिक के बीच की दूरी मिटती है.

जनता को थाना में जाने से डर न लगे और उनकी समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान हो इसके लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम में सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के साथ-साथ बैंक एवं बिजली विभाग के अधिकारियों से भी मौजूद रहने का आग्रह किया जाएगा ताकि आमजनों की समस्याओं के समाधान में आसानी हो. पलामू एसपी श्रीमती रमेशन ने कहा कि पलामू में मेदिनीनगर, लेस्लीगंज, विश्रामपुर, छतरपुर व हुसैनाबाद पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में शिविर का आयोजन किया गया है. उन्होंने कहा कि अधिकतर मामले जमीन विवाद से संबंधित रहे थे जिसके निष्पादन के लिए एलआरडीसी और डीएलएसए के तरफ से भी अधिकारी मौजूद थे. आम लोगों के समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है और आगे भी यह कार्यक्रम आयोजित होता रहेगा. शिविर में आम लोगों ने जमीन, ट्रैफिक जाम एवं चोरी से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से रखा. वहीं कई लोगों ने व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज कराई है. जानकारी के अनुसार, पलामू पुलिस को 21 व्हाट्सएप जबकि तीन ईमेल के माध्यम से शिकायत मिली है. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत पुलिस को सोमवार तक 238 शिकायतें मिली थी.

कार्यक्रम को संबोधित करते एसडीपीओ.

हुसैनाबाद में जनसंवाद कार्यक्रम में 70 मामले आए

पलामू । झारखंड पुलिस द्वारा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार को हुसैनाबाद के पंडित दीनदयाल स्मृति भवन सह टाउन हॉल में की गई . कार्यक्रम की शुरुआत अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिन्हा, एलआरडीसी गौरांग महतो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार महतो, अंचल पदाधिकारी विकास कुमार पांडेय, हुसैनाबाद अंचल पुलिस निरीक्षक सुरेश मंडल व थाना प्रभारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की . कुल 70 मामले लोगों ने एक एक कर रखा . पारिवारिक विवाद व आपसी विवाद समेत अन्य मामलों को तत्काल समाधान किया गया . अनुमंडल पदाधिकारी पियूष सिन्हा ने कहा कि पुलिस प्रशासन का यह कदम सराहनीय है . उन्होंने कहा कि छोटे छोटे मामले, जो स्थानीय स्तर पर सुलझाए जा सकते हैं . लोग बेवजह परेशान रहते हैं . उन्होंने कहा कि कुछ त्रुटियों की वजह से भूमि विवाद के मामले बढ़ते हैं . इस तरह के कार्यक्रमों से इसका समाधान किया जा सकता है .

विवादों का त्वरित निबटारा किया जायेगा : एसडीपीओ

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर पुलिस अनुमंडल मुख्यालय स्थित जनता प्लस टू हाई स्कूल परिसर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का जागरूकता अभियान आयोजित किया गया .कार्यक्रम का उद्घाटन विश्रामपुर एसडीपीओ सह आईपीएस राकेश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया .एसडीपीओ राकेश सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा शुरू किया गया यह जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए ज्यादा लाभकारी है .क्षेत्र के छोटे– छोटे विवादों का त्वरित निष्पादन इस कार्यक्रम के माध्यम से हो जायेगा .कार्यक्रम के दौरान कुल 40 आवेदन प्राप्त हुआ .जिसमे से ज्यादा मामला जमीनी विवाद का था,जिसे संबंधित विभाग को अग्रेषित किया गया .कुछ मामलों का निपटारा ऑन द स्पॉट भी किया गया .

अधिवक्ताओं के हित में निर्णय: शम्स कमर

लातेहार। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा अधिवक्ता कल्याण हेतु लिए गए निर्णय अधिवक्ताओं के लिए हर्षदायक है. उक्त बातें अधिवक्ता मो समसुल कमर खान शम्स ने पत्रकारों से कहा है. अधिवक्ता संघ परिसर में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश में पहली बार हेमंत सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के हित में यह निर्णय लिया गया है. अधिवक्ता सुनील कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा की योजना अधिवक्ताओं के हित में अच्छा कदम है. एडवोकेट वेलफेयर फंड के माध्यम से मिलने वाली पेंशन राशि को दुगना करना भी हेमंत सरकार के निर्णय में शामिल है. युवा अधिवक्ता अश्विनी कुमार ने स्टाइपेंड की राशि एक हजार से बढ़ा कर पांच हजार रूपये करने पर हर्ष व्यक्त किया है. उन्होंने कहा है कि इस निर्णय से नए अधिवक्ताओं में कार्य के प्रति उत्साह बढ़ेगा.

मेडिकल स्टोर का शुभारंभ

चंदवा (लातेहार)। शहर से सटे नगर चौक में मिंटू मेडिकल स्टोर का उद्घाटन कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष असगर खान ने फीता काटकर किया. उन्होंने कहा कि इस सुदूरवर्ती छेत्र में मेडिकल स्टोर खुलने से लोगों को काफी राहत मिलेगी. संचालक मिंटू ने कहा कि दवा के लिए अब लोगों को चंदवा शहर तक भाग दौड़ करना नहीं पड़ेगा. यहां उचित दर पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी. मौके पर पुतन खान, छोटू, आलम खान, नौशाद खान, नाजिश खान, शीतल साव, रसीद आलम, अफरोज खान, इमरोज और तबरेज खान समेत कई लोग उपस्थित थे.

हमारा लक्ष्य हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाना हैः आलोक

संवाददाता ।मेदिनीनगर

करोड़ों रुपये की लागत से बननेवाले विभिन्न सड़कों के विशेष मरम्मति कार्यों का शिलान्यास किया. मौके पर विधायक श्री चौरसिया ने कहा कि सड़क निर्माण से ग्रामीण और शहरी इलाकों के यातायात में सुधार के साथ ही क्षेत्र में आर्थिक विकास होगा. उन्होंने क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि उनका लक्ष्य हर गांव और हर व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है. उनके इस प्रयास से इलाके के आर्थिक विकास को बल मिलेगा, क्योंकि बेहतर सड़कें व्यापार, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को आसान बनाती हैं. उनमें पीडब्ल्यूडी पथ से जगन्नाथ मिश्रा इंटर कॉलेज से कल्याणपुर होते हुए नन्फुलिया तक, चांदो से दुबा तक , चाँदो से मुरु होते हुए महाउत मुड़िया तक तथा चांदो से अवसाने तक सड़क निर्माण शामिल है. इसके अंतर्गत 1085.696 लाख रुपये की लागत से कुल 17.350 किमी सड़कों की मरम्मति का कार्य किया जाएगा. मौके पर ज़िला पार्षद रामलव चौरसिया, कुलदीप सिंह, मुखिया नंदू सिंह, जितेंद्र यादव, मनोज मेहता, शिवकुमार यादव आदि शामिल थे.

जन शिकायत समाधान शिविर में 77 मामले आये

सतबरवा। पुलिस ने सेवा भावना लिए जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का जागरूकता अभियान शिविर का आयोजन मंगलवार को सतबरवा प्रखंड के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के धावाडीह पंचायत सचिवालय में एसडीपीओ मनोज कुमार झा के अध्यक्षता में हुआ . शिविर में 95 प्रतिशत मामला भूमि विवाद का आया. ग्रामीणों की माने तो पुलिस पब्लिक का यह फ्रेंडली कार्यक्रम मिल का पत्थर साबित हो सकता है. एसडीपीओ मनोज झा ने बताया कि दो बजे तक 77 मामले आए हैं . जिसमें 10 मामला लेस्लीगंज का है, जबकि एक मामला तरहसी थाना का है .इस मौके पर लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता, एसआई संतोष कुमार गुप्ता,पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी,मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव, तरहसी थाना प्रभारी नीरज कुमार, पिपरा टाड़ थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ,मनातु सीओ मदन कुमार सुमंत , पंचायत मुखिया रिंकी देवी मुख्य रूप से मौजूद थे.

शिविर का उद्देश्य शिकायतों का समाधान करना है : राजकुमार

संवाददाता ।लातेहार

पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया. जिले के चारों पुलिस अनुमंडल स्तर पर विभिन्न थाना परिसर में पूर्वाह्न 11 बजे से इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. लातेहार पुलिस अनुमंडल स्तर पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन सदर थाना में किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक राजकुमार लकड़ा ने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मौके पर एसपी कुमार गौरव, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक व एसडीपीओ सदर अरविंद कुमार मौजूद थे. आईजी श्री लकड़ा ने कहा कि शिविर का उद्देश्य शिकायतों का समाधान करना है. समाधान के लिए और प्रक्रिया की जानकारी के लिए थाना और अनुमंडल कार्यालय में जाकर जानकारी ली जा सकती है. एक हेल्प डेस्क भी बनाया गया है जो लोग शिकायत लिखकर नहीं ला पाये है वह वहां अपनी शिकायत लिखवा सकते हैं.

न्यूज अपडेट

पांकी की जनता नये चेहरे को देना चाहती है मौका

पांकी (पलामू) :। आम आदमी पार्टी के नेता ओंकार नाथ जायसवाल ने पांकी के ऊपर घाट ग्राम पोरशम, आबून, मतुली सहित कई गांव का दौरा किया. इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक की. ग्रामीणों को संबोधित कर रहते हुए ओंकार नाथ ने कहा कि पांकी विधानसभा में जनता की आवाज को बुलंद करने वाला नेता को विधायक बनाना होगा. जायसवाल ने कहा कि कुछ प्रत्याशी चिंता में है कि अगर चुनाव जीतेंगे तो उनकी ठेकेदारी बड़े पैमाने पर होगी. इसके लिए वह विधायक बनना चाहते हैं. वहीं कुछ भेष बदलकर आपके बीच घूम रहे और अपना वोट बेचकर राजनीत कर रहे हैं. कहा कि वर्तमान और पूर्व विधायक पूरी तरह अव्यवहारिक है, उनसे बचकर रहना है. मौके पर सोनू गुप्ता मुकेश कुमार, अरुण यादव ,नवल किशोर मेहता, पप्पू भुईयां, बलराम भुईयां, राकेश सिंह गौतम गुप्ता वीरेंद्र कुमार,बिरेंद्र यादव, उपेंद्र सिंह, के अलावा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे.

सरकारी योजनाओं का लाभ लें ग्रामीणः अमरेश

लातेहार। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निर्देश पर स्थानीय स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप, लातेहार के द्वारा सदर प्रखंड के नेवाड़ी पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का प्रचार प्रसार किया गया और योजनाओं की जानकारी दी गयी. बता दें कि इस पंचायत में 11 सितंबर को आपकी योजना, आपकी सरकार व आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. मौके पर मुखिया अमरेश उरांव ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील ग्रामीणों से की. संस्था के कलाकारों ने ग्रामीणों को बताया कि मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत 18 से 50 साल की उम्र की महिलाओं को एक हजार रुपये प्रति माह सम्मान राशि दी जा रही है. सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है.

चंदवा के युवा मंच ने प्रिंसिपल से मुलाकात की

चंदवा (लातेहार)। नव युवा मंच, कामता के पंचायत अध्यक्ष अमृत बासपति के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल दामोदर गांव स्थित राजकिय कृत मध्य विद्यालय के प्रिंसिपल से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने स्कूल मैदान और मुख्य सड़क के बीच चहारदीवारी का निर्माण कराने की मांग को ले कर एक ज्ञापन सौंपा. श्री बासपति ने कहा कि बाउंड्री नहीं होने के कारण यहां हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है. स्कूल के प्रिंसिपल ने ज्ञापन लेते हुए आश्वासन दिया शीघ्र ही सड़क और मैदान के बीच बाउंड्री का निर्माण कराने के लिए उच्चाधिकारियों से पत्राचार करेंगे. मौके पर नव युवा मंच झारखंड (लातेहार कमेटी) कामता पंचायत के उपाध्यक्ष संजय राम, राहुल नायक और आरिफ खान, रिजवान खान, प्रखण्ड सचिव कालेश्वर कुमार रवि, कार्यकारिणी सदस्य गौरव वर्मा आदि मौजूद थे.

प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

लातेहार। खेलो झारखंड के तहत दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला स्टेडियम में किया गया.इसका उदघाटन क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी ऋषिकेष कुमार व प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजश्री पूरी ने किया. मौके पर संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में अहम योगदान है. उन्होने कहा कि आज खेलों में भी कैरियर बनाने की अपार संभावनायें हैं.मौके पर मंच का संचालन शिक्षक प्रमोद कुमार ने किया. प्रतियोगिता में अंडर 14,17 और 19 आयु वर्ग के प्रतिभागियों के बीच एथलेटिक्स की स्पर्द्धाओं का आयोजन किया गया. आयोजन को सफल बनाने में अख्तर अंसारी,गजेंद्र राम, ब्रजेश मिश्र, रोहित कुमार, राजेंद्र आचार्य, उदय कुमार, छोटन उरांव, स्वेता कुमारी, नीलेश कुमार, अमीत कुमार, अतुल कुमार, अनूपपुमार, प्रेम प्रकाश सिंह, आदि का योगदान रहा. खेलो का समापन 11 सितंबर को होगा.

जीवन में लागू करें श्री राम के आदर्श : अविनाश

मेदिनीनगर। अपनी आत्मीयता, धैर्य , मानवता और आदर्श को कभी नही छोड़ना चाहिए. जो मनुष्य इन सभी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर लिया वही जीवन के प्रत्येक मार्ग में सफल सिद्ध होगा. उक्त बातें संत मरियम स्कूल के चेयरमैन सह वरीय झामुमो नेता अविनाश देव ने पथरिया गांव में आयोजित रामलीला के उद्घाटन मौके पर कही. उन्होंने कहा कि रामलीला जैसे पवित्र नाटक का पाठ होना क्षेत्र के लिए हर्ष का विषय है. हम सभी को प्रभु श्री राम के आदर्श, साहस और मर्यादा से सिख लेना चाहिए. मौके पर कमेटी अध्यक्ष राजेश सर, सचिव सोनू, उप सचिव मुकेश सिंह, दारोगा सिंह, जितेंद्र चौधरी, शिवलाल चौधरी, मोहन सिंह आदि शामिल थे.

समस्या नगर पंचायत क्षेत्र के चंदनडीह-पहाड़पुरी में बारिश के दिनों लोगों का चलना हुआ मुश्किल

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क पता ही नहीं चलता

आशीष टैगोर । लातेहार

जिला मुख्यालय में एक ऐसी भी सड़क है जहां यह बता पाना मुश्किल है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क है. नगर पंचायत क्षेत्र के चंदनडीह_पहाड़पुरी इलाके में अवस्थित यह पथ आज बिल्कुल जर्जर हो गई है. उस पर विगत दिनों हुई बारिश के कारण सड़क की स्थिति और दयनीय हो गई है. शहर के पानी टंकी से निकलने वाली यह सड़क पांडेयपूरा समेत अन्य कई गांवों को जोड़ती है. चंदनडीह मुहल्ला गुजारने के बाद पता ही नहीं चलता है कि सड़क कहां है. सड़क में असंख्य गड्ढे हो गए हैं. सड़क बिल्कुल ऊबड़ खाबड़ हो गई है. लोग इस पर हिचकोले खाते हुए गुजरते हैं.

अगर आप कुछ खा कर तुरंत इस पथ पर चलते हैं तो हो सकता है आपने जो खाया पिया है वह बाहर निकल जाए. दो पहिया वाहन तो क्या चार पहिया वाहन चालकों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. गड्ढों में पानी भर जाने के कारण हमेशा दुर्घटनाओं आशंका रहती है. पानी भरे रहने कारण गड्ढों की गहराई का पता नहीं चलता है और लोग दुर्घटनाग्रस्त होते हैं.

संत जेवियर स्कूल समेत कई संस्थान है : बता दे की इस सड़क पर संत जेवियर एकेडमी और आशा कार्मेल केंद्र (दिव्यांग बालिका भवन) और कैथोलिक चर्च समेत कई संस्थान और प्रतिष्ठान है. यह सड़क लातेहार जिला मुख्यालय को पांडेयपूरा, हेरहंज और बालूमाथ तक को जोड़ती है. प्रतिदिन इस सड़क से सैकड़ो वाहनों का आवागमन होता है. पांडेयपुरा ग्राम वासियों का इसी सड़क से आवागमन होता है. लेकिन सड़क जर्जर होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जानकारी के ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा सड़क निर्माण के लिए निविदा निकली गई है. सड़क का निर्माण भी शुरू किया गया था. लेकिन पहाडपुरी में कार्य अभी भी अधूरा है.

मंत्री ने किया ने किया सड़क व पुलिस निर्माण योजना का शिलान्यास, कहा

विकास के मामले में क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना है

संवाददाता । बालूमाथ (लातेहार)

स्थानीय विधायक सह प्रदेश शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम ने प्रखंड में सड़क और पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. उन्होने प्रखंड क्षेत्र के चेताग स्थित सेमरसोत ग्राम में सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य और हेमपुर ग्राम सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इस मौके पर उन्होने शिलापट्ट का अनावरण किया और नारिलय फोड़ा इससे पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम का स्वागत पारंपरिक आदिवासी लोक नृत्य और ढोल मांदर के साथ किया गया. बोलते हुए मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक यहां सड़क नहीं बन पाया था. अब सड़क बन जाने के बाद स्थानीय लोगों को लाभ होगा. लोगों को आवागमन में सुविधा होगी. उन्होंने कहा कि विकास के मामले में क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना पहली प्राथमिकता है. ज्ञात हो कि सेमरसोत एवं हेमपुर ग्राम लोग कई वर्ष से सड़क निर्माण कार्य कराने की मांग करते आ रहे थे. उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई. मौके पर मंत्री राम ने संवेदक से गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने की बात कही. इसअ अवसर पर ग्रामीणों ने भी मंत्री को समस्याओं को लेकर आवेदन दिया. मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी, विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, जिप सदस्य विनोद उरांव, झामुमो जिला सचिव समशुल होदा, महासचिव मो इमरान, झामुमों प्रखंड अध्यक्ष ऐश्वर्य उरांव आदि मौजूद थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 11 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 154 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

प्रतिबिंब ऐप की उपलब्धियों के लिए सम्मानित हुए डीजीपी अनुराग गुप्ता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डीजीपी को दिल्ली में किया सम्मानित

रांची । गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रतिबिंब ऐप की उपलब्धियों के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता को सम्मानित किया. डीजीपी अनुराग गुप्ता को यह सम्मान साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए काम करने वाली आई 4सी संस्था की पहली वर्षगांठ पर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिया गया है. इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता व ऐप बनाने वाले गुंजन कुमार का चयन किया गया था.

साइबर अपराधियों को ट्रैक करने के लिए है प्रतिबिंब ऐप

अनुराग गुप्ता ने साइबर अपराधियों को ट्रैक करने के लिए प्रतिबिंब ऐप तैयार कराया था. इसके जरिये ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबर के आधार पर साइबर अपराधियों को ट्रैक किया जाता है. यह सुविधा सीआईडी द्वारा सभी जिलों की पुलिस को उपलब्ध कराया गया है. सीआईडी मोबाइल नंबर को ट्रैक कर साइबर अपराधियों के बारे में संबंधित जिला की पुलिस को जानकारी देती है. इसके बाद जिला पुलिस छापेमारी कर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करती है. सीआईडी मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार, झारखंड पुलिस के इस प्रयास से न सिर्फ साइबर अपराधी पकड़े जा रहे हैं, बल्कि साइबर फ्रॉड को लेकर दूसरे राज्य जैसे बंगाल, बिहार, दिल्ली सहित अन्य राज्यों के केस का खुलासा हो रहा है.

साहिबगंज में राज्यपाल ने ग्रामीणों के साथ किया संवाद, कहा

हमने नई जिम्मेवारी संभाली है, इसके लिए संवाद जरूरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को साहिबगंज के शिबू सोरेन कॉलेज (बिचपुरा) के सभागार में ग्रामीणों के साथ संवाद किया. उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि हाल ही में इस राज्य में नई जिम्मेदारी संभाली है. राज्य के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों को समझने और वहां के लोगों से संवाद करना आवश्यक है. इस संवाद से यह जानकारी मिलती है कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन किस प्रकार हो रहा है. संवाद के माध्यम से लोगों की समस्याओं और सुझावों को भी जानने का अवसर मिलता है.

देखना जरूरी है कि योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं : राज्यपाल ने कहा कि देश को आजादी मिले लंबा समय हो गया. अब यह देखना महत्वपूर्ण है कि क्या सभी को सरकार द्वारा पर्याप्त सुविधाएं मिल रही हैं. सरकार की प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत कई परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए हैं. दूषित जल से होने वाली बीमारियों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की समस्या अधिक गंभीर है और इसके समाधान के लिए सरकार जल जीवन मिशन के तहत निरंतर प्रयास कर रही है.

साहिबगंज के शिबू सोरेन कॉलेज में संवाद कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल.

आवास योजनाओं के लिए सरकार के पास पर्याप्त संसाधन

राज्यपाल ने बताया कि आवास योजनाओं के लिए सरकार के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं और आवास निर्माण का कार्य भी तेजी से हो रहा है. आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं. इस योजना से लाभान्वित लोगों की संख्या निरंतर बढ़ रही है. उन्होंने दिव्यांग और वृद्धा पेंशन योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली.

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी दी जानकारी

स्वंय सहायता समूह की एक सदस्य ने बताया कि उनके समूह में लगभग 300 महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जो खेती के साथ-साथ विभिन्न अन्य कार्यों में संलग्न हैं. इन समूहों की महिलाएं किराना दुकान, श्रृंगार सामग्री, पत्तल और पापड़ बनाने, मल्टीग्रेन आटा, अचार बनाने, और सिलाई जैसे कार्यों से प्रतिमाह लगभग 10,000 रुपये की आय अर्जित कर रही हैं. राज्यपाल ने इन महिलाओं के आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना की और कहा कि वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हुए समाज के लिए एक प्रेरणा हैं. समूह की एक और सदस्य ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ भी लोगों को मिल रहा है, बैंक से फर्स्ट और सेकंड लिंकेज के तहत भी सहायता प्राप्त हो रही है.

मशरूम योजना की भी जानकारी दी

एक अन्य व्यक्ति ने पहाड़िया जनजातियों के लिए चल रही मशरूम योजना के सफल होने की जानकारी दी और बताया कि रिटेल आउटलेट के माध्यम से लोगों को इसका और अधिक लाभ मिलने की संभावना है. राज्यपाल ने विभिन्न लाभुकों के मध्य परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया. उन्होंने कहा कि जनमानस के विकास के सभी आवश्यक प्रयास किये जायेंगे. राज्यपाल ने हूल क्रान्ति के अमर महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके वंशजों से भेंट की.

सिदो- कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानों को दी श्रद्धांजलि

राज्यपाल ने मंगलवार को सिदो कान्हू मुर्मु पार्क, भोगनाडीह, बरहेट, साहेबगंज में अमर शहीद सिदो– कान्हू, चाँद–भैरव और फूलो–झानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर राज्यपाल ने शहीदों के परिजनों से भी भेंट की.

ब्रीफ खबरें

त्योहारों में तीन स्पेशल ट्रेन चलाएगा रेलवे

रांची। दुर्गापूजा, दिवाली व छठ पर्व को देखते हुए रेलवे ने झारखंड-बिहार के लिए तीन स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है. दक्षिण पूर्व रेलवे ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के मुताबिक पटना-सिकंदराबाद (03253) ट्रेन हर सोमवार व बुधवार को चलेगी. यह स्पेशल ट्रेन 14 सितंबर से 30 दिसंबर तक चलेगी. हैदराबाद-पटना स्पेशल ट्रेन (07255) हर बुधवार को हैदराबाद से खुलेगी. यह ट्रेन 16 सितंबर से एक जनवरी 2025 तक चलेगी. इसी तरह सिकंदराबाद-पटना (07256) स्पेशल ट्रेन हर शुक्रवार पटना से खुलेगी. तीनों ट्रेनें बोकारो, रांची, हटिया, राउरकेला स्टेशनों पर रुकेंगी.

बाबूलाल, सेठ, बाउरी दीपक को मिली राहत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, सांसद दीपक प्रकाश, ढुल्लू महतो युवा मोर्चा के अध्यक्ष शशांक राज समेत 18 को बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने मोरहाबादी में भाजपा के कार्यक्रम के दौरान पुलिस के साथ झड़प मामले में पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है. साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. दरअसल भाजपा के युवा आक्रोश मार्च में हुए उपद्रव के बाद उक्त सभी लोगों समेत दस हजार अज्ञात के ऊपर प्राथमिकी दर्ज की गई है.

उग्रवादियों ने वृद्ध को पीट कर किया घायल

हुसैनाबाद(पलामू)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के घघरा गांव निवासी रामप्रसाद यादव को बीती रात नक्सलियों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इसके बाद परिजन घायल को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद लाये. जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया. राम प्रसाद यादव की स्थिति गंभीर बनी हुई है. इस घटना के बाद से परिवार के लोग डरे सहमे हुए हैं. घायल रामप्रसाद ने बताया कि बीती रात 5 से 6 हथियारबंद नक्सली उसके घर पर पहुंचे थे. किसी बात को लेकर उनके साथ मारपीट करने लगे. उधर हुसैनाबाद के थाना प्रभारी संजय यादव ने बताया कि रामप्रसाद के साथ मार पीट की घटना के पीछे भूमि विवाद है. उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छान बीन में जुटी है.

मुख्यमंत्री ने किसानों को दी 236 पशु एंबुलेंस की सौगात

पशु एंबुलेंस से मुफ्त में होगा पशुओं का इलाजः हेमंत सोरेन

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को किसानों को 236 पशु एंबुलेंस की सौगात दी. उन्होंने डिबडीह में कॉर्निवाल बैंक्वेट हाल में प्रमंडल स्तरीय सहकारिता महासम्मेल का उद्घाटन किया. कहा कि पशु एंबुलेंस के जरिए पशुओं को मुफ्त में हॉस्पिटल पहुंचाया जाएगा, जहां उनका मुफ्त में इलाज भी होगा. सीएम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसान वर्ग को मजबूत करना है. राज्य सरकार ने किसानों के लिए कई योजनाओं का संचालन कर रही है. नीति-निर्धारण भी किया गया है. सरकार गांव की जड़ों को मजबूत करने में लगी है. गांव मजबूत होगा, तो राज्य मजबूत होगा.

ग्रामीणों का मूलधन खेत खलिहान और पशुधन : सीएम ने कहा कि ग्रामीणों का मूलधन खेत-खलिहाल और पशुधन ही है. ग्रामीण किसान परिवारों की हर जरूरत इसी से पूरी होती है. ग्रामीणों को वन उपज का सही मूल्य मिल सके, इसके लिए भी उनकी सरकार संकल्पित है.

सहकारिता महासम्मलेन का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन.

किसान परिवारों के साथ खड़ी है सरकार

सीएम ने कहा कि सरकार किसान परिवार के साथ खड़ी है. किसानों के दो लाख रुपए ऋण माफी का निर्णय लिया गया है. किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले पशु दिए जा रहे हैं. पशुओं का इंश्योरेंस भी किया जा रहा है. पहली बार ऐसी नीति बनाई गई है, ताकि पशुओं के मरने के बाद बीमा की राशि मिल सके.

हाईकोर्ट का आदेश

जिनके कारण जलापूर्ति योजना में विलंब हुआ, उनपर कार्रवाई करे सरकार

रांची। साहिबगंज में पाइपलाइन से जलापूर्ति योजना चालू करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने सरकार को जिले में जलापूर्ति योजना में विलंब के लिए जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है. सरकार को अगली सुनवाई तक एक्शन टेकेन रिपोर्ट कोर्ट जमा करने का निर्देश दिया. महाधिवक्ता ने बताया कि कोर्ट में गलत जानकारी देने वाले एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को विभाग ने शो कॉज किया है.

ग्रामीणों ने मुर्शिदाबाद के राजमिस्त्री को सुनाया गांव छोड़ने का फरमान

चक्रधरपुर। मनोहरपुर में फर्जी तरीके से राशन कार्ड बनवा रहे मुर्शिदाबाद के राजमिस्त्री को ग्रामीणों ने मंगलवार को पकड़ा. बाद में ग्रामसभा कर राजमिस्त्री को गांव छोड़ने का फरमान सुनाया है. मामला जराइकेला क्षेत्र के मकरंडा गांव का है. यहां फर्जी तरीके से राशन कार्ड में इंट्री कराने वाले मुर्शिदाबाद के राजमिस्त्री मोजीबुर रहमान को पकड़ लिया. इसके बाद बैठक कर उसे गांव छोड़ने को कहा गया. उसने यहीं शादी कर ली और पत्नी के घर में रहने लगा. फिर सारे दस्तावेज फर्जी बनवा लिए.

छह उग्रवादी व नक्सली जेल में बंद, दो मारे गये फिर भी ये एनआईए के मोस्टवांटेड लिस्ट में शामिल

वरीय संवाददाता। रांची

एनआईए की वांटेड लिस्ट में मुठभेड़ में मारे गये और जेल में बंद उग्रवादी और नक्सली भी शामिल हैं. पीएलएफआई सुप्रीमो समेत छह उग्रवादी कई महीनों से जेल में बंद हैं. वहीं दो मुठभेड़ में मारे भी गये हैं. इसके बाद भी इन सभी का नाम एनआईए की लिस्ट में शामिल है. इन पर इनाम भी घोषित है.

19 मोस्टवांटेड एनआईए की रडार पर : यहां के 19 मोस्टवांटेड उग्रवादी और नक्सली एनआईए की रडार पर हैं. इनमें टीपीसी, पीएलएफआई और भाकपा माओवादी के नक्सली और तस्कर शामिल हैं. इन सभी 19 मोस्टवांटेड को पकड़ना एनआईए के लिए चुनौती बना हुआ है. बता दें कि एनआईए झारखंड में टेरर फंडिंग, माओवादी उग्रवाद और मानव तस्करी से संबंधित 15 से अधिक मामलों की जांच कर रही है. इन सभी मामले में एनआईए ने कई जगहों पर छापेमारी भी की है और कई नक्सली, उग्रवादी और टेरर फंडिंग से जुड़े लोगों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज चुकी है.

जेल में बंद और मारे गये इन उग्रवादी-नक्सली का नाम मोस्टवांटेड लिस्ट में शामिल

- दिनेश गोप : जेल
- कृष्णा दा : जेल
- नागेश्वर गंझू : जेल
- सौरभ यादव : जेल
- नीरज खेरवार : जेल
- अनम हस्सा पूर्ति : जेल
- राजेश उरांव : मृत
- लाजिम अंसारी : मृत

चरही घाटी में भीषण सड़क हादसा, कार सवार तीन की मौत

संवाददाता। हजारीबाग

- हफ्ता दिन भी नहीं बीता फिर इस घाटी में हुई तीन की मौत
- तीनों गाड़ी की सर्विसिंग कराने गए थे, लौटते वक्त हो गए हादसे का शिकार

चरही थाना क्षेत्र में चरही घाटी स्थित यूपी मोड़ के समीप हुई भीषण सड़क दुर्घटना में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई. तीनों ऑल्टो गाड़ी सर्विसिंग करा कर वापस लौट रहे थे.

इन सभी मृतकों की पहचान राहुल कुमार (27), पिता महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, दीपेश कुमार (32), पिता सुरेश मुंडा, हेमंत कुमार (30), पिता कमलेश मुंडा के रूप में हुई है. ये सभी मृतक पेटरवार के रहने वाले हैं. घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे. उन्होंने बताया कि तीनों गाड़ी की सर्विसिंग कराने गए थे. सर्विसिंग करा कर वापस लौट रहे थे. इसी दौरान सड़क दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई. तीनों अलग-अलग परिवार के हैं.

सूचना मिलने के बाद क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर शवों का पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी हॉस्पिटल लाया गया. इस दौरान सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी भी उपस्थित रहे. उन्होंने बताया कि जानकारी मिली कि तीन लोगों के शव चरही घाटी में पड़े हुए हैं. शव लाने में दिक्कत हो रही है. तभी मुर्दा कल्याण समिति नीरज पासवान से संपर्क कर घटनास्थल पर एंबुलेंस भेज कर तीनों शव अस्पताल मंगवाए गए. घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी गौतम कुमार घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने बताया कि तीखे मोड़ एवं ढलान होने की वजह से उक्त स्थल पर दुर्घटनाएं होती रहती हैं. बाहर से आने वाले ट्रक ड्राइवर या अन्य चालकों को तीखे मोड़ होने के कारण सड़क दिखाई नहीं पड़ती है.

पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए हैं. बताते चलें कि यह घाटी अब डेंजर घाटी बन चुकी है. यहां आए दिन दुर्घटना होते रहती है. अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है. दो हफ्ता पहले भी सड़क हादसे में पांच मजदूर की मौत हुई थी. सभी मजदूर हजारीबाग से टेंट खोलकर रांची जा रहे थे.

जगंली हाथियों का बालूमाथ में उत्पात, पूरी रात दहशत में रहे लोग

आग जला कर हाथियों को भगाते लोग.

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

प्रखंड मुख्यालय में सोमवार की रात हाथियों की झुंड रात भर उत्पात मचाया. हाथियों ने कई लोगों के फसलों को भी नष्ट कर दिया. जिस वजह से स्थानीय लोग पूरी रात भयभीत रहे. हाथियों को जंगल में भगाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली. स्थानीय लोगों के अनुसार सोमवार की रात अचानक 10 हाथियों का झुंड बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित बड़का बालूमाथ मोहल्ले में आ धमका. हाथियों की आवाज सुन कर जब लोग अपने घर से बाहर निकले, तो वहां बड़ी संख्या में हाथियों को देख कर उनके होश उड़ गए.

इसके बाद स्थानीय लोग आग जलाकर और शोर मचा कर हाथियों को भगाने का प्रयास करने लगे. हालांकि लोगों का शोर को सुनने के बाद हाथी मोहल्ले-मोहल्ले भागने लगे. काफी मशक्कत के बाद हाथी जंगल की ओर भागे. घटना के बाद स्थानीय लोग सारी रात परेशान रहे. लोगों ने बताया कि हाथियों के डर से वे लोग सारी रात जागते रहे. बताया कि झुंड में लगभग 10 हाथी थे. जिनमें चार छोटे बच्चे और 6 वयस्क थे. ग्रामीणों ने कहा कि यह गनीमत रही कि हाथियों ने किसी पर आक्रमण नहीं किया, नहीं तो अप्रिय घटना हो सकती थी. इस दौरान स्थानीय लोगों ने मशाल जलाकर और शोर मचाकर हाथियों को बस्ती में घुसने से रोका और उन्हें जंगल की तरफ भगाया. वन विभाग के प्रति स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है. लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड पूरे इलाके में तबाही मचा रहा है. इसके बावजूद हाथियों को भगाने के लिए वन विभाग ने कोई सार्थक पहल नहीं की. लोगों ने कहा कि अगर वन विभाग जल्द ही इस समस्या के समाधान के प्रति गंभीरता पूर्वक कार्रवाई नहीं करता है, तो ग्रामीण आंदोलन करने को विवश होंगे. हालांकि वन विभाग के डीएफओ ने बताया कि हाथियों को भगाने के लिए विभाग एक्सपर्ट टीम को बुला रहा है.

दस्तावेज | झारखंड में आठ ट्रांसजेंडरों का भी बनाया गया जन्म प्रमाण पत्र

रिकॉर्ड 3.12 लाख जन्म और 67 हजार मृत्यु प्रमाण पत्र बने

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य में रिकॉर्ड इस साल 3 लाख 12 हजार 552 जन्म प्रमाण पत्र बने. जिसमें एक लाख 70 हजार 744 बच्चे हैं. वहीं बच्चियों की संख्या एक लाख 41 हजार 800 है. वहीं राज्यभर में आठ ट्रांसजेंडरों का भी प्रमाण पत्र बना. जिसमें पूर्वी सिंहभूम में तीन, रांची में दो और धनबाद में तीन ट्रांसजेंडरों के प्रमाण पत्र बने. सबसे अधिक पूर्वी सिंहभूम में 66,921, रांची में 65,005 और धनबाद में 61,431 जन्म प्रमाण पत्र बने.

रांची, पूर्वी सिंहभूम और धनबाद में सबसे अधिक बना जन्म प्रमाण पत्र

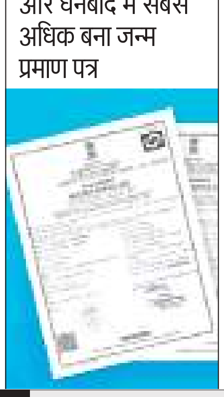

किस जिले में कितने बने जन्म प्रमाण पत्र

जिला	संख्या	जिला	संख्या
बोकारो	11,624	कोडरमा	6287
चतरा	760	लातेहार	850
देवघर	8219	लोहरदगा	5782
धनबाद	61,431	पाकुड़	2382
दुमका	2558	पलामू	14647
गढ़वा	288	पश्चिमी सिंहभूम	5003
गिरिडीह	25970	पूर्वी सिंहभूम	66921
गोड्डा	1327	रामगढ़	983
गुमला	1851	रांची	65005
हजारीबाग	11351	साहिबगंज	5395
जामताड़ा	5012	सरायकेला	5555
खूंटी	1953	सिमडेगा	1398

किस जिले में कितने बने मृत्यु प्रमाण पत्र

जिला	संख्या	जिला	संख्या
बोकारो	2790	कोडरमा	1390
चतरा	334	लातेहार	180
देवघर	2397	लोहरदगा	805
धनबाद	10308	पाकुड़	614
दुमका	371	पलामू	1855
गढ़वा	266	पश्चिमी सिंहभूम	1399
गिरिडीह	069	पूर्वी सिंहभूम	22328
गोड्डा	325	रामगढ़	585
गुमला	515	रांची	12295
हजारीबाग	2340	साहिबगंज	1311
जामताड़ा	769	सरायकेला	1457
खूंटी	464	सिमडेगा	229

पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक मृत्यु प्रमाण पत्र बने

पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक 22,328 मृत्यु प्रमाण पत्र बने. इसके बाद रांची में 12,295 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए गए. पूर्वी सिंहभूम में एक ट्रांसजेंडर का मृत्यु प्रमाण पत्र बना. वहीं 42,219 पुरुष और 24,676 महिलाओं का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया. कुल 66,896 मृत्य प्रमाण पत्र जारी किए गए.

ब्रीफ खबरें

अवैध संचालित आरा मशीन व लकड़ी जब्त

मयूरहंड(चतरा)। वन विभाग की टीम ने अवैध तरीके से संचालित आरा मिल के खिलाफ कार्रवाई के क्रम में मंगलवार को धर्मपुर वन क्षेत्र में छापेमारी कर भारी मात्रा में लकड़ी के अलावा मशीन जब्त की है. वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर वन क्षेत्र पदाधिकारी पवन बाग शालीग्राम ने टीम गठित कर छापेमारी की. छापेमारी में अवैध आरा मशीन, जनरेटर और भारी मात्रा में लकड़ी के अलावा मोटरसाइकिल जब्त की गई.

घरेलू विवाद में युवक ने किया विषपान,मौत

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कोबाना पंचायत के कोबनी गांव मे एक युवक ने सोमवार को विषपान कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. युवक की पहचान इंद्रदेव भुईयां के 25 वर्षीय पुत्र युगेश भुईयां के रूप में की गई है. ग्रामीणों ने बताया कि योगेश का छोटा भाई से विवाद हो गया था. इससे आक्रोशित योगेश ने विषपान कर अपने कमरे का दरवाजा बंद कर सो गया. घर वालों द्वारा शोर किया गया तो आस पड़ोस के लोग दौड़ पड़े. उसके बाद दरवाजा तोड़ कर युवक को घर से निकालकर ग्रामीणों ने 108 पर कॉल कर एम्बुलेंस को बुलवाया.

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निपटान

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड की मायल पंचायत सचिवालय में मंगलवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद बीडीओ ज्ञानमनी एक्का व विशिष्ट अतिथि मुखिया फिरोज अंसारी, कांग्रेस नेत्री जोया परवीन, झामुमो नेता मो शकील द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. इस दौरान ग्रामिणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई.

जेपीसी को 2 लाख ईमेल करवाने का फैसला

रामगढ़। वक्फ संशोधन बिल 2024 को लेकर मंगलवार को स्पाइस गार्डन थाना चौक रामगढ़ के सभागार में खिदमत ए इंसानियत फेडरेशन रामगढ़ के द्वारा बैठक हुई, जिसमें जेपीसी को 2 लाख ईमेल करवाने का फैसला किया गया. इसमें रामगढ़ जिले के ओल्माए केराम दानिशवरान व समाजसेवी उपस्थित हुए. बैठक की अध्यक्षता डा मौलाना वाजिद अली सकाफी और संचालन खिदमत ए इंसानियत फेडरेशन के महासचिव मुनौवर सैफी ने किया. अल्पसंख्यकों से वक्फ संशोधन बिल 2024 के संबंध में मेल के ज़रिए राय मांगी है.

एक दिवसीय हड़ताल के कारण कामकाज हुआ बाधित

सहायिका एवं सेविका दीदियों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। हजारीबाग

जिले की सहायिका एवं सेविका दीदियां धरना प्रदर्शन करती हुईं.

जिले की सहायिका एवं सेविका दीदियों ने मंगलवार को एक दिवसीय हड़ताल का आयोजन किया. इस दौरान नया समाहरणालय भवन प्रांगण के बाहर धरना-प्रदर्शन कर अपनी तीन मुख्य मांगों को लेकर झारखंड सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाया. कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार न्यूनतम वेतन लागू किया जाए.

हमें 18000 रुपये प्रति माह वेतन प्रदान किया जाए. हमें ईपीएफ और ग्रेच्युटी से जोड़ा जाए. साथ ही जो भी सेविका और सहायिका दीदी 1 से 2 साल के अंदर रिटायर करने वाली हैं उन्हें दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जाए. उन्होंने बताया कि झारखंड में हड़ताल से कार्य बाधित हुआ है. अगर झारखंड सरकार हमारी मांगों को नहीं मानती है तो हम आने वाले 20 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे, जिससे झारखंड सरकार की चल रही योजना बाधित होगी. उन्होंने यह भी बताया कि झारखंड सरकार का हमारे ऊपर कोई भी ध्यान नहीं है. सभी योजनाओं को लोगों तक पहुंचने में हमारी अहम भूमिका रहती है. ज्यादा से ज्यादा लोगों को झारखंड सरकार की योजनाओं का लाभ मिले इसको लेकर हम कार्य दिन-रात करते हैं लेकिन हमें उचित वेतन प्रदान नहीं किया जा रहा है. इसको लेकर हम सभी सहायिका एवं सेविका काफी रूष्ट हैं. इसी बात को लेकर हम आज धरना.प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हुए हैं. झारखंड सरकार हमारी बातों को मान ले जिससे कि हमारा जीवन यापन भी सही से हो सके.

कुष्ठ रोग खोजी अभियान के तहत केंद्रीय टीम ने किया दौरा

संवाददाता। रामगढ़

कुष्ठ रोग खोजी अभियान के तहत डॉ. श्वेता राणा आईसीएमआर, कंसलटेंट सीएलडी, सेंट्रल मॉनिटर न्यू दिल्ली और डॉक्टर गौतम के नेतृत्व में गठित केंद्रीय टीम ने सोमवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने गोला प्रखंड के मगनपुर क्षेत्र अंतर्गत अब तक हुए सर्वे का जायजा लिया एवं संदिग्ध पाए गए लोगों की सही तरीके से शारीरिक जांच करने एवं कुष्ठ रोगियों का अच्छे से उपचार करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों एवं स्लम क्षेत्र के लोगों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. वहीं उन्होंने सर्वे कार्य में लगी सहिया, सुपरवाइजर, एएनएम, सीएचओ, और बीटीटी को कुष्ठ रोग खोजी अभियान के विषय में कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं. इस दौरान जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. तूलिका रानी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी गोला डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मदन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विनय उरांव, पारा मेडिकल वर्कर-एनएलईपी (सीएचसी गोला) मनीषा पहान, चिकित्सक सावन कुमार ठाकुर आदि उपस्थित थे.

कुली ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह धनबाद मंडल के पीएनएम प्रभारी से मिले

कुलियों के लिए बरकाकाना स्टेशन पर कोई सुविधा नहीं

संवाददाता। रामगढ़

ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह धनबाद मंडल के पीएनएम प्रभारी से मिलते कुली.

रेलवे बोर्ड की ओर से निर्धारित सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए बरकाकाना स्टेशन पर कार्यरत लाइसेंसधारी कुलियों ने सोमवार शाम को ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह धनबाद मंडल के पीएनएम प्रभारी मो. ज़्याऊद्दीन से मुलाकात की. उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष सभी कुलियों के द्वारा समय पर निर्धारित शुल्क जमा कर दिया जाता है, परंतु रेलवे प्रशासन की ओर से पास की सुविधा के अतिरिक्त और कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है.

ज़्याऊद्दीन को जानकारी देते हुए लाइसेंसधारी कुलियों ने बताया कि बरकाकाना स्टेशन पर वर्तमान में नौ लाइसेंसधारी कुली वर्ष 2015 से पदस्थापित हैं, जिन्हें रेल प्रशासन द्वारा बैज प्रदान किया गया है. वर्ष 2017 में लाल यूनिफॉर्म मिला था, लेकिन उसके बाद कोई यूनिफॉर्म आपूर्ति नहीं की गई है. कोरोनाकाल के बाद स्टेशन प्रबंधक बरकाकाना की ओर से यूनिफॉर्म आपूर्ति के लिए मांगपत्र धनबाद मंडल प्रशासन के पास भेजा गया था, लेकिन यह कहते हुए मांगपत्र वापस कर दिया गया कि अब सभी को यूनिफॉर्म के लिए भत्ता दिया जाएगा. मामले का अभी तक समाधान नहीं हुआ है. इसके अतिरिक्त कुलियों को पहले अपना लाल कार्ड (परिचय कार्ड) दिखा कर रेलवे अस्पताल से चिकित्सा सुविधा मिल जाती थी. अब इस सुविधा को भी बंद कर दिया गया है. अस्पताल प्रबंधन द्वारा डिजिटल कार्ड की मांग की जा रही है, जिसे कौन और कहां से जारी किया जाना है यह जानकारी किसी के पास नहीं है. कुलियों ने यह भी बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देश के अनुसार लाइसेंसधारी कुलियों को उक्त गर्म व ठंडे यूनिफॉर्म और मेडिकल कार्ड द्वारा चिकित्सा सुविधाओं के अतिरिक्त स्टेशन परिसर में पेयजल, बिजली, पंखे एवं शौचालय युक्त रेस्ट रूम तथा पैसेंजर के सामान वहन के लिए ट्राली उपलब्ध कराने के लिए रेल प्रशासन को पहल करनी है, जो अभी तक बरकाकाना स्टेशन पर उपलब्ध नहीं कराई गई है. उन्होंने कहा कि वे पिछले दस वर्षों से बरकाकाना स्टेशन पर काम कर रहे हैं, लेकिन सुविधाओं के अभाव में काफी असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है. कुलियों ने यह भी कहा कि पूर्व में यूनियन द्वारा काफी सहयोग किया गया है. कोरोनाकाल में यूनियन द्वारा आर्थिक सहायता सहित राशन, कपड़े और सेफ्टी किट देकर सहयोग किया गया है और अब आगे हमें भरोसा है कि हमारी सुविधाओं के लिए रेलवे प्रशासन स्तर पर यूनियन ही बात रखने का काम करेगी.

रेल प्रशासन के समक्ष बात रखी जाएगी : मो. ज़्याऊद्दीन

ज़्याऊद्दीन ने लाइसेंस कुलियों को आश्वासन दिया कि उनके मांगों को उचित फोरम पर उठाया जाएगा और जरूरी सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाएगा. इस मौके पर जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा, ईसीआरकेयू बरकाकाना के पूर्व उपाध्यक्ष सरजू प्रसाद, कोषाध्यक्ष कमल किशोर सहित लाइसेंस कुलियों में सलामत, सैफ अली, जियाउल हक, अकरम, अशरफ, मो नबी हसन आदि उपस्थित थे.

रामगढ़ का सर्वांगीण विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता : विधायक

पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

- लगभग चार करोड़ की राशि से एनएच-23 नया मोड़ से सिरु तक सड़क बनेगी

संवाददाता। रामगढ़

सड़क का का शिलान्यास करतीं रामगढ़ की विधायक

चितरपुर प्रखंड की बड़कीपोना पंचायत में मंगलवार को लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना अंतर्गत एनएच-23 नया मोड़ से सिरु तक पथ के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी ने किया. विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र की सभी जर्जर एवं कच्ची सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा. क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही हमारी एकमात्र लक्ष्य है. कोई भी गांव विकास की रोशनी से अछूता नहीं रहेगा. उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति का समुचित विकास कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना मेरा लक्ष्य है. इससे पूर्व यहां पहुंचे मुख्य अतिथि का बुके देकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया. मौके पर मुखिया अरविंद सिंह, दिवाकर नायक, भानुप्रकाश महतो, रमेश दांगी, रामध्यानी राम दांगी, रामनारायण महतो, जितभन महतो, अमृत कुमार, मदन पासवान, विजय कुमार, रिंकू कुमार, परवेज अहमद, पिंटू कुमार आदि उपस्थित थे.

शिलापट्ट पर नाम को लेकर हुई नोकझोंक

- फुसरी 44 मोड़ और पिपरा में पीसीसी पथ का शिलान्यास

संवाददाता। चरही

प्रखंड की बहेरा पंचायत अंतर्गत फुसरी गांव के वार्ड 15 में 44 मोड़ से लेकर 44 कॉलोनी से बोकारो नदी तक करीब दो करोड़ रुपये की लागत से डीएमएफडी मद से पीसीसी पथ एवं पिपरा में पीसीसी पथ का शिलान्यास जिला परिषद सदस्य बासुदेव करमाली, द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, शशि कुमार, डॉ. रामसेवक प्रसाद, मुखिया देवकी महतो ने संयुक्त रूप से किया. पथ शिलान्यास सांसद मनीष जायसवाल के हाथों होना था, लेकिन किसी कारण वश वह नहीं आ सके. शिलान्यास कार्यक्रम में जिला पार्षद सदस्य बासुदेव करमाली संवेदक पर बिगड़ते नजर आए. उनका कहना था कि शिलापट्ट पर उनका नाम क्यों नहीं लिखा गया, जबकि मुखिया का नाम दिया गया है. करीब आधे घंटे तक नाम को लेकर ड्रामा चलता रहा. काफी समझाने-बुझाने के बाद शिलान्यास किया गया. इसमें दिलचस्प बात यह है कि कार्यपालक अभियंता के नाम के ऊपर दूसरों के नाम चिपके दिये गये, जिससे यह विवाद उत्पन्न हो गया था. इस अवसर पर मुख्य रूप से अजीत सिंह, रोहित महतो, संजय साव, रौशनी देवी, संगीता देवी, अशोक सिंह, आशुतोष कुमार, दिनेश्वर साव, सत्येंद्र नारायण सिंह, गब्बर सिंह, छत्ररु साव, उप मुखिया शिवचंद मुर्मू, आरिफ अंसारी, सोनराम मांझी, जयराम मांझी आदि मौजूद थे.

कुल्ही में हुआ सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों को दी गई योजनाओं की जानकारी.

संवाददाता। रामगढ़

दुलमी प्रखंड की कुल्ही पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, अंचल अधिकारी सह प्रभारी बीडीओ मदन महली, जिप सदस्य,पशुपालन पदाधिकारी शशि सिन्हा मुखिया चुडगी देवी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही. इस मौके पर मंगलेश ने राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल की सराहना की, जिसका उद्देश्य आम जनता को पंचायत स्तर पर योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाना है. उन्होंने ग्रामीण जनता से अपील की कि वे इस कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाएं और सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करें.

जिला स्तरीय पुलिस जन शिकायत शिविर का आयोजन, एसपी हर एक पर रख रहे थे नजर

कुल 256 मामले आए, 52 का हुआ निष्पादान

संवाददाता। हजारीबाग

पुलिस जन शिकायत शिविर में पहुंचे लोग.

जिला मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित पुलिस विभाग के जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में थानावार 256 मामले आए. एसपी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शिविर का उद्घाटन आईजी बोकारो के अलावा एसडीएम हजारीबाग सदर शैलेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया. शिविर में 52 मामलों का निष्पादन किया गया. शिविर में धर्मांतरण के साथ जमीन विवाद का मुद्दा छाया रहा. डीएसपी मुख्यालय नीरज कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी थे. बड़कागांव, पदमा, इचाक, कटकमसांडी और सदर प्रखंड के लोहसिंघना थाने में चल रहे मतांतरण, धर्मांतरण को लेकर कार्रवाई करने की मांग की गई. एसपी ने बताया कि पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने और आम लोगों की शिकायतों के प्रभावी निवारण के लिए जन शिकायत समाधान कार्यक्रम की शुरुआत की गई है. बताया कि अनुमंडल स्थल पर जन समाधान कार्यक्रम का आयोजन में किया जा चुका है. जिलास्तर पर एकीकृत आवेदन की व्यवस्था के तहत आज यहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें लोग पहुंच रहे हैं और अपनी समस्या को रख रहे हैं. एसपी ने बताया कि जमीन से जुड़े मामलों की अधिकता रही. शिविर के दौरान कई बार थानावार बैठे प्रभारियों को एसपी ने डांट लगायी. दरअसल एसपी हर शिकायतकर्ता पर से नजर रख रहे थे. बाकायदा आवेदन डीएसपी मुख्यालय नीरज कुमार के हाथों से होकर जा रहा था. ऐसे में संबंधित मामलों पर लापरवाही या देरी की बात सामने आने पर एसपी ने आवेदनकर्ताओं के सामने ही पदाधिकारी को झाड़ लगाई.

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़। छावनी फुटबॉल मैदान में मंगलवार को रामगढ़ जिला पुलिस द्वारा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुलिस महानिरीक्षक अभियान अमोल वेणुकांत होमकर, उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, सचिव डालसा अनिल कुमार, भूमि सुधार उप समहर्ता दीप्ति कुजूर मौजूद थे. पुलिस महानिरीक्षक अभियान ने पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारियों के साथ स्टॉलों का निरीक्षण किया.

सलगा पंचायत में लगे सरकार आपके द्वार शिविर में उमड़ी भीड़

परिसंपत्ति का वितरण करते अधिकारी.

- विधायक अंबा प्रसाद ने किया उद्घाटन, कुल 371 आवेदन आए

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड की सलगा पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन विधायक अंबा प्रसाद, प्रमुख सुनीता देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार, अंचलाधिकारी राम रतन वर्णवाल, जिला परिषद सदस्य अनीता सिंह, उप प्रमुख अमेरिका महतो ने संयुक्त रूप से शिविर का उद्घाटन किया. इस दौरान मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र आदि योजना से संबंधित कुल 371 आवेदन आए.

पहल

शैक्षणिक भ्रमण पर कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ पहुंचे आईसेक्ट विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

कृषि कार्यों में ड्रोन तकनीक से अवगत हुए छात्र-छात्राएं

संवाददाता। हजारीबाग

शैक्षणिक भ्रमण पर कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ पहुंचे विद्यार्थी और अन्य.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के स्नातक के छात्र-छात्राओं को डीन डॉ अरविंद कुमार की निगरानी में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ भेजा गया, जहां विद्यार्थी कृषि कार्यों में ड्रोन तकनीक की बारीकियों से अवगत हुए. कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने बताया कि कृषि विभाग के सभी सेमेस्टर के विद्यार्थियों को समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण के जरिए जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की उपयुक्तता, मौसम का प्रभाव सहित अन्य जानकारियों से अवगत कराया जाता है. साथ ही कृषि से संबंधित प्रशिक्षण भी कृषि विज्ञान केंद्रों में करायी जाती है ताकि किताबी ज्ञान के साथ साथ प्रैक्टिकल नॉलेज भी विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान ही मिल सके.

बता दें कि तय कार्यक्रम के मुताबिक कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ में संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस दौरान वरीय वैज्ञानिक डॉ सुधांशु शेखर ने कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियां व शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों की देखभाल से संबंधित विस्तृत जानकारियां विद्यार्थियों को दी. वहीं आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कृषि विभाग डीन डॉ अरविंद कुमार ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रगति एवं कृषि की पढ़ाई के बाद इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की. डॉ खेरेवार एवं शनि कुमार ने नैनो खाद संबंधित जानकारी दी. आईसीएआर पूर्वी क्षेत्र अनुसंधान परिसर, पटना के कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रेम सुंदरम व डॉ पवन कुमार ने तफ्सील से ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग और वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता को लेकर चर्चा की. शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों की जानकारी के साथ साथ इसके उपयोग के तरीके भी बताए गए. इन जानकारियों को हासिल करने के बाद विद्यार्थी काफी खुश दिखे. शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के एचओडी डॉ सत्य प्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, फरहीन सिद्दीकी, प्रतिभा हेंब्रम के साथ साथ शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले सभी विद्यार्थियों की मौजूदगी रही.

गोसी गांव में करम परब महोत्सव का आयोजन

संवाददाता। रामगढ़

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व शहीद ए आजम भगत सिंह क्लब द्वारा मांडू प्रखंड के गोसी गांव में करम पर्व महोत्सव सह यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रकृति का महापर्व करम पर्व संस्कृति की धरोहर है. भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है. प्रकृति के प्रति लोगों का यही प्रेम, सम्मान और समर्पण या चलने को नृत्य और बोलने को संगीत बना देता है. झारखंड के हर गांव में प्रकृति पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, करम परब बहुत धूम धाम के साथ मनाया जाता है करम परब भादोर मास के 5 दिन का चांद में उठाया जाता है. करम परब में मुख्य भूमिका करम डाली की होती है जिसमें पांच तरह के अन्न कुरथी, मूंग, चना, घांघरा, मटर जावा डाली में बुना जाता है सभी बहनें (करमैती) अपने अपने नाम की खूंटी जावा डाली में गाड़ती है और बहनें सुबह-शाम जावा डाली को गीत गाकर जगाती हैं और बहन अपने भाई के लिए सुख समृद्धि एवं लंबी उम्र की कामना करती है. खास बात यह है कि जिस दिन करम परब शुरूआत होती है उसी दिन से करमैती लोग बहुत परहेज के साथ अपना खाना पीना करती हैं. करम परब में छोटी छोटी लड़कियां भी बहुत खुश रहती हैं. मौके पर सुरेश महतो, नागेश्वर महतो, शिवनारायण, रामकिशुन, रवि कु महतो, करण महतो, अनिल महतो, राजेंद्र बेदिया, राज किशोर चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, कुशवाहा पंकज महतो, गिरी शंकर महतो, बिहारी महतो, अनूप, फलजीत, रंजीत महतो, राजेंद्र सिंह, अनिल कुमार के अलावा सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

करनी सेना के आठ युवा दौड़ में हुए पास

मझिआंव। मझिआंव कला के करनी सेना के आठ सदस्यों ने पिछले दिनों रांची व पलामू सहित अन्य स्थानों पर हुई उत्पाद सिपाही की दौड़ निकाल लिया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए करनी सेना के सक्रिय सदस्य संजीव कुमार सिंह ने बताया कि वे अपने आठ सदस्यों के साथ उत्पाद सिपाही की दौड़ में गये थे.और सभी ने 44 से 48 मिनट में निर्धारित 10किलोमीटर की दौड़ पूरी कर ली.कहा कि सौरभ सिंह, भैरो सिंह, अविनाश सिंह, शशिकांत सिंह, सत्यम सिंह, अभिमन्यु सिंह, कौशल सिंह आदि के द्वारा दौड़ निकालने पर मझिआंव सूरवार टोला के लोगों में खुशी देखी जा रही है.

टाटीदीरी पंचायत भवन में लगा शिविर

धुरकी। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के पंचायत टाटीदीरी पंचायत भवन में किया गया. बीडीओ सह सीओ जुल्फिकार अंसारी, मुखिया सगुनी राम आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित आवेदन देने और शिकायत करने पहुंचे थे. इस दौरान जेएसएलपीएस महिलाओं के बीच तीन लाख रुपए का चेक वितरण किया गया.

स्कूल प्रबंधन समिति का किया गया गठन

मझिआंव। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोनपुरवा में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन किया गया. जिसमें सभी अलग-अलग जातियों के कुल 12 सदस्य बनाए गए. बनाए गए सदस्य में से दूदून शर्मा एवं बेलाल खान अध्यक्ष का दावेदारी पेश किया. लेकिन 12 में से 8 सदस्य दूदून शर्मा का समर्थन कर उन्हें स्कूल प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना. चुनाव कराने एए पर्यवेक्षक रामप्रवेश राम एवं प्रतिमा कुमारी ने नियम संगत अध्यक्ष का चयन किया. वहीं कार्यक्रम का अध्यक्षता पंचायत के मुखिया अख्तर खान ने किया.

सड़क हादसे में विक्षिप्त महिला की मौत

सिमडेगा। जिला कंट्रोल रूम के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गयी. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मृतक महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया. गौरतलब हो महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त थी. लंबे समय से शहर में इधर-उधर भटक रहे थी.जिससे किसी गाडी के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई.

मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कुडू प्रखंड के विभिन्न गांवों का किया दौरा, सुनी लोगों की समस्या

आपकी उम्मीदों पर खरा उतरना हमारा मूल उद्देश्यः डॉ उरांव

संवाददाता। लोहरदगा

विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के द्वारा लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के कुडू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर जनता की समस्याओं से रूबरू हुए. मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने ग्राम जामड़ी, दोबा, टाकू आदि गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से रूबरू हुए। मौके पर ग्रामीणों ने मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया. समस्याओं के निराकरण हेतु मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने संबंधित अधिकारियों से बात कर त्वरित समाधान करने की बात कही. मंत्री डॉ रामेश्वर ने ग्रामीणों को झारखंड सरकार के द्वारा

क्षेत्र भ्रमण के दौरान लोगो से मिलते मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव.

जनकल्याणकारी योजनाएं की जानकारी देते हुए विधायक निधि से किए गए कार्यों की समीक्षा भी की. कहा की वर्तमान समय में झारखंड सरकार के द्वारा अनेकों कार्य किया जा रहा है, जिसका लाभ सभी ग्रामीणों को जागरूक होकर अपना लाभ लेने का काम करें.उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक मईया सम्मान योजना,सर्वजन पेंशन योजना, अबुआ आवास, राशन कार्ड, सड़क निर्माण, बिजली, कृषि आदि योजनाओं का कार्य किया जा रहा है, जिससे विकास का कार्य हमारी सरकार के द्वारा किया जा रहा इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना, सभी छात्राओं को साइकिल, इन सभी कार्य के साथ शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है. इसके साथ ही वर्तमान में सबसे मुख्य योजना जो महिलाओं के लिए मैया सम्मान योजना के तहत 18 वर्ष से ऊपर के महिलाओं को प्रत्येक माह 1000 रुपया दिया जा रहा है.इसके साथ है विधवा एवं वृद्धा पेंशन, दिया जा रहा है. जवानों को व्यवसाय के लिए कल्याण विभाग से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, पशुधन आदि का लाभ दिया जा रहा है. दौरे के क्रम में खिलाड़ियों के लिए जर्सी और नगाड़ा का भी वितरण किया गया . मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, इकबाल खान, सामुल अंसारी, ऐनुल अंसारी, खुर्शीद अंसारी, विशाल डुंगडुंग, मुनीम अंसारी, असलम अंसारी, बबलू खान, कमरूल इस्लाम, हलीम अंसारी, तल्हा अंसारी, सियोन लकड़ा, करमा उरांव, जान लकड़ा आदि उपस्थित थे.

लोहरदगा में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

लोहरदगा पुलिस और जनता के बीच समन्वय बेहतर : डीआईजी

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

पुलिस विभाग की ओर से सदर प्रखंड मुख्यालय पर स्थित नया नगर भवन लोहरदगा में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का शुभारंभ दक्षिणी छोटानागपुर रांची के डीआईजी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनुप बिरथरे और पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम में डीआईजी दक्षिणी छोटानागपुर रांची अनुप बिरथरे ने कहा कि कार्यक्रम में आमजनों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी देख यहां आम जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय का पता चलता है.

पुलिस विभाग की ओर से सभी जिलों में आज जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य आमजनों से शिकायत प्राप्त करना व उसकी सतत् निगरानी करना, शिकायत को टैक करना, हर शिकायत की समीक्षा करना, लोगों के बीच डायल 112 व 1930 जैसे नंबरों की जानकारी देना आदि है. डायल 112 पर डायल कर किसी भी प्रकार की समस्या को आप बिना थाना गये दर्ज करा सकते हैं. डायल 1930 पर साइबर क्राईम से संबंधित मामलों की शिकायत की जा सकती है. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम अंतर्गत 9470546635 पर भी आमजन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. सरकार द्वारा आम लोगों के लिए इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है जो प्रत्येक माह आयोजित होता रहा है. प्रखण्ड और अनुमण्डल स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं.

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में शिकायतो को सुनते डीआईजी व एसपी.

एफआईआर दर्ज नहीं होने पर थाना प्रभारियों पर होगी कार्रवाई

डीआईजी ने कहा कि जो थाना प्रभारी अपने थानों में एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी . जब भी कोई शिकायत लेकर आए तो उससे संबंधित एफआईआर जरूर दर्ज होनी चाहिए . आपके थाना का मामला नहीं है तो भी शून्य एफआईआर दर्ज करते हुए संबंधित थाने को उसकी एफआईआर भेज दें लेकिन उस व्यक्ति को लौटाया ना जाए.

महिलाओं की शिकायत सभी थानों में हो दर्ज

डीआईजी ने कहा कि महिलाओं की शिकायत सभी थानों में दर्ज होनी चाहिए ना कि सिर्फ महिला थाना में. इसी तरह एसटी, एससी मामले भी सभी थानों में दर्ज होने चाहिए.

आपके शिकायतों की लगातार मॉनिटरिंग होगी : एसपी

पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आम लोगों और पुलिस के बीच के संबंध को और विश्‍वसनीय बनाने के लिए चलाया जा रहा है. आप जब कोई शिकायत दर्ज कराएंगे तो उसकी की संख्या जेनरेट होगी. उसके बाद उसकी मॉनिटरिंग की जाएगी . जो भी शिकायत प्राप्त होगी उसका समाधान किया जाएगा . आप अपनी शिकायत मोबाईल नंबर 9470546635 एवं ईमेल आईडी जन शिकायत डॉट एलडीजी एट द रेट झारखंड पुलिस डॉट गवर्मेंट इंडिया में भी दर्ज करा सकते हैं. आप जो भी शिकायत दर्ज करायें उसकी पावती रसीद अवश्य प्राप्त करें . कार्यक्रम में मुख्यालय डीएसपी समीर कुमार तिर्की, किस्को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समीर कुमार सवैया, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद, इंस्पेक्टर सह सदर थानेदार रत्नेश मोहन ठाकुर, किस्को थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह, भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह, कुडू थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो, ब्गडू थाना प्रभारी वारिस हुसैन समेत अन्य सभी थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे.

भाजपा ने मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायत की

सिमडेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सिमडेगा तथा एसडीओ को मांग पत्र सौंप कर तदाता सूची में हुई गड़बड़ी की शिकायत की.भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि 25 जुलाई को निर्वाचन विभाग के द्वारा प्राप्त मतदाता सूची को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जांच किया तो पाया कि मतदान केंद्रों की दूरी लगभग 5,7 और 10 किलोमीटर है.दूसरे पंचायत में भी है. जिससे मतदान केंद्रों तक पहुंचने में मतदाताओं को काफी परेशानी होगी एवं मतदान का प्रतिशत गिरेगा. उन्होंने बताया कि जिसे बूथ संख्या 204 सेवई पंचायत उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुन्दुकच्छार को टैसेरा पंचायत के स्वामी श्रद्धानन्द मध्य विद्यालय टैसेरा किया गया है.

सेन्हा में केबल तार की चोरी, ग्रामीण परेशान

सेन्हा/लोहरदगा। जिले के सेन्हा प्रखंड क्षेत्र में चोरों ने बिजली तार का केबल चोरी कर लिया. जिससे क्षेत्र में अंधेरा पसरा हुआ है.मामले को लेकर बिजली विभाग ने सेन्हा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है. विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के झखरा जितिया टोली ग्राम में बिजली विभाग द्वारा लगाया गया एलटी केबल तार की चोरी होने की सूचना पर सहायक विद्युत अभियंता विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल लोहरदगा दिया गया. जांचोपरांत अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया गया. इस संदर्भ में थाना प्रभारी अजित कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा प्राप्त चोरी मामला के आवेदन को संज्ञान में लेते हुए पुलिस कारवाई आरम्भ कर दिया गया है.

न्यूज अपडेट

खेलो झारखंड में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सिमडेगा। ठेठईटांगर प्रखंड मैदान में खेलो झारखंड का अयोजन हुआ. मुख्य अतिथि के रुप में प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, मोहम्मद वहीद उपस्थित थे. प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल तीरंदाजी, फुटबाल, हॉकी का आयोजन किया गया.मौके पर प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज ने कहा कि इस तरह के आयोजन से और अधिक खिलाड़ी उभर के सामने आएंगे. सरकार खिलाड़ियों को पूरा सम्मान देने का काम कर रही है. मौके पर मौजूद शिक्षक तापेश्वर भगत,राजेश कुजूर, गोल्ड मिल्टन बाड़ा, विजय सोरेंग, नेल्सन मुंडू, मियुस डुंगडुंग, निर्मल बड़ा, अतुल केरकेट्टा, बसंत तिर्की, रजत टेटे आदि शामिल थे.

शिक्षक तो हर दौर में अनमोल रहा है : शहनाज

लोहरदगा। शिक्षक की अजमत को तराजू में न तौलो, शिक्षक तो हर दौर में अनमोल रहा है. उक्त बातें नेशनल पब्लिक स्कूल कुटमू लोहरदगा में आयोजित शिक्षक दिवस सह सम्मान समारोह में विद्यालय की संस्थापिका शहनाज बानो ने बोली. उन्होंने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यालय के बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर टिका हुआ है .राष्ट्र निर्माण में हमारे देश के शिक्षकों की अहम भूमिका रही है . यही बच्चे कल हमारे देश की भविष्य होंगे . मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापिका मिस गुलनाज ने शिक्षक दिवस मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब गुरु शिष्य के संबंध निः स्वार्थ भाव का हो.

आजसू की जन जागरण पदयात्रा 29 सितंबर को

सिमडेगा। आजसू जिला कार्यालय में धूर्पेंद्र पांडे के नेतृत्व में बैठक हुई. बैठक में विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया. 29 सितंबर को सिमडेगा में जन जागरण पदयात्रा सह युवा सम्मेलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन जायेगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी सुप्रीमो पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत,गिरिडीह के सांसद सह आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी, सिमडेगा जिला के प्रभारी गोपीनाथ सिंह, झारखंड छात्र संघ प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ,युथ प्रदेश संयोजक गौतम सिंह एवं जब्बार अंसारी मुख्य रूप से शामिल होंगे .जन जागरण पदयात्रा सह युवा सम्मेलन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता एवं समर्थकों को तैयारी में जुट जाने के लिए जिला अध्यक्ष के द्वारा अपील किया गया.

सत्या देवी बनी केरसई भाजपा मंडल अध्यक्ष

केरसई (सिमडेगा)। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुषमा देवी ने बासेन मुखिया सत्या देवी को केरसई भाजपा महिला मोर्चा का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है . उनके नेतृत्व में केरसई मंडल में महिला मोर्चा मजबूत होकर संगठन के लिए कार्य करेगी. सत्या देवी के महिला मोर्चा अध्यक्ष बनने पर मंडल के पदाधिकारी ने सत्या देवी को बधाई दी है. बधाई देने वालों में मंडल अध्यक्ष मानकीलाल ,मनोज साय,प्रणव कुमार, रवि गुप्ता, गौतम कुमार,दिनेश प्रसाद, बुलेश्वर प्रसाद, कैलाश मेहर, सुधीर मांझी, देवनारायण आदि शामिल थे.

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक संपन्न

लातेहार। उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार (डीडीएमए) की बैठक आयोजित की गई. बैठक में समिति द्वारा कुल 62 अभ्यावेदनों की समीक्षा की गई. विचार विमर्श के बाद समिति द्वारा 62 में से 45 अभ्यावेदनों की अनुशंसा की गई. अन्य आवेदनों को विभिन्न त्रुटियों के सुधार हेतु संबंधित अंचल को भेजने का निर्देश दिया गया. बैठक में सड़क दुर्घटना, वज्रपात से मानव एवं मवेशियों की मौत, डोभा, नदी, जलाशयों में डूबने से हुई मौत व सर्पदंश आदि से संबंधित आवेदनों पर विचार विमर्श किया गया.

केतार में प्रखंड स्तरीय प्रतियोगता की शुरुआत

केतार। खेलो झारखंड 2024-2025 के तहत प्रखंड स्तरीय प्रतियोगता का शुभारंभ केतार लोहिया समता उच्च विद्यालय के मैदान में प्रमुख चंद्रावती देवी ने दीप प्रज्वलित कर व फीता काट कर किया. खेल में बालिकाओं ने एथलेटिक, कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल, दौड़ जैसे अन्य खेलों में भाग लिया. अंडर 14, 17 और 19 बालक एवं बालिकाओं ने भाग लिया. अंडर 14 कबड्डी में विजेता पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय केतार, उप विजेता मध्य विद्यालय अमावाडीह, कब्बडी अंडर 17 में विजेता प्लस टू हाई स्कूल छतांकुंड, उप विजेता उच्च विद्यालय मरैली हुआ. मौके पर बीपीएम राकेश वैद्य, शिक्षक देवेंद्र कुमार, बसंत कुमार राम, बीरेंद्र राम, अखिलेश पाठक, मुरली पाठक, प्रेम कुमार, नवीन कुमार, दीनानाथ मेहता, संजीव आनंद, धर्मनाथ पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे.

रोहित उरांव के प्रयास से मरीज का हो रहा इलाज

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आकाशी निवासी भैया आनंद नाथ सहदेव की पत्नी अन्नपूर्णा देवी उम्र 50वर्ष विगत कुछ दिनों से गंभीर बीमारी से ग्रसित है. जिसके इलाज के लिए परिजनों के द्वारा रांची रिम्स में भर्ती किया गया. परिजनों ने विधायक लोहरदगा सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के पुत्र युवा नेता रोहित उरांव से संपर्क किए एवं उनके परिजनों के द्वारा बेहतर इलाज के बात की गई. जिसमे रोहित उरांव के द्वारा तत्काल अपने तरफ से आर्थिक सहायता के साथ अस्पताल प्रबंधक से बात कर डॉक्टर एवम अपने अस्पताल प्रभारी खान को रिम्स अस्पताल में उचित इलाज की बात किया. इसके साथ ही त्वरित कार्य करते हुए मरीज के

स्थिति को देखते हुए मरीज को स्पेशल आईसीयू की व्यवस्था कराया..डॉक्टर की निगरानी में मरीज का इलाज किया जा रहा है.रोहित उरांव ने कहा कि मरीज के ईलाज के लिए हर संभव मदद किया जायेगा.इस कार्य के लिए परिजनों के द्वारा रोहित प्रियदर्शी उरांव का आभार प्रकट किया.

आदिवासियों की संस्कृति प्रकृति की गोद से उपजी है: सुनीता उरांव

लोहरदगा। आदिवासी समाज की महिला कार्यकर्ता और झापीपा की लोहरदगा जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुनीता उरांव ने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति प्रकृति की गोद से उपजी है. इसलिए हमारा जन-जीवन, कर्मा, सरहुल जैसे पर्व-त्योहार सभी धार्मिक अनुष्ठान जल, जंगल, नदी, पहाड़, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के जीवन से जुड़ा हुआ है. सुनीता उरांव ने कहा कर्मा पर्व के अवसर पर करम पेड़ की डाली और सरहुल पर्व के अवसर पर साल सखुवा के फूल की पूजा करना हमारी परंपरा एवं पूजा पद्धति में शामिल है. उन्होंने कहा कि उरांव जनजाति के लोगों की सामाजिक शासन व्यवस्था के प्रमुख महतो और पहान- पूजार होते हैं. रोहतासगढ़ से हमारी शासन व्यवस्था कायम होती रही है. धूम कुड़िया का हमारी संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है.

चंदा एकत्र कर की जाएगी सुगवा नाला का पइन की उड़ाही

उड़ाही को लेकर संघर्ष समिति का गठन

संवाददाता। मझिआंव

प्रखंड के पुरहे गांव में सुगवा पइन संघर्ष समिति की बैठक जिला परिषद सदस्य धर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. जिसमें सर्वसम्मति से सहयोग राशि से पइन के मरम्मत का कार्य शुरु कराने का निर्णय लिया गया. इस संबंध में धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि उनके पिता स्व. मटर सिंह के अथक प्रयास से सुगवा डैम का निर्माण हुआ था. जिससे निकाली गई पइन के माध्यम से हजारों किसान अपने खेत को पानी देकर फसल बचाते थे. लेकिन वर्तमान समय में वह पइन पूरी तरह से कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है. साथ ही उसमें मिट्टी भर गया है. जिसके कारण किसानों का धान सहित अन्य कई तरह के फसल सूख जा रहे है. जिप सदस्य ने कहा कि पइन का

अधिकांश भाग वन विभाग में होने के कारण उसमे जिला स्तर से कार्य कराना काफी मुश्किल है. जिसके कारण हम किसान इसका मरम्मत हम किसान आपस में सहयोग राशि इकठ्ठा कर करेंगे ताकि किसानों के फसल की रक्षा हो सके. इस अवसर पर सुगवा नाला संघर्ष समिति के 15 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया. साथ ही प्रस्ताव पारित कर सुगवा नाला पर बने बिछली तक पइन के जीर्णोद्धार का निर्णय लिया गया. जिसका कार्य बुधवार से शुरू किया जाएगा. मौके पर श्री सिंह ने कहा कि वे पइन की मरम्मत के लिए 11 हजार रुपये सहयोग राशि दिए हैं. वहीं बैठक में उपस्थित राम प्रसाद यादव के द्वारा 21 हजार, पंचायत मुखिया शम्भू पासवान ने भी 10 हजार रुपये का सहयोग किया. इसी सुगवा संघर्ष समिति के धर्मेंद्र ठाकुर सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने समर्थ के अनुसार आर्थिक सहयोग किया. मौके पर बीडीसी सदस्य राम गहन पासवान, उप मुखिया धर्मेन्द्र ठाकुर आदि शामिल थे.

जलसा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जश्न- ए-अशरफुल औलिया कॉन्फ्रेंस सह दस्तारबंदी का आयोजन

अपने बच्चों को बेहतर इल्म दिलाये अभिभावक : जलालुद्दीन

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खरकी के बाला टोली रोड अशरफ नगर में एक अजीमुश्शान अशरफुल औलिया कॉन्फ्रेंस व जश्ने दस्तारबंदी प्रोग्राम का आयोजन किया गया. यहां पर बता दें कि अशरफ नगर अम्बा टोली मदरसा दारुल उलूम अशरफुल उलूम के सेहन में आयोजित जश्न ए अशरफुल औलिया कॉन्फ्रेंस सह दस्तारबंदी प्रोग्राम का खलीफा ए हुजूर ताजुल औलिया हजरत अल्हाज अब्दुल जलील कौसर अशरफी के सदारत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वहीं नूरी नवाज़िश हैदरी में भी प्रोग्राम हुई. उक्त प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि पीरे तरीकत हजरत अल्हाज सैय्यद जलालुद्दीन अशरफ अशरफीउल जिलानी किछौछा शरीफ

अशरफुल औलिया कॉन्फ्रेंस में अतिथियों के बीच हाफिज बने बच्चे.

व शहजादे ए ताजुल औलिया हजरत सैय्यद ओहदुद्दीन अशरफ अशरफीउल जिलानी किछौछा शरीफ तशरीफ फरमा थे. इस बीच कार्यक्रम में मदरसा अशरफुल ओलूम में पढ़ने वाले बच्चों के सरों पर हाफिज ए कुरआन का अमामा पहनाकर दुआएं पेश की गई. बता दें कि झारखंड, बंगाल और बिहार के विभिन्न हिस्सों से मदरसा अशरफुल ओलूम में पढ़ने वाले 10 बच्चों को यह खुशनसीबी हासिल हुआ. अशरफुल औलिया कॉन्फ्रेंस सह दस्तारबंदी व जलसा में मुख्य शायर जनाब उस्मान गनी अशरफी दार्जिलिंग , मोकर्रिर मौलाना मुख्तार अशरफी छत्तीसगढ़, मौलाना मोईनुद्दीन अशरफी मालदा , नेजामत संभाले हुए जनाब फैजान रजा साहब, मौलाना इजहारुल ईमान साहब, मौलाना नेजाम हसनैन अशरफी, मौलाना तनवीर आलम, हाफिज अख्तर हुसैन, हाफिज शकील अशरफी और दीगर ओलामा तशरीफ फरमा थे. यहां पर दूर दराज से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने जलसा सुनने पहुंचे. मुख्य अतिथि पीरे तरीकत रहबरे शरीयत हजरत सैय्यद जलालुद्दीन अशरफ अशरफीउल ने कहा कि खुशनसीब वह मां बाप होते हैं जिनके बच्चे अच्छी तालीम हासिल कर उनका नाम रोशन करते हैं. उन्होंने कहा कि बच्चे को बेहतर इल्म प्राप्त करें इसे लेकर अभिभावक विशेष रूप से ध्यान दें.उन्होंने कहा कि बगैर शिक्षा के जीवन को सुदृढ़ करना नामुमकिन है.

इनके सिर पर सजा हाफिज का ताज

अशरफुल ओलूम बाला टोली रोड अशरफ नगर में आयोजित जश्न ए अशरफुल औलिया कॉन्फ्रेंस सह दस्तारबंदी व जलसा प्रोग्राम में मदरसा अशरफुल ओलूम में पढ़ने वाले हाफिज मुशर्रफ हुसैन, हाफिज गुलाम दस्तगीर,हाफिज मोहम्मद गुलाम सरवर, हाफिज मोहम्मद हुसैन नवाज, हाफिज मोहम्मद शोएब एखलाक, हाफिज मोहम्मद गुलाम जिलानी, हाफिज मोहम्मद औरंगजेब, हाफिज मोहम्मद हसनैन रजा, हाफिज मो. दिलशाद फरार और हाफिज गुलाम वलीउर्रहमान के सिर पर मुख्य अतिथि के द्वारा अमामा पहनाकर दुआएं पेश की गई . मौके पर बड़ी संख्या में लोगबाग मौजूद थे.

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने किया पैथोलॉजी सेंटर का निरीक्षण

भवनाथपुर। गढ़वा

सीएस डॉ अशोक कुमार के आदेशानुसार भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने सीएचसी के सामने संचालित हो रहे मेडिकल एवं पैथोलॉजी सेंटर का निरीक्षण किया. निरीक्षण की भनक मात्र से दुकानदारों में हड़कंप मच गया और आधा दर्जन अधिक दुकानदारों ने अपना-अपना दुकान बंद कर के फरार हो गए.

निरीक्षण के दौरान नन्हकूली चौधरी का मेडिकल, मॉडर्न पैथोलॉजी, सममा मेडिकल, बजरंग पैथोलॉजी, यादव मेडिकल, ज्योति पैथोलॉजी का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान नन्हकूली चौधरी मेडिकल का रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर जब तक रजिस्ट्रेशन नहीं होता है तब तक दुकान बंद करने को बोला गया. वहीं मॉडर्न पैथोलॉजी का निरीक्षण किया गया जब रजिस्ट्रेशन का नहीं होने की बात संचालक द्वारा बोले जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा पैथोलॉजी को बंद करने का आदेश देते हुए कहा कि यह आखिरी अल्टीमेटम है बिना रजिस्ट्रेशन के पैथोलॉजी को खोला गया तो दुकान को सील करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी. डॉ. हरिहर पाल की दुकान को निरीक्षण के दौरान अपना किसी भी तरह का कोई कागजात नहीं दिखाया. वहीं किसी अन्य उषा कुमारी का रजिस्ट्रेशन का पेपर दिखाया गया जिसके बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने एक घंटा के अंदर अपना सर्टिफिकेट एवं रजिस्ट्रेशन का पेपर कार्यालय में लेकर उपस्थित होने को बोला. निरीक्षण की सूचना मिलते ही न्यू लाईफ पैथोलॉजी, सूरज पैथोलॉजी, नीलू बैठा का मेडिकल संचालक दुकान बंद करके फरार हो गए.

मॉडर्न पैथोलॉजी की जांच करते डॉ. दिनेश कुमार.

राहुल के बयान पर हंगामा

अमेरिका में राहुल गांधी के दिए वक्तव्य से भारत की राजनीति में उबाल आ गया है. केंद्र के मंत्रियों ने राहुल गांधी पर देशद्रोह का गंभीर आरोप लगाया है. सवाल है कि देश के बारे में पूछे गए सवालों पर विपक्ष के नेता क्या बोलेंगे, यह कौन तय करेगा? 2014 के पहले आम तौर पर देश के आंतरिक मामलों पर बोलने से बचने का रिवाज पक्ष और विपक्ष के नेताओं में था. यह जानना जरूरी है कि 2014 के बाद ऐसा क्या हुआ कि अब राजनीति में उबाल विदेशी धरती पर बोले गए वक्तव्यों से ही होता आ रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी धरती से 2014 के पहले की सरकारों की जिस तरह आलोचना की, उसे भी विस्मृत नहीं किया जाना चाहिए. राहुल गांधी पर भाजपा हमलावर है. टेक्सास प्रांत के डलास शहर में भारतीय समुदाय और टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए जो विचार राहुल गांधी ने रखे, वे भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं. लिहाजा एक बार फिर राहुल गांधी को देशविरोधी, देशद्रोही, भारत का अपमान करने वाला आदि कहा जा रहा है. दरअसल राहुल गांधी ने अपने संबोधनों में भारत के विचार को केंद्र में रखते हुए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु उठाए. इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों पर भी टिप्पणी की, यही बात भाजपा नेताओं को इतनी खटक गई कि देश में निर्वाचित सांसद और नेता प्रतिपक्ष को देशविरोधी कहा गया. राहुल गांधी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन में कहा कि उनकी भूमिका भारतीय राजनीति में प्रेम, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को स्थापित करने की है. उन्होंने माना कि लगभग सभी दलों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव नजर आता है और इसे ही दूर करने में अपनी भूमिका को उन्होंने रेखांकित किया. उन्होंने धर्म, जाति, समुदाय, राज्य या भाषा के बंधनों से परे सभी से प्रेम की जरूरत पर बल दिया. इसके साथ ही कहा कि हर उस व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए, जो भारत का निर्माण करने का प्रयास कर रहा है. विनम्रता केवल दूसरों में नहीं, बल्कि स्वयं में होनी चाहिए. राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आरएसएस मानता है कि भारत एक विचार है. हम मानते हैं कि भारत विचारों की विविधता वाला देश है. हम अमेरिका की तरह मानते हैं कि हर किसी को सपने देखने का अधिकार है, सबको भागीदारी का मौक़ा मिलना चाहिए और यही लड़ाई है. राहुल गांधी पर चीन का प्रचार करने का आरोप भी लगाया जा रहा है. राहुल गांधी ने बेरोजगारी के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि कुछ साल पहले तक अमेरिका उत्पादन का केंद्र था. बाद में कोरिया, जापान केंद्र बना. अब चीन मैन्युफैक्चरिंग का हब है. चीन और वियतनाम ने इस क्षेत्र में बाजी मार कर रोजगार के सवाल को कम किया है. बेरोजगारी चंद लोगों को अरबपति बना कर नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के क्षेत्र बढ़ा कर ही दूर की जा सकती है. राहुल का यह बयान राजनीतिक हलचल के केंद्र में है. आरोप प्रत्यारोप के बदले भारतीय राजनीति में बोलने की मर्यादा तय करने की जरूरत है.

> राहुल गांधी पर चीन का प्रचार करने का आरोप भी लगाया जा रहा है. राहुल गांधी ने बेरोजगारी के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि कुछ साल पहले तक अमेरिका उत्पादन का केंद्र था. बाद में कोरिया, जापान केंद्र बना.

सुभाषित

दुर्लभं त्रयमेवैतत् देवानुग्रहहेतुकम्।
मनुष्यत्वं मुमुक्षुत्वं महापुरुषसंश्रयः।।

इस संसार में तीन चीजें बहुत ही दुर्लभ होती हैं और उनकी प्राप्ति बिना परमेश्वर की कृपा के नहीं हो सकती. उन दुर्लभ चीजों में पहला है मनुष्य के रूप में जन्म. दूसरा है मुक्ति की इच्छा और तीसरा है महापुरुषों की संगति. इन तीनों की प्राप्ति के लिए ईश्वर की कृपा आवश्यक है.

विकास के यज्ञ में नदी संस्कृति स्वाहा

बिहार के जल संसाधन विभाग के मंत्री विजय चौधरी के अनुसार नेपाल में हाई डैम बनने का प्रस्ताव कई सालों से है, लेकिन वहां फिलहाल हाई डैम बनने की उम्मीद नहीं दिख रही है. कारण नेपाल में हाई डैम का मामला इसलिए अटका पड़ा है. कोई भी जल संधि तभी लागू की जाएगी जबतक कि वहां की संसद दो तिहाई बहुमत से मामले के पारित न कर दे. नेपाल के संसद के पेंच के कारण बिहार सरकार को बराज बनाने का फैसला लेना पड़ा.

• देश-काल

कुमार कृष्णन

बिहार सरकार कोई भी बराज बनाने से पहले फरक्का बराज के दुष्परिणामों से सीख ले.₹ गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रमुख अनिल प्रकाश ने बिहार की नदियों पर इन बराजों के निमार्ण पर आपत्ति जतायी है और कहा है कि — ₹बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सात नदियों पर बराज बनाने की हड़बडी करनें से पहले गंगा पर बने फरक्का बराज से उत्पन्न विनाशकारी बाढ़, कटाव,जल जमाव, भूमियों के उसर होने, मछलियों के अकाल आदि भीषण स्थितियों का वैज्ञानिक आंकलन अवश्य करा लेना चाहिए.₹ सरकार के बिहार की नदियों पर बराज बनाने के फैसले से व्यापक आंदोलन की तैयारी आरंभ हो गयी है. इस फैसले के विरोध में बिहार, बंगाल और उत्तरप्रदेश में प्रथम चरण में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा. इसके उपरांत साथी संगठनों की बैठक कर आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी. नेपाल में होने वाली बारिश से बिहार में होने वाली तबाही को रोकने के लिए बिहार सरकार ने चार बराज बनाने का निर्णय लिया है. ऐसे में फरक्का बैराज के निर्माण में दिखाई गई अदूरदर्शिता को एक सीख की तरह देखा जाना चाहिए.

बिहार के जल संसाधन विभाग के मंत्री विजय चौधरी के अनुसार नेपाल में हाई डैम बनने का प्रस्ताव कई सालों से है, लेकिन वहां फिलहाल हाई डैम बनने की उम्मीद नहीं दिख रही है.कारण नेपाल में हाई डैम का मामला इसलिए अटका पड़ा है. कोई भी जल संधि तभी लागू की जाएगी जबतक कि वहां की संसद दो तिहाई बहुमत से मामले के पारित न कर दे. नेपाल के संसद के पेंच के कारण बिहार सरकार को बराज बनाने का फैसला लेना पड़ा. लिए गए फैसले के तहत नेपाल से आने वाली चार नदियों में चार जगह पर बराज बनाए जाएंगे. यह बराज कोसी नदी पर डगमारा में, गंडक नदी पर अरेराज में, महानंदा नदी पर मसान में और बागमती नदी पर डिंग में बराज बनाया जाएगा. डीपीआर तैयार किया जा रहा है. बाढ़ नियंत्रण को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ी राशि दी है और हम लोग सोच रहे हैं कि नेपाल से आने वाले बाढ़ के पानी से जो नुकसान होता है उसे रोकने के लिए इन चार जगहों पर बड़े बराज बनाया जाएं, जिससे कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है. इसके लिए विश्व बैंक से 4400 करोड़ रुपये की सहायता ली जा रही है. यह डीपीआर मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा. नेपाल सरकार से भारत सरकार की कई बार हाई डैम बनाने को लेकर बातचीत हुई है वर्ष 2004 में वहां संयुक्त रूप से विराटनगर में कार्यालय भी खोले गए हैं, लेकिन जहां भी सर्वे करने जाती है लोग हंगामा करने लगते हैं. यही कारण है कि नेपाल में हाई डैम बनाना मुश्किल हो रहा है. यही सोचकर बिहार सरकार ने अब बिहार में ही नेपाल से आने वाली चार नदियों पर बराज बनाने का निर्णय लिया है. केंद्र सरकार ने हाल ही में बिहार के लिए प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ से संबंधित आपदाओं से निपटने के लिए 11,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है. केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में भारत ने नेपाल में कोसी, बागमती और कमला नदी पर उच्च-स्तरीय बांध बनाने और संबंधित डीपीआर तैयार करने के लिए 2004 में विराटनगर (नेपाल) में एक संयुक्त परियोजना कार्यालय स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी. विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार के बाढ़ को लेकर एक वैज्ञानिक ढंग से व्यापक अध्ययन की आवश्यकता है उसके बाद नदी जोड़ योजना का काम हो या फिर बराज बनाने का काम हो. विकास योजनाएं बनाते समय उसके सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय दुष्परिणामों को नज़रअंदाज़ करने का क्या नतीजा हो सकता है, इसे समझने के लिए फरक्का बैराज को एक मॉडल के रूप में देखा जाना चाहिए. फरक्का बैराज 1975 में बनकर तैयार हुआ. मकसद था कि इसके जरिए 40 हजार क्यूसेक पानी का रुख बदल दिया जाये, ताकि कोलकोता बंदरगाह बाढ़ से बच सके. यह अनुमान करते नदी में आने वाले तलछट का अनुमान नहीं किया गया. परिणामस्वरूप, आवश्यकतानुरूप मात्रा में पानी का रुख नहीं बदला जा सका. दुष्परिणाम आज सामने है. बैराज का जलाशय तलछट से ऊपर तक भरा है. पीछे से आनी वाली विशाल जलराशि पलटकर साल में कई-कई बार विनाश लाती है. ऊंची भूमि भी डूब का शिकार होने को विवश है. हजारों वर्ग किलोमीटर की फसल इससे नष्ट हो जाती हैं. फरक्का बैराज के बनने के बाद से समुद्र से चलकर धारा के विपरीत ऊपर की ओर आने वाली ढाई हजार रुपये प्रति किलो मूल्य वाली कीमती हिल्सा मछली की बडी मात्रा से हम हर साल खो रहे हैं, सो अलग. नदी किनारे की गरीब-गुरबा आबादी फरक्का को अपना दुर्भाग्य मानकर हर रोज कोसती है. फरक्का बराज के बनने के बाद से बिहार में बाढ़ की आपदा बढ़ी है.

मगर जानकार यह भी मानते हैं कि बिहार में बाढ़ को नियंत्रित करने वाली तटबंध आधारित नीति ने भी बाढ़ के संकट को बढ़ाने का काम किया है. उत्तर बिहार की नदियों के जानकार दिनेश कुमार मिश्र के अनुसार आजादी के वक्त जब राज्य में तटबंधों की कुल लंबाई 160 किमी थी तब राज्य का सिर्फ 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बाढ़ पीड़ित था. अब जब तटबंधों की लंबाई 3760 किमी हो गयी है तो राज्य की लगभग तीन चौथाई जमीन यानी 72.95 लाख हेक्टेयर भूमि बाढ़ प्रभावित है. यानी जैसे-जैसे तटबंध बढ़े बिहार में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रफल भी बढ़ता चला गया. बड़े बांधों, बराजों द्वारा उपजाऊ धरती, जंगल सहित जैव विविधता से भरी प्रकृति और नदी से जुड़ी संस्कृति स्वाहा कर विकास का यज्ञ चलाया जा रहा है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

परहित और धर्म

गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज जैसे संत और भक्त का उदय संसार के मंगल के लिए होता है. संसार के कल्याण के लिए होता है. लेकिन उल्लू ऐसे संतों को नहीं समझ पाते. इसलिए ये दुष्प्रचार करते हैं. उल्टा समझते हैं और दूसरों को भी उल्टा ही समझाते हैं. यानी खुद कुएं में गिरते हैं और दूसरों को भी गिराते हैं. ऐसा क्यों होता है? क्योंकि उल्लू ज्ञान रूपी सूर्य से विरत और मोह रुपी रात्रि में अनुरक्त रहते हैं. इसलिए ऐसे लोग मरने के बाद भी उल्लू होकर ही पैदा होते हैं- 'होहिं उलूक संत निंदा रत. मोह निसा प्रिय ग्यान भानु गत'. तुलसीदास जी जैसे संत के बताए हुए रास्ते पर यदि कोई देश-समाज चले तो सारी परेशानियां अपने आप दूर हो जाएं. गोस्वामी तुलसीदास जी ने प्राणिमात्र के कल्याण के लिए अनेक उपदेश अपने ग्रंथों के माध्यम से हमें उपलब्ध करा दिए हैं. जिनका पालन करके मनुष्य, मानव बनकर भक्ति मार्ग की ओर अग्रसर हो जाता है. गोस्वामी जी ने कहा है- 'परहित सरिस धर्म नहि भाई'. परहित के समान कोई दूसरा धर्म नहीं है. इसलिए सबको दूसरों की मदद करना चाहिए. यह सबसे बड़ा मानव धर्म है. इसकी विशद व्याख्या भविष्य में करेंगे. 'परपीड़ा सम नहि अधमाई': दूसरों को पीड़ा देने के समान कोई दूसरा अधर्म नहीं है. संत किसी भी स्थिति और परिस्थित में भी अधर्म करने को नहीं कहते. कभी भी अधर्म करने को नहीं कह सकते. इसलिए संतो के उपदेश और ग्रन्थ को सूझ-बूझ के साथ सुनना और पढ़ना चाहिए. चूँकि दूसरे को पीड़ा देना अधर्म है. इसलिए हमें कभी भी किसी भी रूप में किसी को पीड़ा नहीं देना चाहिए. न वचन से, न कर्म से और न ही किसी अन्य रूप में किसी को पीड़ा देना चाहिए. संत प्राणिमात्र की रक्षा और सुरक्षा की बात करते हैं. इसलिए किसी को किसी भी जीवधारी को पीड़ा नहीं देनी चाहिए. यह अधर्म है. इससे यह भी साबित हो जाता है कि जीव हत्या नहीं करनी चाहिए. हमें मनुष्य देह अधर्म करने के लिए नहीं बल्कि धर्म करने के लिए ही मिलता है. इसलिए हमें परहित करना चाहिए और परपीड़ा से सदैव बचना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा है- परम धरम श्रुति विदित अहिंसा. वेदों के अनुसार अहिंसा सर्व श्रेष्ठ धर्म हैं. हम परहित की भावना रखेंगे और परपीड़ा को अधर्म समझेंगे तो अहिंसा का अपने आप पालन होता रहेगा. हिंसा का दूसरा मतलब पीड़ा ही हुआ. बिना पीड़ा दिए हिंसा थोड़े होगी. इसलिए हमें अहिंसा का मार्ग पकड़ना चाहिए.

जलवायु परिवर्तन का संकट गंभीर

• जलवायु

संजय कुंदन

यह विडंबना है कि हर बार बरसात के मौसम में जलवायु परिवर्तन जैसे संकट की याद आती है, शहरों की बदहाली का रोना रोया जाता है, पर उसका शहरी निर्धन वर्ग पर क्या असर होता है, इस पर बात नहीं होती. सचाई यह है कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकटों से बुरी तरह प्रभावित शहरी ग़रीब वर्ग ही होता है. यह वर्ग न्यूनतम जल निकासी और सीवरेज सुविधाओं वाले निचले इलाक़ों में झुग्गी झोपड़ियों में रहता है. पक्के घरों में रहने वाले लोग पानी को तेज़ी से बाहर निकाल सकते हैं, झुग्गीवासियों को इसे तब तक सहना पड़ता है, जब तक कि पानी कम न हो जाए या सरकार हस्तक्षेप न कर दे. इस कारण पूरे वर्ष झुग्गी–झोपड़ियों में कोई न कोई व्यक्ति मलेरिया या डेंगू से पीड़ित रहता है. नियमित बुखार, खांसी और सर्दी हर घर में आम बात है. बरसात के मौसम में, गंदे पानी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कई लोगों में त्वचा रोग हो जाते हैं.हर साल की तरह इस साल भी मॉनसून की शुरुआत के साथ अनेक शहर भारी बारिश के बाद पानी में डूब गए. कुछ ही दिन पहले वही शहर तीव्र लू की चपेट में आ गए थे, जिसने 100 से अधिक लोगों की जान ले ली थी. एक अनुमान के मुताबिक देश में 40,000 संदिग्ध हीटस्ट्रोक के मामले सामने आए, जिसका असर मुख्य रूप से शहरी असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर पड़ा था. ओवरसीज डिवेलपमेंट इंस्टीट्यूट (ओडीआई) की कुछ साल पहले की रिपोर्ट में कहा गया था कि प्रमुख भारतीय शहरों में धातु या एस्बेस्टस–छत वाली झोपड़ियों में रहने वाले शहरी ग़रीब 48 डिग्री सेल्सियस से अधिक का तापमान झेलने को मजबूर रहते हैं. लगातार बढ़ती गर्मी से उनके जीवन और उत्पादकता के लिए ख़तरा बढ़ रहा है.अकसर कई शहरों पर तूफ़ान का भी असर पड़ता है और वहां भी निर्धन वर्ग ही सबसे बड़ा भुक्तभोगी होता है. जैसे चक्रवात 'फानी' के दौरान पूरा भुवनेश्वर शहर ठप हो गया था. झुग्गी–झोपड़ियां टूट गईं और इसके लिए बाद में कोई मुआवजा भी नहीं मिला. प्राकृतिक संकट इन शहरी ग़रीबों को बदहाल बनाता है. लगातार आवास की क्षति, काम छूटने, बीमार पड़ने से उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है. उनके लिए ग़रीबी के चक्र से निकलना मुश्किल हो जाता है.यह अनियमित और असंतुलित मौसम एक नियमित घटना बन गया है और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह भविष्य में और भी बढ़ेगा. भारत के कई शहरों पर तो बाढ़ का ख़तरा हमेशा ही मंडराता रहता है. ओडीआई की रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ के जोख़िम वाले दुनिया के शहरों में मुंबई पांचवें स्थान पर है. शहर को सालाना 28.4 करोड़ डॉलर का नुक़सान होता है, जबकि भारत को पिछले दशक में बाढ़ से 3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है. निश्चय ही यह एक गंभीर समस्या है, जिसे अनेदखा नहीं किया जा सकता. शहरों को इन सबसे बचाना है, तो इसके लिए शहरी नियोजन में तत्काल बदलाव की आवश्यकता है, जिससे असमानता और जलवायु परिवर्तन दोनों से निपटा जा सके. दरअसल शहर के बारे में जो भी योजना बनती है, उसमें भी इस वर्ग का ध्यान नहीं रखा जाता. उन्हें अवांछित की तरह देखा जाता है, जबकि गांवों–क़स्बों से शहरों–महानगरों की ओर पलायन एक सचाई है और इस वर्ग के बग़ैर शहरों का काम भी नहीं चल सकता. ग़ौरतलब है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के विकास के साथ शहरों की ओर पलायन बढ़ा है. भारत ही नहीं पूरी दुनिया में. वर्तमान में विश्व की आधी से अधिक आबादी शहरों में निवास करती है और शहरीकरण का विस्तार जारी है. अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत की 40.76 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास कर रही होगी. भारत में गांवों–क़स्बों से भारी संख्या में रोज़ी–रोज़गार के लिए महानगरों में आने वाले लोग शहरों में बेहतर आवास पाने में सक्षम नहीं है. वे झुग्गी झोपड़ियों में रहते हैं. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की झुग्गी–झोपड़ियों की आबादी 6.5 करोड़ है. यह संख्या अब काफ़ी बढ़ गई होगी.यह वह आबादी है जो सबसे कम प्रदूषण बढ़ाती है. यह वास्तव में शहर की रीढ़ है, जो शहर को सस्ता और सुलभ श्रम प्रदान करती है. प्रायः कहा जाता है कि बाहर से आने वाले प्रवासी ऐसी जगहों पर अतिक्रमण करते हैं, जिससे नदियों का एक हिस्सा अतिक्रमण का शिकार होता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> बरसात के मौसम में, गंदे पानी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कई लोगों में त्वचा रोग हो जाते हैं. हर साल की तरह इस साल भी मॉनसून की शुरुआत के साथ अनेक शहर भारी बारिश के बाद पानी में डूब गए. कुछ ही दिन पहले वही शहर तीव्र लू की चपेट में आ गए थे, जिसने 100 से अधिक लोगों की जान ले ली थी.

बुलडोजर-न्याय और राजनीति के पेचोखम

• सामयिकी

प्रमोद जोशी

बुलडोजर-न्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी से पहली नज़र में लगता है कि इससे तुरत-न्याय की राजनीति को धक्का लगेगा. पर इस बात के सभी पहलुओं पर विचार करने का समय भी अब आ गया है. कानूनी प्रक्रिया में कोई झोल है, तो उसे ठीक भी होना चाहिए. जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने विभिन्न राज्यों में 'बुलडोजर एक्शन' को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा कि कोई व्यक्ति दोषी है, तब भी उसके घर को गिराया नहीं जा सकता. सुप्रीमकोर्ट के इस हस्तक्षेप से उन लोगों की आस बढ़ी है, जिनके घर गिराए गए हैं. अदालत ने भविष्य में इस किस्म की तोड़फोड़ को लेकर गाइडलाइन बनाने का वायदा भी किया है.क्या वास्तव में सरकारें किसी कानूनी-प्रक्रिया को अपनाए बगैर तोड़फोड़ कर रही हैं? या तथ्य कुछ और हैं? ऐसे ही सवाल हिंसा के दौरान नष्ट हुई सार्वजनिक संपत्ति को लेकर भी हैं. अदालत को देखना होगा कि उसकी भरपाई कौन करेगा? अब जब फोटोग्राफी एक-एक चेहरे की पहचान बताने लगी है, तब अपराधियों को सजा कैसे मिलेगी? उत्तर प्रदेश राज्य की ओर से देश के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, जो हुआ, वह नियमानुसार है. याचिकाकर्ता मामले को अदालत के सामने गलत ढंग से रख रहे हैं. नोटिस बहुत पहले जारी किए गए थे, ये लोग पेश नहीं हुए.जस्टिस गवई ने कहा, निर्माण अनधिकृत हैं, तब भी यह काम कानून के अनुसार होना चाहिए. बहरहाल यह भी साफ है कि सरकार के रेडार पर अनियमितताओं का लेखा-जोखा है, पर कार्रवाई तभी होती है, जब कोई वजह हो. ईडी, सीबीआई और बुलडोज़र सब इस बात के सबूत हैं कि जिनपर कार्रवाई होती है, उनके काम में कोई न कोई गड़बड़ी भी होती है. इस बात का महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक है. उत्तर प्रदेश ने बुलडोजर 'न्याय' को राजनीतिक मसला बनाया. विरोधियों ने भी उसका विरोध किया, क्योंकि ऐसी कार्रवाई अल्पसंख्यकों पर ज्यादा हुई है. दिल्ली में शाहीनबाग आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के समानांतर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी हिंसा हुई थी. उस वक्त सवाल था कि ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान फसादों के पीछे क्या कोई राजनीतिक साजिश है? शाहीनबाग में लंबे समय तक सड़क घिरने और फिर किसान आंदोलन के दौरान 26 जनवरी को दिल्ली में हुए उत्पात ने भी इन सवालों को जन्म दिया था. उन्हीं दिनों उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति की क्षतिपूर्ति के नोटिस दिए थे. बाद में बुलडोजर कार्रवाइयां भी हुईं. ऐसी तोड़फोड़ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी हुई है.इस साल हुए लोकसभा चुनाव में कुछ प्रत्याशियों ने 'बुलडोजर' को अपनी राजनीति का रूपक बनाकर पेश किया था. बुलडोजर का भी एक वोटबैंक है. दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश में 'बुलडोजर न्याय' की कोई जगह नहीं है. अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाना बेहद परेशान करता है. उनकी यह टिप्पणी मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में शामिल एक व्यक्ति के घर को ध्वस्त किए जाने के बाद आई थी. दोनों बातों के संदर्भ राजनीतिक ज्यादा है, न्यायिक कम. बात बुलडोजर-न्याय तक सीमित नहीं है. न्याय में विलंब को लेकर भी सवाल हैं. अदालत की टिप्पणी के एक दिन पहले ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में 'स्थगन की संस्कृति' को बदलने की जरूरत है. जिस कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही थी, उसमें उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ भी मौजूद थे. इसके पहले राष्ट्रपति ने कोलकाता के बलात्कार कांड के संदर्भ में कहा था, 'अब बहुत हो गया.' भले ही यह बात राजनीति के गलियारों में जाकर उलझ गई है, पर यह केवल राजनीति तक सीमित नहीं है. दिसंबर 2012 में दिल्ली में बलात्कार की घटना के बाद जनता का गुस्सा फूटा था. उसके बाद दिसंबर 2019 में हैदराबाद में एक बलात्कार के बाद पुलिस की गोली से चारों अभियुक्त मारे गए. आमतौर पर एनकाउंटरों को जनता स्वीकार नहीं करती, पर हैदराबाद में पुलिस की गोली से अभियुक्तों की मौत पर बड़ी संख्या में लोगों ने कहा, जो हुआ वह ठीक हुआ. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> अदालत को देखना होगा कि उसकी भरपाई कौन करेगा? अब जब फोटोग्राफी एक-एक चेहरे की पहचान बताने लगी है, तब अपराधियों को सजा कैसे मिलेगी? उत्तर प्रदेश राज्य की ओर से देश के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, जो हुआ, वह नियमानुसार है. याचिकाकर्ता मामले को अदालत के सामने गलत ढंग से रख रहे हैं.

मीडिया में अन्यत्र

महिला सुरक्षा के व्यावहारिक कदम जरूरी

पश्चिम बंगाल विधान सभा ने सर्वसम्मति से एक कानून पारित कर दिया है, जिसमें बलात्कार की अधिकांश श्रेणियों में मौत की सजा देने का प्रावधान है. सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने पिछले महीने राज्य के एक सरकारी अस्पताल आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद जिस तरह की ढिलाई बरती थी, उसके बाद यह कानून खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिश ही नजर आता है.अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, 2024 के माध्यम से केंद्रीय आपराधिक कानूनों और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से संरक्षण (पोक्सो) के अंतर्गत आने वाली बलात्कार की विभिन्न श्रेणियों में कैद या कठोर दंड के बजाय सजा-ए-मौत का प्रावधान किया गया है.सरकार की विश्वसनीयता सामने लाने के उत्साह में यह कानून ऐसे प्रचुर प्रमाणों की अनदेखी कर देता है कि मौत की सजा बलात्कार समेत किसी भी तरह के घृणित अपराध के खिलाफ प्रतिरोधक का काम नहीं करती. यह बात 2012 में न्यायमूर्ति जे एस वर्मा समिति भी जोर देकर कह चुकी है.अपराजिता विधेयक में जो अतिवादी रुख अपनाया गया है उसमें तथा अन्य राज्य सरकारों द्वारा पारित ऐसे ही अन्य कानूनों में यौन हमलों जैसे अपराधों की मूल प्रकृति की सही समझ नहीं होना ही सामने आता है. जैसा कि वर्मा समिति ने कहा था, बलात्कार केवल जुनून में किया गया अपराध नहीं है, बल्कि वह एक किस्म का शक्ति प्रदर्शन भी है.कानून की किताबों में बलात्कार तथा महिलाओं के विरुद्ध अन्य अपराधों मसलन दहेज हत्याओं आदि को लेकर दंड के प्रावधानों की कोई कमी नहीं है. परंतु भारतीय समाज में इस अपराध का इतना अधिक घटित होना यह दर्शाता है कि हमारे यहां शक्ति संतुलन बहुत अधिक असमान है और यही वजह है कि महिलाएं घरों में, सार्वजनिक स्थानों पर और कार्यस्थलों पर कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं.इससे पता चलता है कि महिला सुरक्षा के लिए व्यावहारिक कदम उठाने पर भी राज्यों को ध्यान देना चाहिए और इसमें उनकी अहम भूमिका है. इसमें कार्यस्थल पर उनके लिए अलग शौचालय और रेस्टरूम, खासकर छोटे और मझोले आकार की कामकाजी जगहों पर, रात की पाली में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सार्वजनिक परिवहन में उनके लिए सुरक्षा (दिल्ली मेट्रो इसका एक अच्छा उदाहरण पेश करती है) आदि पर ध्यान देना जरूरी है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

रण/रन

बचपन में मूर्धन्य कवि श्याम नारायण पाण्डेय की यह कविता पढ़ी थी-रण बीच चौकड़ी भर-भर कर चेतक बन गया निराला था, राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था. इन पंक्तियों में कवि ने भारतीय इतिहास के महानायक राणा प्रताप के चेतक नाम के घोड़े के युद्ध कौशल का मनोरम चित्र खींचा है. चेतक को अपना युद्ध कौशल दिखाने का अवसर रण ही था. रण संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मूल अर्थ है युद्ध. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार रण शब्द का मतलब लड़ाई और जंग तो होता ही है, उसका आशय गति और शब्द भी होता है. रण शब्द अनेक शब्दों का जनक है. उदाहरण के लिए रणक्षेत्र युद्ध की भूमि या लड़ाई के मैदान के रूप में जाना जाता है. पुराणों के अनुसार रणचंडी उस देवी को कहते हैं, जो युद्ध क्षेत्र में मार-काट करती है और दानवों का संहार करती है. उस देवी को हम महाकाली के नाम से जानते हैं. रणछोड़ भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम है, जिसका मतलब है युद्ध छोड़ कर भागने वाला व्यक्ति, मैदान छोड़ने वाला. पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने कालयौवन नामक एक दैत्य से युद्ध करते समय मैदान छोड़ कर भाग गये थे और पहाड़ की उस गुफा में जा छुपे थे, जहां राजा मांधाता के पुत्र मुचुकुंद लंबी निद्रा में सो रहे थे. उन्हें वरदान था कि जो उन्हें जगायेगा, वह भस्म हो जाएगा. काल यौवन श्रीकृष्ण का पीछा करते हुए उसी गुफा में आ पहुंचा और मुचुकुंद को श्रीकृष्ण समझ कर अपने पैर से प्रहार कर दिया. मुचुकुंद की नींद टूटी. उन्होंने उसे देखा और वह भस्म हो गया. रणनीति का मतलब युद्ध संबंधी नीति नियम, किसी कार्य को करने के लिए बनायी जानेवाली योजना, कूटनीति उपाय, युक्ति है. रन अंग्रेजी मूल का शब्द है. इसका मतलब है दौड़ना, ताल, झील. रन शब्द क्रिकेट प्रेमियों के लिए अत्यंत प्रिय है. क्रिकेट में बल्लेबाज द्वारा एक विकेट से दूसरे विकेट तक बिना बहिर्गत हुए दौड़ लगाना रन कहलाता है.किसी क्रिकेट प्रेमी को रन-आउट का मतलब समझाने की जरूरत नहीं होती.

दैहिक ताप मिटाने के कुछ आसान नुस्खे

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

सरकार चिंतित थी. ऐसा क्या करे जिससे देश में जल्दी आधुनिक रामराज्य आ जाये. रामराज्य से उनका आशय था कि जीडीपी तीव्र गति से आसमान की ओर भागे. सेन्सेक्स जिस तेजी से उछल रहा है, उससे दुगुने रफ्तार से तिगुनी ऊंचाई तक कूदे. कानूनों का जंगल साफ हो जाये, ताकि पूंजीपतियों को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो. दैहिक, दैविक, भौतिक किसी भी प्रकार की पीड़ा किसी उद्योगपति, व्यापारी या पूंजी निवेशक को न हो. जनता आंखें बंद करके विश्वास करे और दूसरी किसी भी पार्टी को वोट न दे. फिर कोई शम्बुक जाकर तपस्या न करने लगे. उन्होंने श्रीमान तुलसीकुमार की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया, जिसने तीन महीने तक पांच सितारा होटलों में मीटिंग और दो बार यु एस ए की एकेडमिक विजिट करने के उपरांत निम्नलिखित सिफारिशें कीं. रामराज्य जैसा कि जाहिर है कि राम का ही राज्य था. रामराज्य के संदर्भ में तुलसीदास जी के ग्रंथों का हमने घनघोर अध्ययन किया और पाया कि देश के विकास के लिए उनके मॉडल को ही लागू करना श्रेयस्कर होगा. हमने उनकी कविताओं का पाठ किया और विद्वानों से वार्त्ताएं कीं. स्पष्ट है कि विद्वानों से वार्त्ताएं करने के उपरांत हम और अधिक कनफ्युज्ड हो गये. गुरत्वकर्षण के सिद्धांत की तरह यह भी अटल सत्य है कि एक विद्वान दूसरे के मत को नहीं मानता. कनफूजन की स्थिति में हमने अपने निष्कर्ष निकाले और तय समय सीमा के भीतर ही अपनी रिपोर्ट सबमिट कर रहे हैं. तुलसीदास जी लिखते हैं- दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज्य काहू नहीं व्यापा.. दैहिक ताप का अर्थ है कि उन दिनों स्वाइन फ्लू जैसे बुखार नहीं हुआ करते थे. मुर्गे-मुर्गियां होती थीं या नहीं, इन पर तो कवि ने प्रकाश नहीं डाला है. स्वाइन फ्लू नहीं होने से सरकारें बदनाम नहीं होती थीं. सरकारी अस्पतालों पर ताला लगे तो लगे, प्रश्न चिन्ह नहीं लगते थे. सरकारी दवाइयों की पोल नहीं खुलती थी. डेंगू बुखार भी उन दिनों नहीं पाया जाता था क्योंकि लोगों के पास फ्रिज नहीं थे. उनमें साफ पानी नहीं जमा होता था. साफ पानी भी कई अर्थों में बीमारी के कारण है. चूंकि उन दिनों गणेश जी चूहे की सवारी किया करते थे, इसलिए संसार भर के चूहे सभ्य और सुसंस्कृत थे. प्लेग इन्हीं कारणों से नहीं फैलता था. सरकार की वाहवाही होती रहती थी. जनता चूहों की पूजा किया करती थी. चूहे प्रसन्न रहते थे. आज लोग सांप की पूजा तो करते हैं, चूहों की अनदेखी हो रही है. अतः प्लेग जैसी बीमारियों फैल रही हैं. आवश्यक है कि चूहों का संरक्षण किया जाये. उन्हें कुतरने और खाने की आजादी दी जाये. नागपंचमी की तर्ज पर एक चूहा सप्तमी भी हो, ताकि चूहे संतुष्ट हो जायें और प्लेग न फैले.

Her Story

ऐसे खुलेगी राह

सारिका भूषण

आज इक्कीसवीं सदी में हम बहुत आगे निकल चुके हैं. आगे निकलना यानी संकीर्ण मानसिकता को पीछे छोड़ते हुए स्वावलंबी होना. किसी भी समाज में जेंडर इक्वालिटी या लैंगिक समानता तभी हो सकती है जब स्त्री और पुरुष दोनों पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर रहेंगे. जिस दिन लड़कियां अपने पूर्ण अधिकार और स्वावलंबी होने का महत्व समझ लेंगी उसी दिन से उनकी स्थिति में बदलाव शुरू हो जाएगा. आज हर क्षेत्र में लड़कियां अपना परचम लहरा रही हैं परंतु आज भी अपने घर, जमीन और समाज में समान अधिकारों से वंचित है. शिक्षित, आत्मनिर्भर और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर ही प्रगति और बदलाव संभव है.

संचिता मुखोपाध्याय

लैंगिक समानता हासिल करने के लिए हमें सबसे पहले अपनी मानसिकता बदलनी होगी. यह काम या यह जिम्मेदारी महिलाओं के लिए अनुकूल नहीं है, यह सोच बदलनी होगी. हमें लड़कियों को एक ऐसा सशक्ति वातावरण भी देना होगा जहां उनका शारीरिक और मानसिक रूप से सही तरीके से विकास हो सके. माता-पिता की सोच में बेटे-बेटियों के लिए समानता बहुत मायने रखता है. सामाजिक रुढ़ियों से परे संतान की परवरिश बेहतर परिणाम दिखाएगी.

डॉ उर्वशी

लोगों को लैंगिक समानता के महत्व के बारे में शिक्षित करना और उन्हें जागरूक करना होगा. महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर प्रदान करना होगा, जैसे कि शिक्षा, रोजगार, और आर्थिक स्वतंत्रता. लिंग-भेदभाव को खत्म करने के लिए कानूनी और सामाजिक प्रयास मायने रखता है. महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्हें आर्थिक, सामाजिक, और राजनीतिक अधिकार प्रदान करना होगा. पितृसत्ता को चुनौती देने के लिए समाज में बदलाव लाने के लिए काम करना होगा. लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाने और लागू करने के लिए सरकार और संगठनों के साथ काम करना होगा. इन सबके साथ व्यक्तिगत स्तर पर बदलाव लाने के लिए अपने विचारों और व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है.

डॉ कविता विकास

संगठित क्षेत्र हो या असंगठित, समान कार्य - समान वेतन का प्रावधान होते हुए भी यह नियम लागू नहीं होता है. शारीरिक क्षमता हो या मानसिक स्तर, औरतें कहीं भी पुरुष से कम नहीं हैं. उच्च पद पर बैठी महिलाएं इसका उदाहरण हैं. लिंगाधारित भेदभाव जब तक नहीं समाप्त होंगे, हम एक विकसित भारत और स्वस्थ मानसिकता वाले समाज की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं. कृषि, उद्योग, अंतरिक्ष या खेल-कूद, कहीं भी देख लें, पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली महिलाएं कम वेतन क्यों लें? यह तो उनका अपमान है जो मानसिक कुंठा पैदा करता है. अन्ततः लिंगों के बीच यह खाई देश की उन्नति में बाधक होती है. इसलिए संविधान द्वारा पारित इस सुविधा को लागू करने में देरी नहीं करनी चाहिए.

विमर्श

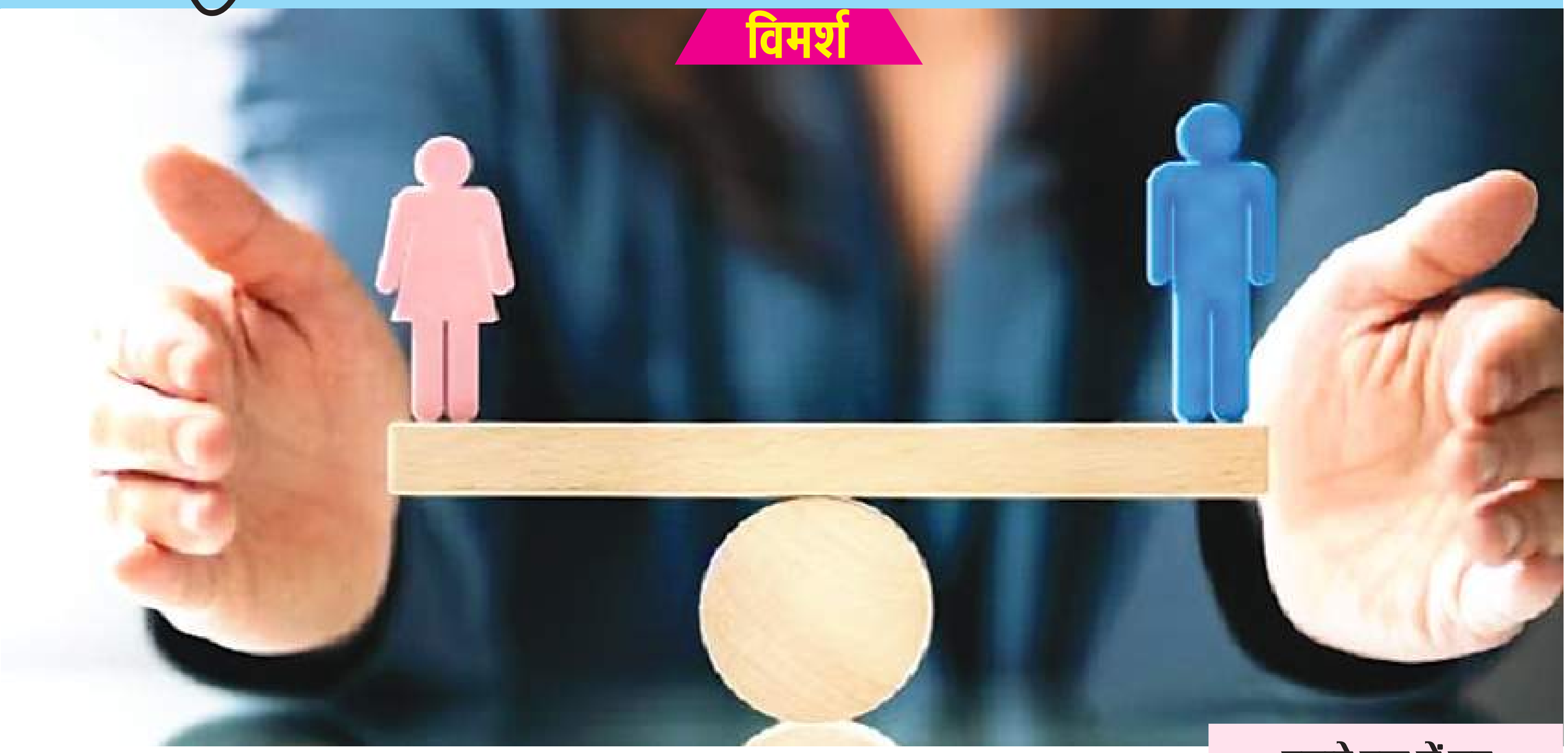

आखिर कब हासिल होगी पूरी समानता

लैंगिक समानता विकास और खुशहाली की पहली सीढ़ी है. यह एक बेहतर और समर्थ समाज की जरूरत है. सभ्य समाज की पहचान है. पर यह भी उतना ही बड़ा सच है कि लंबे संघर्ष के बाद भी महिला पुरुषों के बीच समानता का स्तर नहीं नजर आता. समाज में सदियों से चली आ रही पुरुषवादी सोच, पूर्वधारणाएं, परवरिश के तौर तरीके, मिथक आदि ने महिलाओं को कमतर समझने की ऐसी परिपाटी चला दी है कि कई बार हम महिलाएं ही अपने दोयम दर्जे का अहसास-विरोध नहीं कर पातीं. कई बार जाने अनजाने खुद उस व्यवस्था को पोषित पल्लवित कर देती हैं जो हमें समानता के स्तर पर आने से रोकती है. हालांकि बदलाव की बयार दिखती है और निरंतर महिलाएं आगे बढ़ रही हैं, पर दरकार है थोड़ी अधिक जानकारी की, जरा सी अधिक सजगता की और कुछ दुरुस्त कदम की, ताकि हम समानता के अपने अधिकार को वास्तविक धरातल पर पा सकें.

लक्ष्मी का ही नहीं है खेत और घर पर मालिकाना हक

भारतीय समाज में महिलाओं को लक्ष्मी स्वरूपा माना गया है. उन्हें श्री समृद्धि का प्रतीक बताया गया. लेकिन धरातल पर समानता का अधिकार कई बार विलुप्त सा दिखता है. अपने समाज में महिलाएं तभी तक देवी हैं जब तक पुरुषों के बनाए नियम कानून पर खामोश कठपुतली की तरह डोलती हैं. जहां मन की कुछ की, उसे राक्षसी और डायन करार देते देर नहीं लगती. बदचलन का पुराना आजमाया हुआ आरोप लगा कर अलग थलग कर दिया जाता. गर वास्तिक धरातल पर महिलाओं को बराबर का हक दिया जाए तो देश की समृद्धि में इजाफा हो सकता है. ऐसा हम नहीं, बल्कि आईएमएफ का संकेत कह रहा. आईएमएफ के एक अनुमान के अनुसार अगर महिलाओं के साथ भेदभाव नहीं किया जाए तो भारत की जीडीपी में वर्ष 2025 तक 700 बिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हो जाएगा. अभी आलम यह है कि अपने देश में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले आधे से अधिक श्रम अवैतनिक हैं. खेती से जुड़े 40 प्रतिशत काम बेशक उनके हिस्से हैं पर खेत पर मालिकाना हक दस प्रतिशत का आंकड़ा भी नहीं छू पा रहा. इस संदर्भ में उल्लेख करना चाहूंगी कि झारखंड की पिछली सरकार ने एक रुपए में संपत्ति की रजिस्ट्री की पहल की थी जिसके बाद करीब 70 प्रतिशत मकान/जमीन महिलाओं के नाम रजिस्ट्री होने लगी थी. महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक बड़ा कदम था. पैतृक संपत्ति में बेटियों के हक संबंधित कानून से जितना लाभ नहीं हुआ होगा, उतना लाभ महिलाओं के नाम एक रुपए में जमीन मकान रजिस्ट्री वाले स्कीम से होता दिखा. पर बाद की सरकार ने राजस्व में घाटा का हवाला देकर इसे खत्म करा दिया. अब झारखंड मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना सरीखी कुछ योजनाएं महिलाओं की वित्तीय सहायता के लिए बेशक शुरू हुई है, पर मकान/जमीन पर मालिकाना हक के लिए एक बार फिर पुरानी योजना पर भी विचार किया जाना चाहिए.

वापस आ रहीं हमारी टॉपर बेटियां

शिक्षा में बेटियां नाम रोशन कर रहीं. सीबीएसई की 12वीं परीक्षा में लड़कियों के पास होने का प्रतिशत लड़कों से अधिक रहता है. लड़कों से करीब दस प्रतिशत ज्यादा लड़कियां पास होती हैं. पर यह आंकड़ा हाईस्कूल और 12वीं के बाद जाने कहां गायब हो जाता है. समानता की बात तो दूर, बमुश्किल अपनी उपस्थिति दर्ज कराती दिखती हैं बेटियां. आईआईटी प्रवेश परीक्षा में पिछले कुछ साल से बेटियों की सहभागिता व सफलता बेहद निराशाजनक थीं. पर सरकार के कोटा तय करने जैसे कदम के बाद एक सुखद बदलाव दिख रहा है. आईआईटी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में 847 और वर्ष 2017 में 995 छात्राओं ने प्रवेश लिया था. वर्ष 2018 में सुपरन्यूमेरी सीटों सहित 1852 छात्राओं ने प्रवेश लिया, वर्ष 2019 में 2432, वर्ष 2020 में 3197, वर्ष 2021 में 3228, वर्ष 2022 में 3310, वर्ष 2023 में 3411 छात्राओं ने आईआईटी में प्रवेश लिया. कुछ ऐसा ही बदलाव यूपीएससी के परीक्षा परिणाम में नजर आ रहा. पिछले कुछ वर्षों में महिला भर्तियों की संख्या में वृद्धि हुई है - 2022 में 34%, 2021 में 25.8%, 2020 में 28.5% और 2019 में 23.9%. वर्ष 2023 के परिणाम की बात करें तो यूपीएससी ने 1016 सफल उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी की जिसमें 664 पुरुष और 352 महिलाएं शामिल हैं.

लगातार कम हो रहीं कामकाजी महिलाएं

एक बड़ा कड़वा सच यह भी है कामकाजी महिलाओं की संख्या में लगातार कमी आ रही है. अभी भी शादी के बाद जिम्मेदारियों में उलझी महिलाएं करियर दरकिनार कर देती हैं. विश्व बैंक के मुताबिक, ₹भारत में औपचारिक और अनौपचारिक कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी साल 2005 में 27 फीसद थी लेकिन 2021 में यह घटकर 23 फीसद ही रह गई. कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में गिरावट चिंता का कारण है और यह अर्थव्यवस्था के संकट से जुड़ा है. वहीं समाजशास्त्रियों के लिए एक पहेली की तरह है कि शिक्षा में निरंतर बढ़ते आंकड़ों के बावजूद कामकाजी महिलाओं की संख्या में लगातार कमी क्यों आ रही है. दरकार है सरकारी स्तर पर इस समस्या का सामधान ढूंढने की. वे प्रतिभाएं जो चूल्हे-चौके के धुएं में कहीं गुम हो जाती हैं, देश-समाज की बेहतरी में अपना योगदान दे सकेंगी.

बहरहाल, चुनौतियां बहुत हैं. इन चुनौतियों को पल्ल्वित-पुष्पित करने के लिए पूरी व्यवस्था तैनात दिखती है. पुरुष पर हमारी आर्थिक निर्भरता इसका एक बड़ा कारण है. परंपरागत ढर्रे में मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा एक अन्य बड़ा कारण है. लेकिन यदि आज हम लैंगिक समानता के लिए कमर नहीं कसेंगे, आने वाला कल यकीनन हमसे सवाल करेगा. बेटियां ही नहीं, बेटों के लिए भी जरूरी है यह, दोनों पहिए समान गति से चलेंगे तभी तो रवानी में लय होगी.

हमारे हक में यह

- समान वेतन अधिकार के तहत आय या मेहनताना देने में लिंग का भेदभाव नहीं किया जा सकता. यानी किसी भी कामकाजी महिला को उस पद पर कार्यरत पुरुष के बराबर वेतन लेने का अधिकार है.
- मातृत्व लाभ कानून के तहत कामकाजी महिला के मां बनने की स्थिति में कार्यालय से 6 माह की छुट्टी लेने का अधिकार है. मैटरनिटी लीव या गर्भावस्था के दौरान छुट्टी लेने पर कंपनी महिला कर्मचारी के वेतन में कोई कटौती नहीं कर सकती. कामकाजी गर्भवती महिला को नौकरी से भी नहीं निकाला जाएगा.
- हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत पिता की संपत्ति या पुस्तैनी संपत्ति पर बेटे और बेटी दोनों का समानता का अधिकार है.
- किसी महिला आरोपी को सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं किया जा सकता. हालांकि फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट के आदेश पर गिफ्तारी सम्भव है. इसके अलावा महिला से पूछताछ के दौरान महिला कांस्टेबल का होना जरूरी है.
- पहचान जाहिर न करने का अधिकार है. इसके तहत अगर कोई महिला यौन उत्पीड़न का शिकार है तो वह अपनी पहचान गोपनीय रख सकती है और अकेले जिला मजिस्ट्रेट व किसी महिला पुलिस अधिकारी के मौजूदगी में बयान दर्ज करा सकती है.
- सेना में कमीशन और कमांड में महिलाओं की नियुक्ति का आदेश दिया.
- वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम समाज के एक वर्ग की महिलाओं के खतना पर प्रतिबंध लगाते हुए इसे असंवैधानिक करार दिया.
- मद्रास हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए कहा कि एकल मां बच्चे के जन्म पंजीकरण, स्कूल में नामांकन या अन्य दस्तावेजों के लिए पिता का नाम बताने के लिए बाध्य नहीं है.
- तीन तलाक पर कानूनी रोक लगी. मौखिक, लिखित या किसी अन्य तरीके से पति एक बार में गर पत्नी को तीन तलाक देता है तो यह अपराध की श्रेणी में आएगा. तीन तलाक देने पर पत्नी सा स्वयं उसके करीबी रिश्तेदार ही इस बारे में केस दर्ज करा सकेंगे.

बेकार सीडी से बनाएं, शानदार कोस्टर

त्योहार की दस्तक है और मूड घर की सजावट का बन रहा है. ऐसे में क्यों न घर में बेकार पड़ी सीडी और पुराने कपड़ों से कोस्टर सेट तैयार करें? इससे जहां एक ओर आपकी छिपी प्रतिभा, आपकी कला सामने आएगी, वहीं किचन, लिविंग रूम, डाइनिंग टेबल, ऑफिस या गेस्ट रूम में रखने के लिए ढेर सारे कोस्टर तैयार हो जाएंगे. इनका उपयोग टी-कॉफी और गिलास रखने के तौर पर किया जा सकेगा. तो आइए, जाने कि कैसे झटपट बनाएं टी कोस्टर...

पुरानी खराब सीडी या डीवीडी
रंगीन कपड़े (पुरानी जींस, टी-शर्ट, कुर्ती आदि के)
सेंड पेपर
वाइट स्प्रे प्राइमर
गोंद या फेविकॉल
कैंची या कटर

ऐसे बनाएं
सबसे पहले सीडी के सूचना लिखे साइड को सेंड पेपर से साफ करें ताकि यह क्लीन हो जाए. अब इस पर प्राइमर का एक कोट स्प्रे करें और इसको थोड़ी देर सूखने दें. जब प्राइमर अच्छी तरह से सूख जाए तो उस पर एक ओर कोट स्प्रे करें ताकि प्राइमर अच्छी तरह से कोटेड हो जाए.
सीडी साइट से कुछ छोटे सर्कल में कपड़े काट लें.
अब कपड़े को सीडी पर फेविकोल लगा कर चिपकाएं. ध्यान रखें कि किसी तरह की सलवट नहीं आए.

चटखारा

झटपट तैयार करें ये पारंपरिक मीठे

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा. ऐसे में भोग लगाने, मुंह मीठा करने या मेहमानों को परोसने के कई अवसर सामने आते हैं. कुकरी विशेषज्ञ रानी प्रसाद बता रही हैं कुछ पारंपरिक व्यंजनों को झटपट बनाने के तरीके...

इंस्टेंट अनरसा

ये चाहिए :
चावल का आटा एक कप, पानी एक कप, चीनी आधा कप, तिल 50 ग्राम, खोवा 50 ग्राम, रिफाइंड आयल 1 कप.

ऐसे बनाएं :
सबसे पहले एक कड़ाही में एक कप पानी और आधा कप चीनी डाल कर चीनी के घुलने तक उसे पकाएंगे. अब इसमें धीरे-धीरे चावल का आटा डालते जाएंगे और उसे पानी सूखने तक धीमी आंच पर पका लेंगे. जब पानी बिल्कुल सूख जाए तब इसे चूल्हे से उतरकर थोड़ा ठंडा होने देंगे. इसे पूरी तरीके से ठंडा नहीं करना है. जब यह हल्का गर्म रहे इस समय इसमें एक चम्मच शुद्ध घी डालकर हाथों से अच्छी तरीके से चिकना गूथ लेंगे. इसके बाद इसमें खोवा डालकर फिर अच्छी तरीके से गूथ लेंगे. जब यह पूरी तरीके से आपस में मिक्स हो जाए तब इसके छोटे-छोटे गोले बनाएंगे और हल्का पानी लगाकर उसे तिल में लपेट देंगे. तत्पश्चात चूल्हे पर एक कड़ाही चढ़ाएंगे और उसमें रिफाइंड ऑयल डालेंगे. धीमी आंच पर इन अनरसे को फ्राई करेंगे जब तक यह ऊपर से क्रिस्प ना हो जाए. अनरसे से खाने के लिए तैयार हैं.

इंस्टेंट मोतीचूर के लड्डू

ये चाहिए :
बेसन एक कप, चीनी एक कप, इलायची पाउडर एक टीस्पून, मगज के बीज दो टेबल स्पून, फ्राई करने के लिए रिफाइंड ऑयल.

ऐसे बनाएं :
सर्वप्रथम बेसन को पानी में घोल दें. इसमें थोड़ा सा रंग के लिए हल्दी पाउडर मिला दें. बेसन का घोल गाढ़ा नहीं होना चाहिए, पतला ही होना चाहिए. पर बहुत ज्यादा पतला भी नहीं. अब एक कढाई में रिफाइंड तेल गर्म करें. बेसन के घोल को गर्म रिफाइंड में हाथ से छिड़कते हुए कुरकुरा छान लें. इसमें कोई शेप नहीं देखना है. बस हाथों से जैसा बेसन निकलता है, वैसा ही कढ़ाई में डालते जाना है. जब यह सारे बेसन छान लें तो इन्हें ठंडा कर लेना है. मिक्सी के जार में दरदरा पीस लेना है.
अब हमें एक दूसरी कढ़ाई लेनी है जिसमें एक कप चीनी और आधा कप पानी डालकर चूल्हे पर चीनी के गलने तक पकाना है. हमें चीनी की चासनी में कोई तार नहीं बनानी है. बस हल्की चिपचिपाहट आनी चाहिए. इसमें इलायची पाउडर भी डाल दें और टेस्ट के लिए गुलाब जल भी डाल सकते हैं. जब यह चासनी तैयार हो जाए तो इसमें पिसे हुए बेसन को मिलाकर तब तक चलना है जब तक सारा पानी सूख न जाए. पानी भी बहुत ज्यादा नहीं सुखाना है. जब पानी सूख जाए तब हमें गैस का फ्लेम ऑफ कर देना है और इसे गैस से उतार कर नीचे रखकर ढक कर 10 से 15 मिनट के लिए छोड़ देना है. 15 मिनट के बाद इस मिक्सचर को करछी के मदद से चला लें और इसमें मगज के दाने मिला दें. जब यह थोड़ा ठंडा हो जाए तब इसे लड्डू का आकार दे दें. स्वादिष्ट मोतीचूर के लड्डू तैयार हैं.

बड़े काम के किचन टिप्स

- टमाटर पेस्ट फ्रिज में तैयार रखेंगे तो सब्जी झटपट बनेगी. इसके लिए एक किलो टमाटर को आधा गिलास पानी के साथ दो सीटी कुकर में लगाएं. ठंडा होने पर टमाटर को निकालकर मिक्सी में 50-50 ग्राम अदरक-लहसुन के साथ पीस लें. इस पेस्ट को मोटे छलनी से छान लें और कुकर के पानी में मिला दें. स्वादानुसार नमक मिलाएं. गैस पर कम से कम 20 मिनट तक पकाएं. ठंडा होने पर एयर टाइट डिब्बे में रख कर फ्रिज में रख दें. 20 दिन तक सब्जी की ग्रेवी के लिए इस्तेमाल करें.
- सूखी लाल मिर्च पीसते वक्त के धसक से बचने के लिए मिर्च को धूप में कुछ देर रखें और फिर इसे 1 छोटा चम्मच नमक और 1 बड़ा चम्मच सरसों के तेल के साथ पीस लें.
- आलू उबालते समय उसमें नमक और एक नींबू का टुकड़ा डालकर सीटी लगवाएं. इस टिप्स से जहां छिलका जल्दी निकलेगा, वहीं कुकर अंदर से काला भी नहीं पड़ेगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एयरपोर्ट पर सैकड़ों समर्थकों ने फूल-मालाओं और मिठाइयों के साथ अगुवाई की, सुमित अंतिल ने कहा, इस भव्य स्वागत के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद

पेरिस से स्वदेश लौटने पर पैरालंपिक पदक विजेताओं का शानदार स्वागत

एजेंसी। नयी दिल्ली

पेरिस में हाल ही में संपन्न हुए पैरालंपिक खेलों में 29 पदक जीतने वाले भारत के पैरालंपिक पदक विजेताओं का मंगलवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैकड़ों समर्थकों ने फूल-मालाओं और मिठाइयों के साथ जोरदार स्वागत किया. सुबह जब खिलाड़ी हवाई अड्डे से बाहर निकले तो ढोल की थाप और जयघोष के साथ उनका स्वागत किया गया. समर्थक, खेल प्रशासक और परिवार के लोग खिलाड़ियों का स्वागत करने पहुंचे. भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा, इस भव्य स्वागत के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद. सुमित ने 70.59 मीटर के प्रयास के साथ खेलों का अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर एफ64 श्रेणी में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता. वह मौजूदा विश्व चैंपियन निशानेबाज अवनि लेखरा के बाद पैरालंपिक खिताब का बचाव करने वाला दूसरा भारतीय खिलाड़ी बना. अवनि ने टोक्यो खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद पेरिस खेलों में भी इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वह अपनी स्पर्धाएं पूरी करने के बाद पिछले सप्ताह देश लौटी थीं. अंतिल ने 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घुटने के नीचे अपना बायां पैर खो दिया था. दुर्घटना से पहले वह सक्षम खिलाड़ियों के वर्ग में पहलवान थे. दुर्घटना के बाद घुटने के नीचे उनका पैर काटना पड़ा था.

अंतिल ने कहा, जब आप अच्छी तरह से तैयारी करते हैं, तो आप अपने आप ही आत्मविश्वास महसूस करते हैं. मैं जल्द ही 75 मीटर का आंकड़ा पार करने की कोशिश करूंगा. मैंने कुछ दिनों से चाय नहीं पी है, मैं अपने परिवार के साथ चाय पीना चाहूंगा. पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी कर रहे तीरंदाज हरविंदर सिंह स्वागत से अभिभूत थे. बचपन में डेंगू के उपचार के दुष्प्रभावों के कारण उनके पैर खराब हो गए. वह तीन साल पहले टोक्यो में कांस्य पदक के साथ इस खेल में देश के पहले पदक विजेता बनने के बाद पेरिस में पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बने. उन्होंने कहा, मुझे खुद को व्यस्त रखना पसंद है. इससे मुझे ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, दिमाग कम भटकता है. कोई भी व्यक्ति जो परेशान या हारा हुआ महसूस करता है, वह पैरा खिलाड़ियों से प्रेरणा ले सकता है. समर्थकों ने हरविंदर और साथी तीरंदाज शीतल देवी पर फूलों की वर्षा की। बिना हाथों के पैदा हुई शीतल ने राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम कांस्य पदक जीता जबकि वह व्यक्तिगत पदक से मामूली अंतर से चूक गई थीं.

शीतल ने कहा, मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा मैं बहुत खुश हूं कि भारत ने तीरंदाजी में दो पदक जीते। हमें अच्छा समर्थन मिला और इसीलिए हमने इतने सारे पदक जीते. भारत पदक तालिका में 18वें स्थान पर रहा. अपने छोटे कद के कारण एफ41 वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप को उनके समर्थकों ने उठाया और उनके साथ जश्न मनाया. नवदीप ने 47.32 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता.भारत ने 84 खिलाड़ियों का दल भेजा था, जो खेलों के लिए देश का अब तक का सबसे बड़ा दल था. देश ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण पदक सहित कुल 29 पदक जीते.

शर्मनाक स्थिति : अफगानिस्तान की टीम ने दोबारा ना आने की खाई कसम

दूसरे दिन भी खेल शुरू नहीं हो पाया

अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच नौ सितंबर से टेस्ट मैच शुरू होना था

एजेंसी। नयी दिल्ली

अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट मैच में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, जो पहले शायद ही देखने को मिली हो. इन दोनों के बीच भारत में खेला जाने वाला टेस्ट मैच दूसरे दिन भी शुरू नहीं हो सका. दोनों टीमें खेलने को तैयार हैं. मौसम भी साफ है, लेकिन नोएडा स्टेडियम की खराब तैयारी ने पूरा मैच खराब कर दिया है. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इससे खराब स्थिति शायद ही कभी देखी गई हो, जब दो दिन से बारिश नहीं हुई हो और इसके बावजूद मैदान गीला होने के चलते खेल नहीं हो पा रहा है. अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच नौ सितंबर से टेस्ट मैच प्रस्तावित है. यह मैच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होना है. दोनों टीमें इसके लिए काफी पहले ही नोएडा आ चुकी हैं. लेकिन खेल नहीं हो पा रहा है. दरअसल, मैच शुरू होने के एक दिन पहले यहां बारिश हुई. रात में भी बूंदाबांदी होती रही. लेकिन जिस दिन (सोमवार) मैच शुरू होना था, उस दिन बिलकुल भी बारिश नहीं हुई. कुछ समय बादल जरूर छाए रहे और कुछ समय धूप खिली. लेकिन स्टेडियम की गीली आउटफील्ड और

घटिया जल निकासी के चलते पहले दिन का खेल एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा.

इससे भी ज्यादा शर्मनाक स्थिति तो दूसरे दिन देखने को मिली. मंगलवार को सुबह से ही धूप खिली और मौसम खेलने के लिए एकदम आइडियल था. लेकिन मैदान की तैयारियों ने फिर खेल खराब कर दिया. पिच के आसपास का मैदान इतना गीला था कि खेल हो पाना संभव नहीं था. इसके चलते दूसरे दिन भी बिना एक भी गेंद फेंके लंच ब्रेक ले लिया गया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के एक अधिकारी ने सोमवार को ही कहा था, 'यहां बहुत गड़बड़ी है. हम यहां दोबारा कभी वापस नहीं आएंगे. सभी खिलाड़ी यहां की सुविधाओं से नाखुश हैं. हमने संबंधित लोगों से जब बात की थी तो हमें आश्वासन दिया था कि सारी तैयारी अच्छी है. लेकिन ऐसा बिलकुल भी नहीं है.'

एक भी गेंद नहीं फेंके गए और रद्द हो गए सात टेस्ट मैच

नयी दिल्ली । क्रिकेट के इतिहास में तीनों फॉर्मेट को मिला दें तो कई ऐसे मुकाबले हैं. जो बिना एक भी गेंद फेंके ही खत्म हो गया हो. ऐसे ही टेस्ट मैच को भी रद्द करना पड़ा. ज्यादातर मुकाबले खराब बारिश के कारण रद्द हुए. अब तक कुल सात टेस्ट मैच हैं, जो खराब मौसम के कारण रद्द हुए हैं. इस लिस्ट में भारत का भी एक मैच है. सबसे पहला टेस्ट मैच जो बिना गेंद फेंके ही रद्द हो गया था. वह है इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया का. साल 1890 में ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड दौरे पर गई थी. दौरे का तीसरा टेस्ट बिना गेंद फेंके ही रद्द कर दिया गया था. बारिश के कारण यह मैच रद्द हो गया था. दूसरा मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का ही था. साल 1938 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड दौरे पर गई थी. सीरीज का तीसरा टेस्ट बिना एक भी गेंद फेंके ही रद्द हो गया था.

1938 के बाद से खराब मौसम की वजह से रद्द हुए टेस्ट मैच

1. ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, तीसरा टेस्ट 1971 में
2. न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान, पहला टेस्ट, (1989 में)
3. वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड, दूसरा टेस्ट, (1990 में)
4. पाकिस्तान बनाम जिम्बाब्वे, तीसरा टेस्ट, (1998 में)
5. न्यूजीलैंड बनाम भारत, पहला टेस्ट, (1990 में)

भारतीय टीम के साथ ऐसा वाकया हो चुका है : साल 1990 में भारतीय टीम न्यूजीलैंड दौरे पर गई थी. सीरीज का पहला टेस्ट खराब मौसम की वजह से रद्द हो गया था. भारतीय टीम को इस दौरे पर हार का सामना करना पड़ा था. पहला टेस्ट रद्द होने के बाद दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम ने बाजी मारी थी.

तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था. जिसके बाद न्यूजीलैंड यह सीरीज 1-0 से जीत गया. उस समय भारतीय टीम के कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन थे. सचिन तेंदुलकर, नवजोत सिंह सिद्धू, अनिल कुंबले जैसे दिग्गज भी सीरीज का हिस्सा थे.

विनेश फोगाट के फैसले से खफा हैं चाचा महावीर फोगाट

अब मेरी बेटी संगीता फोगाट करेगी अधूरे काम पूरे : महावीर फोगाट

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्व कुश्ती कोच और विनेश फोगाट के चाचा महावीर फोगाट ने विनेश के राजनीति में प्रवेश करने के फैसले पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी बेटी संगीता फोगाट अब उनके सपने को आगे ले जाएगी. महावीर फोगाट ने लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए अपनी बेटी को तैयार करना शुरू कर दिया है. पिछले शुक्रवार विनेश ने टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया (संगीता के पति) के साथ कांग्रेस में शामिल हो गईं. वो जींद जिले के जुलाना से चुनावी मैदान में उतरेंगी. महावीर फोगाट ने आईएएनएस से कहा, विनेश को लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलना चाहिए था, लेकिन अब वह राजनीति में आ गई हैं. इसलिए हमने संगीता फोगाट को 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करना शुरू कर दिया है. वह भारत के लिए पदक लाएंगी. जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के कारण संगीता राष्ट्रीय चैंपियनशिप से चूक गई थीं. बबीता फोगाट घुटने की परेशानी से जूझ रही हैं, इसलिए उनके मैट पर वापस आने का कोई मतलब नहीं है.

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता ने कहा कि वह विनेश के राजनीति में आने और अगले महीने हरियाणा चुनाव लड़ने के फैसले के खिलाफ हैं. वे चाहते थे कि विनेश 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में हिस्सा लें और भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतें. महावीर फोगाट ने कहा, मैं चाहता था कि विनेश 2028 ओलंपिक के लिए खुद को तैयार करे.

विनेश ने चुनाव लड़ने का जो फैसला किया है, वह पूरी तरह से उनका और उनके पति का है. हम नहीं चाहते थे कि वह राजनीति में आएं. मैं उनके राजनीति में आने के फैसले से खुश नहीं हूं. पूरा देश उम्मीद कर रहा था कि विनेश 2028 में स्वर्ण पदक जीतेगी और मैं भी यही उम्मीद कर रहा था. वह राजनीति में आईं, विधायक या मंत्री भी बन सकती हैं, लेकिन अगर उन्होंने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता होता तो उसे जीवन भर याद रखा जाता. उन्होंने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा पर विनेश फोगाट को राजनीति में लाने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया है. उन्होंने आगे कहा, 2024 ओलंपिक की निराशा से हर कोई निराश था. इसका फायदा उठाने के लिए भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा ने विनेश को राजनीति में धकेल दिया. शुरू में विनेश चुनाव नहीं लड़ना चाहती थीं. विनेश पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की फ्रीस्टाइल 50 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने का मौका काफी करीब से चूक गईं. इसके पीछे वजह रही उनके वेट कैटगरी से उनका 100 ग्राम अधिक वजन. इसलिए उन्हें ओलंपिक फाइनल से डिसक्वालीफाई कर दिया गया. इस तरह बाहर होने के बाद, विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की थी.

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

स्टीव स्मिथ नंबर चार पर खेलेंगे, ऐसा हो सकता है बैटिंग ऑर्डर

सिडनी । स्टीव स्मिथ के बैटिंग ऑर्डर को लेकर जो खबर सामने आई है, उसके मुताबिक स्टीव स्मिथ का बैटिंग ऑर्डर साफ कर दिया गया है. एसईएन रेडियो के मुताबिक भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में स्टीव स्मिथ नंबर 4 पर खेलते दिख सकते हैं. इस पर हालांकि आधिकारिक मुहर तो नहीं लगी. लेकिन कहा यही जा रहा है. इससे पहले स्टीव स्मिथ के ओपनिंग में खेलने पर कयास लगाए जा रहे थे. दरअसल, डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने ओपनिंग को लेकर बड़ा सवाल था. सवाल ये कि उस्मान ख्वाजा के साथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ओपन कौन करेगा? ऐसे में स्टीव स्मिथ, ख्वाजा के जोड़ीदार बनने के बड़े दावेदार लग रहे थे. हालांकि, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने पोजिशन को लेकर स्टीव स्मिथ ज्यादा चिंतित नहीं थे.

विराट कोहली कई मायनों में ऑस्ट्रेलियाई हैं : स्टीव स्मिथ

एजेंसी। नयी दिल्ली

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने मैदान पर विराट कोहली के दृष्टिकोण को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की सोच तरह बताया है और उनका मानना है कि भारतीय दिग्गज बल्लेबाज अपने विचारों और कार्यों में ऑस्ट्रेलियाई हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में आमने-सामने होंगे. दोनों देश क्रमशः पर्थ, एडिलेड, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में पांच मैचों की श्रृंखला में आमने-सामने होंगे. भारत ने क्रमशः 2018/19 और 2020/21 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पिछले दो संस्करण जीते हैं. स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स द्वारा ''एक्स'' पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, मेरा मानना है कि विराट कोहली विचारों और कार्यों में ऑस्ट्रेलियाई हैं. जिस तरह से वह लड़ाई में उतरते हैं, जिस तरह से वह

चुनौती का सामना करते हैं और विपक्ष पर हावी होने की कोशिश करते हैं. मैं कहूंगा कि वह संभवतः भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जैसी सोच रखते हैं. कोहली ने 29 टेस्ट शतकों सहित 80 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और 113 टेस्ट मैचों में 49.16 की औसत से 8,846 रन बनाए हैं, जबकि स्मिथ ने 109 टेस्ट मैचों में 32 शतकों के साथ 56.97 की औसत से 9,685 रन बनाए हैं. स्मिथ ने आगे बताया कि दोनों खिलाड़ी अक्सर एक-दूसरे को बात करते हैं, और वो 22 नवंबर से शुरू हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कोहली का सामना करने के लिए उत्साहित हैं.

यूएस मास्टर्स टी10 सीजन 2

रैना, हरभजन और ब्रावो खेलेंगे

एजेंसी। लॉडरहिल

यूएस मास्टर्स टी-10 के दूसरे सीजन से पहले फ्रेंचाइजी ने अपनी टीमें चुन ली हैं, जिनमें ड्वेन ब्रावो, सुरेश रैना, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक, जेम्स नीशम, एंजेलो परेरा और आरोन फिंच जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो शीर्ष पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे.

टूर्नामेंट में 60 स्थानों के लिए, यूएस मास्टर्स टी 10 के सीजन 2 के लिए प्लेयर ड्राफ्ट के लिए 500 से अधिक क्रिकेटरों ने रजिस्टर किया. कैलिफोर्निया बोल्ट्स ने प्लेयर ड्राफ्ट में जेम्स नीशम (न्यूजीलैंड), लियाम प्लंकेट (इंग्लैंडः प्लेटिनम ग्रेड), कॉलिन डी ग्रैंडहोम (न्यूजीलैंडः ग्लोबल सुपरस्टार), शेहान जयसूर्या (श्रीलंका), बिपुल शर्मा (भारत) और लाहिरू मिलंथा (यूएसए) के साथ पहले ही हस्ताक्षर कर लिए थे. उन्होंने मुनाफ पटेल (भारत), मार्टिन गुप्टिल (न्यूजीलैंड), मनप्रीत गोनी (भारत), समीउल्लाह शिनवारी (अफगानिस्तान), जॉन-रस जगेसर (वेस्टइंडीज), देवेंद्र बिशू (वेस्टइंडीज), क्रिस बेंजामिन (दक्षिण अफ्रीका), मयंक तेहलान (भारत), हुसैन तलत (पाकिस्तान), केसरिक विलियम्स (वेस्टइंडीज) और धम्मिका प्रसाद (श्रीलंका) को टीम में शामिल किया.

डेट्रॉइट फाल्कन्स ने तिषारा परेरा, अब्दुर रज्जाक (पाकिस्तानः प्लेटिनम ग्रेड), आरोन फिंच (ऑस्ट्रेलियाः ग्लोबल सुपरस्टार), डेविड मलान (इंग्लैंड), रयाद एमरिट (वेस्टइंडीज) और एंजेलो परेरा (श्रीलंका) को सीधे तौर पर अपने साथ जोड़ा. इस तरह अन्य टीमों ने भी अपनी लिस्ट जारी की. टी टेन ग्लोबल स्पोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष नवाब शाजी उल मुल्क ने कहा, अमेरिका में क्रिकेट तेजी से बढ़ रहा है. हम इस विशेष यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं. इस साल आईसीसी टी20 विश्व कप ने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला. हम उस गति को बनाए रखना और इसे आगे ले जाना चाहते हैं.

यूएस ओपन से जल्दी बाहर होने के बाद

कार्लोस अल्काराज डेविस कप के लिए तैयार

एजेंसी। मैड्रिड

कार्लोस अल्काराज का कहना है कि वह फिट हैं और इस सप्ताह के अंत में डेविस कप टेनिस के ग्रुप चरण में स्पेन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं. समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, स्पेन का सामना कठिन ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य और फ्रांस से होगा, जिनके मैच वालेंसिया में खेले जाएंगे. सोमवार को प्रेस से बात करते हुए, अल्काराज से यूएस ओपन में दूसरे दौर में निराशाजनक हार के बाद उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया, इससे पहले फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उनकी जीत हुई और अगस्त में ओलंपिक रजत पदक मिला. उन्होंने स्वीकार किया कि न्यूयॉर्क में, वह उस स्तर पर खेलने में कामयाब नहीं हुए जो उन्हें पसंद था, लेकिन उन्होंने कहा, उस स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल है जो आप हर दिन चाहते हैं, और आपको करना होगा

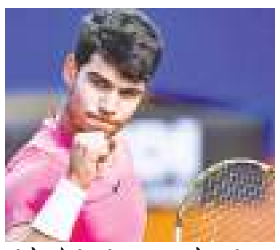

चीजें जैसी भी आएं उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार रहें.

अल्काराज ने कहा कि कुछ दिनों के आराम और प्रशिक्षण के कारण बहुत तीव्र गर्मी के बाद उनमें तैयारी की कमी थी, जबकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अब वह घर पर डेविस कप खेलने के लिए अच्छा और प्रेरित महसूस कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा, मानसिक रूप से मैं सुधार जारी रखने के लिए बहुत उत्सुक और प्रेरित हूं और शारीरिक रूप से मैंने डेविस कप और जो आने वाला है उसका सामना करने के लिए इष्टतम स्तर पर रहने के लिए न्यूयॉर्क में हारने के बाद से अच्छा काम किया है.

संन्यास का संकेत ओलंपिक मेडल को लेकर ट्रोल हुईं सायना नेहवाल, दिया करारा जवाब, बोलीं

ओलंपिक खेलों के स्तर के लायक तो बनें सभी खिलाड़ी

एजेंसी। नयी दिल्ली

ओलंपिक में मेडल जीतना कोई आसान बात नहीं है. भारत की ओर से ओलंपिक गेम्स में बैडमिंटन में पहला मेडल सायना नेहवाल ने जीता था. सायना ने 2012 ओलंपिक गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, जिसको लेकर हाल में उनकी ट्रोलिंग भी हुई. इस पर सायना ने अब एकदम कड़क जवाब दिया है. ओलंपिक गेम्स में मेडल जीतना कोई आसान बात नहीं होती है, चार सालों में एक बार ओलंपिक गेम्स खेला जाता है और इसमें क्वालिफाई करने के लिए ही काफी मशक्कत करनी पड़ती है. हाल में पेरिस ओलंपिक गेम्स में भारत के खाते में एक भी गोल्ड मेडल नहीं आया. भारत ने पेरिस ओलंपिक गेम्स में कुल छह मेडल जीते थे,

जिसमें एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे. पेरिस ओलंपिक गेम्स के दौरान सायना नेहवाल ने कुछ ऐसी बातें कही थीं, जिसको लेकर उनको जमकर ट्रोल किया गया था. दरअसल पेरिस ओलंपिक गेम्स में पहलवान विनेश फोगाट नेगोल्ड मेडल मैच के लिए क्वालिफाई कर लिया था, लेकिन 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के चलते उन्हें डिस्क्वॉलिफाई कर दिया गया था और वह कोई मेडल जीत नहीं पाई थीं. इस पर कमेंट करते हुए सायना ने कहा था कि इसके लिए विनेश खुद भी जिम्मेदार हैं.

एक निजी साक्षात्कार में बातचीत के दौरान सायना के पति और स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पारुपल्ली कश्यप ने इस बात का जिक्र करते हुए कहा था, पेरिस ओलंपिक के दौरान सायना ने कुछ कहा था और कमेंट्स में लोग कहने लगे थे कि उसको तो ब्रॉन्ज मेडल गिफ्ट में मिला था. इस पर सायना ने तड़ाक से जवाब में कहा, ओलंपिक लेवल के लायक तो बनो आप. पहले ओलंपिक के लिए क्वलिफाई तो करके दिखाओ. 2012 ओलंपिक गेम्स में सायना का मुकाबला ब्रोन्ज मेडल के लिए चीन की वैन जिन से था. सायना ने पहला गेम 18-21 से गंवा दिया था और दूसरे गेम में वो 0-1 से पीछे चल रही थीं. उन्होंने संन्यास का हिंट भी दिया.

डिवाइन, बेट्स रिकॉर्ड 9वीं बार खेलेंगी

न्यूजीलैंड की टीम घोषित

महिला टी20 विश्व कप

एजेंसी। ऑकलैंड

न्यूजीलैंड ने अगले महीने यूएई में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है. सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स लगातार 9वीं बार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में हिस्सा लेंगी. इस अनुभवी जोड़ी ने 2009 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से महिलाओं के मेगा इवेंट के हर संस्करण में भाग लिया है. विश्व कप के बाद टी20 कप्तान के पद से हटने वाली डिवाइन टीम की अगुवाई करेंगी.

डिवाइन ने कहा, टी 20 विश्व कप महिलाओं के खेल के विकास और वृद्धि में एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है. मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं शुरुआत से ही इस टूर्नामेंट का हिस्सा रही हूं.

मैं विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के एक और अवसर का इंतजार कर रही हूं. मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि विश्व कप टीम में शामिल होना एक विशेष अवसर है. सॉयर ने कहा, इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों को बधाई. विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. मैं इस टीम से वास्तव में खुश हूं, मुझे लगता है कि ये हमारी सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी हैं जो संभावित रूप से विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने में माहिर हैं.

न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है. वे चार अक्टूबर को भारत के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच से पहले दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलेंगे. टीम टूर्नामेंट की तैयारी के लिए मैके और ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलने के लिए 16 सितंबर को रवाना होगी.

न्यूजीलैंड की टीम : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, फ्रैन जोनास, लेघ कास्पेरेक, अमेलिया केर, जेस केर, रोजमेरी मेयर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहू.

ब्रीफ खबरें

अक्षरा सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

खगड़िया। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह गिरफ्तार हो सकती है. खगड़िया कोर्ट ने अक्षरा सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है. वहीं गैर-जमानती वारंट जारी होते ही अक्षरा सिंह की गिरफ्तार का आदेश जारी किया गया है. कोर्ट ने अक्षरा के मुंबई वाले पते पर गैर जमानती वारंट भेजा गया है. जानकारी के अनुसार, अक्षरा सिंह के वकील ने पूर्व में अग्रिम जमानत अर्जी खगड़िया कोर्ट में दाखिल की थी जिसे एडीजे पंचम की अदालत ने खारिज कर दिया था.

नर्सिंग की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पटनासिटी। पटनासिटी में नर्सिंग स्कूल की छात्रा ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली. मामला खाजेकलां थाना क्षेत्र के गुरुगोविंद सिंह अस्पताल स्थित एलएचवी नर्सिंग स्कूल का है. छात्रा की पहचान रजनी के रूप में की गई है. वह इस्लामपुर की रहनेवाली थी. घटना की सूचना स्थानीय थाना को दे दिया गया है जिसके बाद पुलिस मौके बारदात पर पहुंच कर मामले की छानबीन में लगी हुई है. छात्रा इस्लामपुर की रहनेवाली बताई जा रही है. हालांकि छात्रा ने ऐसा कदम क्यों उठाया यह तो पुलिस के जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा.

चल रही थी क्लास छात्रा को मारी गोली

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में कोचिंग पढ़ने गई एक छात्रा को गोली मारी गयी है. इसके बाद कोचिंग छात्रा को गंभीर स्थिति में मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि छात्रा के साथ पढ़ने वाली ही एक छात्रा ने घटना को अंजाम दिया है. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है. दरअसल, पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के रामपुर कृष्णा पंचायत का है. जहां प्रतिदिन की तरह कोचिंग छात्रा आज भी कोचिंग पढ़ने गई थी और कोचिंग का क्लास चल रहा था. क्लास के दौरान छात्रा पर गोली चलाई गई.

चिराग ने राहुल को घेरा, कहा- आरक्षण खत्म करने की सोचना भी अपराध

संवाददाता। पटना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरक्षण पर

अमेरिका में दिए बयान पर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को बड़ा हमला बोला. चिराग ने कहा, आरक्षण समाप्त करना तो दूर, सोचना भी अपराध है राहुल गांधी जी ! उन्होंने सोशल मीडिया पर किए एक पोस्ट में कहा, आज राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस पार्टी की मानसिकता का पर्दाफाश हुआ है. कांग्रेस चाहती है, और उनकी प्राथमिकताओं में यह रहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी द्वारा दिए गए आरक्षण को समाप्त कर दिया जाए. संवैधानिक व्यवस्था को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए आरक्षण जरूरी है. ऐसे में आरक्षण को समाप्त करना तो दूर, कोई उस प्रावधान से छेड़छाड़ करने की भी नहीं सोच सकता. मैं विश्वास दिलाता हूं कि जबतक मैं, और मेरी पार्टी लोजपा (रामविलास) है तबतक न तो आरक्षण को कोई खतरा है और न ही संविधान को.

उन्होंने कहा कि कांग्रेसी मानसिकता वाले लोग जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे बयानों का इस्तेमाल करते आए हैं. आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस का चुनावी जुमला है, जिससे हम सबको सावधान रहने की जरूरत है. केंद्र में लंबे अरसे तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ना तो जातीय जनगणना करा पाई और ना ही ओबीसी आरक्षण को ही लागू कर पाई. इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस की सोच शुरू से आरक्षण विरोधी रही है. दोनों गठबंधनों में कितना फर्क है कि एक ओर नेता प्रतिपक्ष आरक्षण समाप्त करने की सोच रखते हैं तो दूसरी तरफ एनडीए के सर्वमान्य नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरक्षण के सभी प्रावधान को वैसे ही लागू रखने के लिए कृतसंकल्प हैं.

दरअसल, राहुल गांधी ने कहा था कि अगर आप दलित, आदिवासी और ओबीसी को देखें तो वे 73 प्रतिशत हैं. जबकि 70 में मात्र एक आदिवासी, तीन दलित, तीन ओबीसी और एक अल्पसंख्यक हैं. भारत के 90 प्रतिशत लोगों को सरकार में मात्र 10 प्रतिशत जगह दी गई है. अगर आप वित्तीय आंकड़े देखें तो आदिवासियों को 100 रुपये में मात्र 10 पैसे, दलित को पांच रुपये और ओबीसी को भी इतने ही मिलते हैं. तो मुद्दे की बात यह है कि इन लोगों की सहभागिता नहीं हैं. राहुल गांधी ने कहा, समस्या यह है कि 90 प्रतिशत लोगों को हिस्सा ही नहीं मिल रहा है. भारत के बड़े व्यापारियों की सूची देखें तो शीर्ष 200 व्यापारियों में मात्र एक ओबीसी है, जबकि ये भारत की आबादी का 50 प्रतिशत हैं. हम सिस्टम को नहीं समझ रहे हैं, यही समस्या है. उन्होंने कहा, अब ये सिर्फ एकमात्र तरीका नहीं है, दूसरे तरीके हैं. लेकिन जब भारत एक निष्पक्ष देश होगा तब हम आरक्षण को ख़त्म करने का सोचेंगे. और भारत निष्पक्ष देश नहीं है.

मानसिक संतुलन खो बैठे हैं कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी : मंगल पांडेय

पटना। स्वास्थ्य व कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने अमेरिका में दिए राहुल गांधी के बयान की कड़ी निंदा की है. उन्होंने राहुल गांधी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की याद दिलाते हुए कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी विपक्ष के नेता थे,

तो उन्होंने कभी देश की छवि खराब करने की कोशिश नहीं की. राहुल विपक्ष के नेता हैं और विपक्ष का पद एक जिम्मेदारी वाला पद होता है. मगर उनकी नीति और नीयत देश की छवि धूमिल करने की है. यही वजह है कि अक्सर विदेशी धरती पर वो भारत का अपमान कर खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं. वहीं दूसरी ओर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी कार्यकुशलता से भारत का नाम दुनिया में रौशन कर रहे हैं. मंगल पांडेय ने कहा कि राहुल झूठ बोलते हैं. वो नफरत की दुकान संचालित करते हैं. उनकी पार्टी विध्वंसकारी और विभाजनकारी नीति की जनक रही है. वहीं आज पीएम मोदी के कार्यकाल में दुनिया भारत की ओर उम्मीद की निगाह से देख रही है.

समस्तीपुर से शुभारंभ : सीधे कार्यकर्ताओं से होंगे रूबरू

तेजस्वी की आभार यात्रा शुरू

संवाददाता। समस्तीपुर

बिहार में विपक्ष के नेता और प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मंगलवार को समस्तीपुर से 'कार्यकर्ता आभार यात्रा' की शुरुआत कर दी है. इस यात्रा के दौरान तेजस्वी सीधे कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन करेंगे. कार्यक्रम का पहला चरण 10 सितंबर से 17 सितंबर तक चलेगा. इस दौरान तेजस्वी यादव समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और मुजफ्फरपुर में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे. कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी अपने 17 महीने के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जानकारी देंगे, ताकि कार्यकर्ता राजद के कामों की उपलब्धियां जनता तक पहुंचा सकें.तेजस्वी यादव कार्यकर्ताओं में उत्साह भी भरेंगे. कार्यकर्ता आभार यात्रा' के दौरान वे बिहार की गिरती कानून व्यवस्था को भी उठायेंगे तथा सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे. इस यात्रा का मकसद संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करना और फीडबैक लेना है.

पहला चरण मुजफ्फरपुर में होगा खत्म : तेजस्वी यादव की 'कार्यकर्ता आभार यात्रा' के पहला चरण की शुरुआत समस्तीपुर से हो रही है, जहां वो आज और कल (11 सितंबर) को रुकेंगे. इसके बाद 12 और 13 सितंबर को तेजस्वी दरभंगा के कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे. वहीं 14 और 15 सितंबर को वे मधुबनी में कार्यकर्ताओं से मिलेंगे. पहले चरण का आखिरी पड़ाव मुजफ्फपुर में होगा, जहां 16 और 17 सितंबर को तेजस्वी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे. अगले चरण का शेड्यूल बाद में तय किया जायेगा.

सभी मुद्दों को संबोधित करना व संगठन को मजबूत करना उद्देश्य : 'कार्यकर्ता आभार यात्रा' शुरू करने से पहले समस्तीपुर के टाउन हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद नेता ने कहा कि हमारा लक्ष्य पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर जमीनी हकीकत को समझना है. खासकर बिहार के लोगों के सामने आने वाले स्थानीय मुद्दों को.

समस्तीपुर में संबोधित करते तेजस्वी यादव.

बिहार का व्यापक दौरा करेंगे तेजस्वी : लालू

तेजस्वी यादव की 'कार्यकर्ता आभार यात्रा' लेकर आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव की यात्रा शुरू हो गयी है. वह बिहार का व्यापक दौरा करेंगे. बता दें कि बिहार में अगले साल (नवंबर 2025) में विधानसभा चुनाव होने हैं. पिछले बिहार चुनाव में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी. लेकिन आरजेडी के नेतृत्व वाला महागठबंधन बहुमत से चूक गया था. आरजेडी इस बार चुनावी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती. इसलिए अभी से पार्टी तैयारियों में जुट गयी है.

तेजस्वी यादव पर भड़के अनंत सिंह

मोकामा। मंगलवार को मोकामा के पूर्व विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से मिलने पहुंचे. इस दौरान अनंत सिंह तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला. दरअसल, अनंत सिंह पटना में ललन सिंह से मिलने पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव भले यात्रा कर रहे हैं लेकिन उन्हें बिहार विधानसभा चुनाव में इसका फायदा नहीं मिलेगा. तेजस्वी को केवल 8 सीट मिलेगी. वहीं तेजस्वी ने कहा था कि सीएम नीतीश अपराधी को सीएम आवास बुला रहे हैं और अपराधियों से मिलने उनके घर जा रहे हैं. चुनाव अगले साल है, इसलिए अब सभी दल के नेता एक –दूसरे पर तीखी टिप्पणी कर रहे हैं. सियासी माहौल गर्म है.

नदी में डूबने से मां-बेटे सहित तीन की मौत

संवाददाता। नालंदा

नालंदा में नदी में डूबने से मां-बेटे सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है. घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया है. घटना सिलाव और एकंगरसराय थाना क्षेत्र का है. पहली घटना सिलाव थाना क्षेत्र के कहटैन घेरवा खंधा में मां-बेटे की नदी में तैरता शव मिलने से इलाक़े में सनसनी फैल गई. घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि छबिलापुर थाना क्षेत्र केसरी बिगहा गांव निवासी कमलेश प्रसाद की 49 वर्षीय पत्नी सबिता देवी अपने 12 वर्षीय पुत्र बंटी कुमार उर्फ़ सौरभ के साथ बीती दोपहर को हर रोज़ की तरह नदी पार कर खेत में धान रोपनी के लिए हर रोज़ की तरह कल भी गए थे, तभी मां बेटा एक साथ नदी में डूब गए. घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाल कर कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है.

वहीं, दूसरी घटना एकंगरसराय थाना क्षेत्र अमनार खाड़ गांव के सड़क किनारे नदी से अज्ञात व्यक्ति का शव मिला. जब गांव के लोग शौच के लिए गए तो नदी में तैरता मिला. जिसके बाद व्यक्ति की पहचान के लिए भीड़ जुट गई और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेज गया. फिलहाल पुलिस शव के पहचान में जुटी है. फ़िलहाल पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

पोखर में नहाने गयीं पांच बच्चियां डूबीं, चार शव बरामद

बांका। बांका के चांदन प्रखंड में एक साथ परिवारों पर कहर टूट पड़ा. यहां एक पोखर में स्नान को गईं पांच लड़कियों के अचानक से गहरे पानी में चले जाने से वे सब डूब गईं. बांका के चांदन प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आनंदपुर थाना क्षेत्र के चांदवारी पंचायत के बेहरार गांव में हुआ. बच्चियों के डूबने से कोहराम मच गया. आनन फानन में राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया. चार लड़कियों के शव बरामद हुए हैं. वहीं, एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है. बच्ची को परिजन इलाज के लिए सिमुलतला के अस्पताल ले गए हैं.

माले नेता की गोली मारकर हत्या

अरवल। बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद है. बेखौफ अपराधी एक के बाद आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. राजधानी पटना में भाजपा नेता की छिनतई का विरोध करने पर गोली मारकर हत्या कर दी थी. अब अरवल जिले के किंजर थाना क्षेत्र के इमामगंज-करपी पथ पर कोचहासा गांव के समीप का है. जहां देर रात्रि अपराधियों ने गोली मारकर सुनील चंद्रवंशी की हत्या कर दी. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी. किंजर थाना अविलंब घटनास्थल पर पहुंच कर घटना स्थल की जांच की.

डॉक्टर के क्लिनिक पर जमीन माफिया का हमला, पांच धराए

संवाददाता। पटना

पटना के एसके पूरी थाना क्षेत्र के बेहद पॉश इलाका बोरिंग रोड पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास के एक निजी अस्पताल में अपराधियों ने हमला बोला. हथियारों से लैस दर्जनों अपराधियों ने दिनदहाड़े अस्पताल में तोड़फोड़ करते हुए डॉक्टर पिता-पुत्र को जान से मारने की नीयत से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. घटना की सूचना पर एसके पूरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना में शामिल भाग रहे अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. अपराधियों ने डॉक्टर जगदानंद प्रसाद और डॉक्टर अंशुमान प्रियदर्शी पर जानलेवा हमला किया है. इस पूरी घटना की जानकारी देते हुए डॉक्टर अंशुमान प्रियदर्शी ने बताया कि हमलावर जमीन माफिया हैं. जिनकी मंशा मेरे जमीन पर जबरन कब्जा करने का है. पुलिस ने घटना स्थल से घटना में शामिल संजीत कुमार, मंगरू कुमार,अमोलक और परमजीत सिंह को हथियार के साथ गिरफ्तार किया.

कारोबार

35 रुपये से टूटकर 6 रुपये पर आया शेयर

नयी दिल्ली। ईस्ट वेस्ट फ्रेट कैरियर्स के शेयर फोकस पर हैं. कंपनी के शेयर 4.1% बढ़कर ₹7.08 के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया. हालांकि, बाद में कुछ मुनाफावसूली हुई और यह 6.82 रुपये पर आ गया था. शेयरों मेंयह तेजी वित्त वर्ष 2024 की सालाना रिपोर्ट जारी होने के बाद देखी गई है. मंगलवार की तेजी के बावजूद, स्मॉलकैप स्टॉक अपने 52-सप्ताह के उच्चतम ₹11.47 से 38.3% नीचे है. पिछले साल अक्टूबर में अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर ₹4.65 से 52% से अधिक उछल गया है.

172 रुपये का इश्यूप्राइस 13 से खुल रहा आईपीओ

नयी दिल्ली। आईपीओ पर दांव लगाने वाले ध्यान दें. लॉजिस्टिक्स कंपनी वेस्टर्नकैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ लॉन्च होनेवाला है. इस आईपीओ का इश्यूप्राइस 163-172 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. यह आईपीओ 13 सितंबर को खुलेगा और 18 सितंबर को बंद होगा. बड़े (एंकर ए) निवेशक 12 सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा पाएंगे. आईपीओ 400 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों और 54 लाख शेयर की बिक्री पेशकश का संयोजन है. नए इश्यू से हासिल 163.5 करोड़ का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा.

एग्रोकेमिकल को मेक इन इंडिया का फायदा

नयी दिल्ली। भारत की एग्रोकेमिकल इंडस्ट्री में हाल के वर्षों में तेज वृद्धि देखने को मिली है. इस कारण निर्यात अगले 4 वर्षों में 80,000 करोड़ रुपये को पार कर सकता है. नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी. केंद्र सरकार की ''मेक इन इंडिया'' पहल के तहत कंपनियों को समय पर फ्रेमवर्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे भारत मैन्युफैक्चरिंग और एग्रोकेमिकल निर्यात का हब बन सकता है. भारत की एग्रोकेमिकल इंडस्ट्री की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उद्योग कम कीमत में अच्छी गुणवत्ता वाले केमिकल उपलब्ध करा रही है. इस कारण भारत की एग्रोकेमिकल इंडस्ट्री के उत्पाद दुनिया के किसानों में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं.

नौकरियों की भरमार आएगी : मैनपावर ग्रुप रोजगार परिदृश्य सर्वे 2024 चौथी तिमाही की रिपोर्ट

भारत नेट एंप्लॉयमेंट में सबसे मजबूत

एजेंसी। नयी दिल्ली

2024 की चौथी तिमाही में वैश्विक स्तर पर भारतीय कॉरपोरेट जगत में नियुक्ति की धारणा सबसे मजबूत है. यानी नौकरियों की भरमार आने वाली है. कंपनियां देश की आर्थिक स्थिति को लेकर उत्साहित हैं और 37 प्रतिशत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं. मंगलवार को जारी एक सर्वे में यह बात सामने आई. मैनपावर ग्रुप रोजगार परिदृश्य सर्वे 2024 चौथी तिमाही के अनुसार, इसके अनुसार भारत में नेट एंप्लॉयमेंट सिनेरियो 37 प्रतिशत के साथ दुनिया भर में सबसे मजबूत है. इसके बाद कोस्टा रिका 36 प्रतिशत और अमेरिका 34 प्रतिशत के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं.

रिपोर्ट में क्या है : नेट एंप्लॉयमेंट सिनेरियो (एनईओ) की गणना कर्मचारियों की संख्या में कटौती की आशंका रखने वाले नियोक्ताओं के प्रतिशत से नियोक्ताओं को काम पर रखने की मंशा रखने वाले नियोक्तओं के प्रतिशत को घटाकर की जाती है. चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के लिए भारत का रोजगार परिदृश्य 37 प्रतिशत रहा, जो तीसरी तिमाही से सात प्रतिशत अधिक है. पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में यह अपरिवर्तित है.

मैनपावर ग्रुप (भारत व पश्चिम एशिया) के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा कि नियोक्ताओं की नियुक्ति की मंशा देश की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है.

इस क्षेत्र में है सबसे अधिक डिमांड : सर्वे के अनुसार भारत का उत्तरी क्षेत्र 41 प्रतिशत की संभावना के साथ नौकरी की मांग में सबसे आगे है. इसके बाद 39 प्रतिशत के साथ पश्चिमी क्षेत्र का स्थान है. भारत, सिंगापुर और चीन में रोजगार परिदृश्य मजबूत बना है. हांगकांग में नियोक्ता रोजगार को लेकर सबसे अधिक सतर्क रहे. सर्वे एक से 31 जुलाई 2024 के बीच मिले के जवाबों पर आधारित है.

खास बातें

- 37% कंपनियां कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएंगे
- भारत के बाद कोस्टा रिका व फिर अमेरिका का नंबर

भारत का हायरिंग आउटलुक दुनियाभर में सबसे मजबूत

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत का हायरिंग आउटलुक 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दुनिया में सबसे मजबूत है. इसमें जुलाई-सितंबर तिमाही के मुकाबले 7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है. मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. मैनपावरग्रुप के एम्प्लॉयमेंट आउटलुक सर्वे में कहा गया, त्योहारी सीजन को देखते हुए सभी नियोक्ताओं की ओर से हायरिंग पर जोर दिया जा रहा है. 47 प्रतिशत के साथ फाइनेंशियल और रियल एस्टेट इंडस्ट्री का आउटलुक सबसे मजबूत है. इसके बाद आईटी (46 प्रतिशत), इंडस्ट्रियल और मटेरियल (36 प्रतिशत), कंज्यूमर गुड्स और सर्विसेज (35 प्रतिशत) है.

रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तर भारत ग्रोथ आउटलुक के मामले में 41 प्रतिशत के साथ लगातार शीर्ष पर है. पश्चिम 39 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर है. मैनपावरग्रुप इंडिया और मिडिल ईस्ट के प्रबंधक निदेशक, संदीप गुलाटी की ओर से कहा गया कि हायरिंग में तेजी दिखाती है कि देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत है. बड़े स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेपलवमेंट और विदेश नीतियों में मल्टीलेटरल अप्रोच से निर्यात बढ़ा है. गुलाटी ने कहा, डेमोग्राफिक डिविडेंड के कारण वैश्विक बाजारों में भारत में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है. रिपोर्ट में कहा गया, बाजार की मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने स्किल डेवलपमेंट पर फोकस बढ़ाया है. इस कारण भारत आर्थिक समृद्धि के साथ तेजी से बेरोजगारी दर को कम कर पाएगा. इससे उभरती हुई इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए निपूर्ण वर्कफोर्स भी तैयार होगी. पिछली तिमाही के मुकाबले केवल हेल्थकेयर और लाइफ साइंस इंडस्ट्री का आउटलुक -6 प्रतिशत है. बाकी अन्य सभी सेक्टर्स का आउटलुक सकारात्मक बना हुआ है. रिपोर्ट में आगे कहा गया कि मांग और आपूर्ति के बीच टैलेंट की कमी का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है.

ईवी से मिलेगी भारत की ऑटो इंडस्ट्री को रफ्तार

नयी दिल्ली। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक भारत की घरेलू ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री वित्त वर्ष 24 में 20 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर (134 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है. ऑटो इंडस्ट्री के तेजी से बढ़ने की वजह इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चलन में इजाफा बताया जा रहा है. डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस में इन-स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने कहा कि देश में ऑटोमोटिव इंडस्ट्री तेज वृद्धि के लिए तैयार है और 2047 तक 32 ट्रिलियन के जीडीपी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी. नई दिल्ली में हुए ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) इवेंट में गोयनका ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में ऑटोमोटिव इंडस्ट्री का योगदान 2047 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है. आने वाले समय में ऑटो इंडस्ट्री की जीडीपी में हिस्सेदारी मौजूदा 6.8 प्रतिशत से अधिक होगी, क्योंकि पिछले दो दशक से ऑटो इंडस्ट्री करीब 17 प्रतिशत के सीएजीआर से लगातार बढ़ रही है. देश में ऑटो सेक्टर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार में बड़ी भूमिका निभाता है.

- 2047 तक 134 लाख करोड़ पहुंच सकता है आकार

मानुषी का किलर अंदाज...

मुंबई में वेल्ला प्रोफेशनल्स हेयर केयर के लॉन्च इवेंट के दौरान बॉलीवुड की अभिनेत्री और पूर्व विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर.

शुरुआत | आईफोन 16 सीरीज लॉन्च से व्यापार में बढ़ोतरी संभव

भारत में एप्पल के कारोबार में दिखेगी वृद्धि

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल द्वारा वैश्विक स्तर पर नए आईफोन 16 के लॉन्च से भारत में कंपनी की आय में 2024 में सालाना 18 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है. साथ ही आईफोन के निर्यात में भी इजाफा देखने को मिल सकता है. इंडस्ट्री एनालिस्ट्स ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी. एप्पल की ओर से आईफोन 16 की नई सीरीज को लॉन्च कर दिया गया है. इसमें एप्पल इंटेलिजेंस, बड़ी डिस्प्ले और कैमरा कंट्रोल के साथ कई नए फीचर हैं. जानकारों का कहना है कि एप्पल द्वारा प्रो वर्जन को पिछले साल की अपेक्षा सस्ता रखा गया है. यह कंपनी का भारत में मार्केट शेयर बढ़ाने में मदद करेगा. काउंटरपॉइंट रिसर्च के डायरेक्टर तरुण पाठक ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, एप्पल भारत में मार्केट शेयर वॉल्यूम में 6 प्रतिशत और वैल्यू में 16 प्रतिशत है. ऐसे में दोहरे अंक में वृद्धि दर जारी रह सकती है. कंपनी की आय देश में 2025 में 10 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है.

आईफोन 16 सीरीज 20 सितंबर से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी. एनालिस्ट ने आगे कहा कि भारत में आईफोन की ज्यादातर ग्रोथ पहली बार आईफोन का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स की ओर से आएगी. एप्पल की ओर से देश में लगातार विस्तार किया जा रहा है. इससे कंपनी को वृद्धि हासिल करने में मदद मिलेगी.

पाठक ने आगे कहा, एप्पल भारत में एक एस्पिरेशनल ब्रांड है और केवल प्रीमियम कैटेगरी में ही उपलब्ध है. इसको खरीदने में सबसे बड़ी समस्या बस केवल अधिक कीमत का होना है. बाजार में आज के समय में कई अच्छी फाइनेंस स्कीम उपलब्ध हैं, जो कि आईफोन को ग्राहकों के लिए किफायती बनाती हैं. ताजा कंज्यूमर रिसर्च के मुताबिक 10 में से 6 प्रीमियम स्मार्टफोन यूजर फाइनेंस स्कीम के जरिए फोन खरीदना पसंद करते हैं.

वैश्विक निवेश फर्म जेफरीज के मुताबिक, सरकार की ''मेक इन इंडिया'' पहल और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के कारण आईफोन का प्रोडक्शन भारत में एप्पल की कुल शिपमेंट का 2023 में 10 प्रतिशत रहा, जो कि 2017 में एक प्रतिशत से भी कम था. कंपनी की योजना 2025 में इसे बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक करने की है.

शेयर बाजार में बढ़त, निफ्टी 25000 के पार

एजेंसी। मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ. यह लगातार दूसरा दिन था, जब बाजार में बढ़त हुई. कारोबार के अंत में सेंसेक्स 361 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,921 और निफ्टी 104 अंक या 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,041 पर था. लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक खरीदारी हुई. निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 691 अंक या 1.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,039 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 220 अंक या 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,317 पर था. बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाला इंडेक्स इंडिया विक्स 6.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13.36 पर बंद हुआ था, जो दिखाता है कि बाजार में स्थिरता है.

एनएसई पर आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा सबसे अधिक बढ़ने वाले इंडेक्स थे. केवल ऑयल गैस, पीएसयू बैंक और फिन सर्विस ही लाल निशान में बंद हुए हैं. सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, विप्रो, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टीसीएस, टाइटन, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी और एलएंडटी टॉप गेनर्स थे. बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एसबीआई और रिलायंस टॉप लूजर्स थे. बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते हुई गिरावट के बाद बाजार में तेजी देखने को मिल रही है. इसकी वजह अच्छे मानसून और त्योहारी सीजन के चलते मजबूत मांग का बने रहना है. हालांकि, अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव और फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती जैसे बड़े इवेंट के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी. सुबह 9:22 बजे सेंसेक्स 139 अंक या 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 81,698 और निफ्टी 52 अंक या 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,988 पर था.

न्यूज अपडेट

ट्रेन को डिरेल करने की साजिश नाकाम

अजमेर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के बाद राजस्थान के अजमेर में ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश को नाकाम कर दिया गया है. अजमेर के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर सोमवार रात को सराधना और बांगड़ ग्राम रेलवे स्टेशन के बीच दो जगहों पर रेलवे ट्रैक पर लगभग एक क्विंटल वजनी सीमेंट ब्लॉक रखा गया था, ताकि ट्रेन को पटरी से उतारा जा सके. हालांकि, बड़ी दुर्घटना होने से बच गई. ट्रेन, रेलवे ट्रैक पर रखे सीमेंट ब्लॉक को तोड़ते हुए आगे निकल गई. राहत की बात यह रही कि ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुई.

गाजा में इसराइल के हमले में 40 मरे

नयी दिल्ली। हमास संचालित प्रशासन ने कहा है कि ग़ाज़ा पट्टी में इसराइल के ताज़ा हवाई हमले में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है. हमास संचालित सिविल डिफ़ेंस प्रशासन ने कहा है कि ये हमला मानवीय मदद के लिए निर्धारित इलाक़े में हुआ और कई अन्य लोगों के घायल होने की आशंका है. इसराइली सेना ने कहा कि 'उसके लड़ाकू विमानों ने ख़ान युनिस में हमास के लड़ाकों के एक संचालन केंद्र पर हमला किया और इस अभियान में नागरिकों को नुकसान से बचाने के उपाय किए गए थे.'

शशि थरूर को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के ख़िलाफ़ दिल्ली हाई कोर्ट के समन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है. वेबसाइट बार एंड बेंच के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कथित तौर पर "शिवलिंग पर बिच्छू" वाले उनके बयान के लिए उनके ख़िलाफ़ मानहानि का मुक़दमा दायर किया गया था. इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने शशि थरूर को समन जारी किया था. दिल्ली हाई कोर्ट ने 29 अगस्त को निचली अदालत में थरूर के ख़िलाफ़ मानहानि की कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया था.

बहराइच में पांचवां भेड़िया पकड़ा गया

बहराइच। वन विभाग ने उत्तर प्रदेश के बहराइच में आतंक का सबब बने एक और भेड़िये को पकड़ लिया है. अधिकारियों के अनुसार, पांच भेड़ियों को पकड़ा जा चुका है और एक और भेड़िये को पकड़ा जाना है. सोमवार की रात रेस्क्यू अभियान चलाया गया. डीएफ़ओ अजीत प्रताप सिंह ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, "छह भेड़ियों को पकड़ने की बात थी, जिसमें पांच को पकड़ लिया गया है. एक अब भी लापता है, उसे भी जल्द पकड़ लिया जाएगा." उन्होंने कहा कि वन विभाग की एक पूरी टीम लगी है .

स्कूल के हॉस्टल से तीन छात्राएं लापता

गाजियाबाद। नोएडा में लापता हुए दो छात्रों के वापस आने के बाद, अब गाजियाबाद के एक स्कूल के हॉस्टल से तीन छात्राओं के लापता होने की खबर सामने आई है. जानकारी के मुताबिक, गाजियाबाद के ब्लॉक रजापुर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से सोमवार रात तीन छात्राएं लापता हो गईं. इसमें एक छात्रा सातवीं और दो छात्रा आठवीं कक्षा में पढ़ती थीं. सोमवार रात तीनों हॉस्टल में मौजूद थीं और अपने-अपने कमरों में सोई थीं. मंगलवार सुबह तीनों छात्राएं लापता पाई गईं.

सोने की तस्करी का मास्टरमांइड धराया

नयी दिल्ली। देश में सोने की तस्करी के लिए वांछित मुनियाद अली खान को सुरक्षा एजेंसियां यूएई से गिरफ्तार कर भारत ले आई हैं. मुनियाद अली खान को 2020 में जयपुर हवाई अड्डे पर एनआईए ने पकड़ा था. खान सोने की तस्करी के मामले में मास्टरमाइंड था. एनआईए ने उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया था. जांच के दौरान पाया गया कि मुख्य साजिशकर्ता मुनियाद अली खान ही था. उसने ही सऊदी अरब के रियाद शहर से भारत में सोने की छड़ों को स्मगल करने की योजना बनाई थी.

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन पर घमासान

नयी दिल्ली। भाजपा विधायकों की ओर से दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र पर सियासी घमासान जारी है. मंगलवार को दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा दिल्ली की चुनी हुई सरकार को चोर दरवाजे से बर्खास्त करना चाहती है. आतिशी ने कहा कि भाजपा का एकमात्र काम चुनी हुई विपक्ष की सरकारों को गिराना है. भाजपा दिल्ली में आप के विधायकों को नहीं खरीद पाई, इसलिए अब वह दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए षड्यंत्र कर रही है.

अमेरिकी व ब्रिटिश विदेश मंत्री जाएंगे यूक्रेन

कीव। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और ब्रिटेन के उनके समकक्ष डेविड लैमी इस हफ्ते एकसाथ यूक्रेन का दौरा करेंगे. दोनों ने कहा कि रूस के ख़िलाफ़ यूक्रेन का साथ देने के लिए यह नाज़ुक पल है.डेविड लैमी ने कहा कि दशकों में पहला ऐसा दौरा होगा. ये यूक्रेन के प्रति पश्चिमी देशों की प्रतिबद्धता दिखाएगा. वहीं ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन की प्राथमिकता यूक्रेन की सुरक्षा को लेकर उसकी सहायता करना है.

लेफ्टिनेंट बन गांव लौटी किसान की बेटी

पठानकोट। पंजाब के पठानकोट में एक किसान की बेटी ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है. बुधवार को उसके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा. सीमावर्ती इलाके गुलपुर सिंबली गांव की रहने वाली पल्लवी ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने में उसके परिवार ने अहम भूमिका निभाई. लेफ्टिनेंट पल्लवी ने पठानकोट से 12वीं की पढ़ाई की है. उन्होंने चंडीगढ़ से ग्रेजुएशन किया है और कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज परीक्षा में पूरे देश में छठा स्थान (एआईआर-6) हासिल किया है.

अमेरिका : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बोले- मैं इस बार के चुनाव को स्वतंत्र नहीं मानता, यह नियंत्रित चुनाव था

राहुल गांधी के बयान पर सियासी घमासान

लगातार न्यूज नेटवर्क। वॉशिंगटन

अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई मुद्दों पर विस्तार से बात कर रहे हैं. उनके बयानों पर भारत में सियासी घमासान जारी है. इसी कड़ी में उन्होंने जार्जटाउन यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के साथ भी संवाद किया. अभी तक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेराजगारी पर बात कर रहे थे, लेकिन अब अपने बयान में उन्होंने चुनाव आयोग को भी निशाने पर ले लिया. इसके साथ ही उन्होंने आरक्षण और अल्पसंख्यकों को लेकर भी बयान दिया, जिसको लेकर उन पर विपक्षी दलों ने निशाना साधा.

राहुल गांधी ने अमेरिका के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान लोकसभा चुनाव को लेकर टिप्पणी की. इसके अलावा उन्होंने व्यापार, आरएसएस, मीडिया और संविधान जैसे मुद्दों पर भी बात की. राहुल गांधी ने कहा, "चुनाव से पहले हमें इस बात की चिंता थी कि संस्थानों पर कब्ज़ा कर लिया गया है... हमारे लिए यह फ़ेयर गेम नहीं था. शिक्षा व्यवस्था पर आरएसएस ने कब्ज़ा कर लिया है. मीडिया और जांच एजेंसियों पर कब्ज़ा है. हम यह लोगों को बता रहे थे लेकिन वे इस बात को नहीं समझ पा रहे थे..." "इसके बाद मैंने संविधान को अपने साथ रखना शुरू कर दिया और लोगों को सब समझ में आने लगा... भारत के ग़रीब और पीड़ित लोगों को समझ में आ गया कि अगर संविधान गया तो सबकुछ चला जाएगा. ग़रीब लोगों को यह समझ में आ गया कि ये लड़ाई संविधान को बचाने वालों और इसे ख़त्म करने वालों के बीच है." हुल गांधी ने कहा, "जातिगत जनगणना का मुद्दा भी बड़ा हुआ. ये सब चीज़ें अचानक से साथ हो गईं."

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि एक निष्पक्ष चुनाव में भाजपा 246 सीट तक भी जीत सकती थी. उनके पास वित्तीय सहायता थी, उन्होंने हमारे बैंक अकाउंट लॉक कर दिए. चुनाव आयोग वही कर रहा था जो वो चाहते थे." "पूरा चुनाव अभियान इस तरह से तैयार किया गया कि नरेंद्र मोदी पूरे देश में अपना काम कर सकें. जिन राज्यों में वे कमज़ोर थे उन्हें अलग तरीके से डिज़ाइन किया गया, जहां वे मजबूत थे वहां अलग तरीके से डिज़ाइन किया गया. मैं इसे स्वतंत्र चुनाव नहीं मानता. मैं इसे नियंत्रित चुनाव मानता हूं." उन्होंने कहा, "सरकार और दो या तीन बड़े बिजनेस के बीच बड़ी सांठगांठ है. ओबीसी और दलितों को धोखा दिया जा रहा है."

'जब भारत एक निष्पक्ष देश होगा तब हम आरक्षण खत्म करने पर सोचेंगे'

राहुल गांधी ने मंगलवार को अमेरिका के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में आरक्षण को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा था, "अगर आप दलित, आदिवासी और ओबीसी को देखें तो वे 73 प्रतिशत हैं. जबकि 70 में मात्र एक आदिवासी, तीन दलित, तीन ओबीसी और एक अल्पसंख्यक हैं. भारत के 90 प्रतिशत लोगों को सरकार में मात्र 10 प्रतिशत जगह दी गई है." "अगर आप वित्तीय आंकड़े देखें तो आदिवासियों को 100 रुपये में मात्र 10 पैसे, दलित को पांच रुपये और ओबीसी को भी इतने ही मिलते हैं. तो मुद्दे की बात यह है कि इन लोगों की सहभागिता नहीं हैं." राहुल गांधी ने कहा, "समस्या यह है कि 90 प्रतिशत लोगों को हिस्सा ही नहीं मिल रहा है. भारत के बड़े व्यापारियों की सूची देखें तो शीर्ष 200 व्यापारियों में मात्र एक ओबीसी है, जबकि ये भारत की आबादी का पचास प्रतिशत हैं. हम सिस्टम को नहीं समझ रहे हैं, यही समस्या है." कहा, "अब ये सिर्फ एकमात्र तरीका नहीं है, इसके अलावा भी दूसरे तरीके हैं. लेकिन जब भारत एक निष्पक्ष देश होगा तब हम आरक्षण को ख़त्म करने के बारे में सोचेंगे. और भारत निष्पक्ष देश नहीं है." "इससे समस्या भी खड़ी होती है. क्योंकि सवर्ण जाति से आने वाले बहुत से लोग सवाल उठाते हैं कि हमने क्या गलत किया, हमें क्यों सज़ा दी जा रही है. इसीलिए आप इन सब चीज़ों की आपूर्ति को बढ़ाने के बारे में सोचते हैं. आप सत्ता के विकेंद्रीकरण के बारे में सोचते हैं. आप अपने देश की शासन प्रणाली में ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को शामिल करने के बारे में सोचते हैं."

मायावती ने आरक्षण पर कांग्रेस को घेरा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा है. उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री का कहना है कि कांग्रेस वर्षों से आरक्षण को खत्म करने के षड़्यंत्र में लगी है. मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट कर कहा, ''केंद्र में काफी लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया और न ही देश में जातीय जनगणना कराने वाली यह पार्टी अब इसकी आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है.

इनके इस नाटक से सचेत रहें जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी.' उन्होंने कहा, 'अब कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से भी सतर्क रहें, जिसमें उन्होंने विदेश में यह कहा है कि भारत जब बेहतर स्थिति में होगा तो हम एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे. इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षड़्यंत्र में लगी है.'' इन वर्गों के लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिए गए इस घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आते ही, अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी. ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से जरूर सजग रहें. जबकि, सच्चाई में कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण-विरोधी सोच की रही है. केंद्र में रही इनकी सरकार में जब इनका आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब इस पार्टी से इनको इंसाफ ना मिलने की वजह से ही डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था.

राहुल गांधी के बयानों पर भाजपा की तीखी प्रतिक्रिया

नयी दिल्ली। आरएसएस और पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए बयानों पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी के बयानों को 'देश विरोधी' बताया है. वहीं बीजेपी नेता आरपी सिंह ने एएनआई से कहा, "कांग्रेस की सरकार के रहते सिखों की पगड़ी उतारी जाती थी, चेकिंग होती थी, उनके केश काटे गए, जलाया गया. कांग्रेस के रहते दिल्ली के अंदर 3000 सिखों का कत्लेआम हुआ." उन्होंने कहा, "आज देश के अंदर सभी धर्मों को एक समान देखा जाता है, कोई भेदभाव नहीं है. विदेश में जाकर वैमनस्य फैलाना गलत है. मैं राहुल गांधी को चुनौती देता हूँ, वो सिखों को लेकर जो बयान विदेश में दे रहे हैं, वही बयान भारत में दें और मैं उनके ख़िलाफ़ मुकदमा करूंगा."

शिवराज सिंह ने कहा, "राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं. ये ज़िम्मेदारी का पद है. मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि जब अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे, नरसिम्हा राव जी प्रधानमंत्री हुआ करते थे, तब कई मामलों में वाजपेयी जी बाहर देश का प्रतिनिधित्व करते थे. देश के बाहर कभी भी नेता प्रतिपक्ष ने देश की छवि खराब करने की कोशिश नहीं की." कहा, "लेकिन राहुल कुंठाग्रस्त हैं. लगातार तीसरी बार हारने के कारण वो बीजेपी, संघ और मोदी के अंधविरोधी हो गए हैं. और वो ये विरोध करते करते देश का ही विरोध करने लगे हैं. वे लगातार देश की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं." कहा, "ये देशद्रोह के अंतर्गत ही आता है. इमरजेंसी किसने लगाई? राहुल भारत जोड़ो यात्रा करते हैं पर वो ना भारत से जुड़ पाए, ना भारत के लोगों से जुड़ पाए."

राहुल गांधी ने सिर्फ देश के मौजूदा हालात पर की है बात : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में दिए गए भाषण, नागपुर हिट एंड रन केस समेत कई मुद्दों पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी. कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका की यात्रा के दौरान भाजपा सरकार और आरएसएस पर दिए गए बयान व चीन की तारीफ के बारे में उन्होंने कहा कि राहुल ने कुछ भी गलत नहीं कहा, उन्होंने सिर्फ देश के मौजूदा हालात के बारे में बताया है. भारत में भाजपा और आरएसएस के लोग धर्म और जाति की राजनीति कर रहे हैं. राहुल गांधी ने केवल लोगों के मन की बात कही है.

बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी 'डर का माहौल' बना रहे हैं. डर उन लोगों को लगता है जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, घोटाले कर रहे हैं. लेकिन देश में ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं है जो कहे की उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डर लगता है. राहुल गांधी ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि प्रधानमंत्री की लोकप्रियता लोगों के सर चढ़ कर बोल रही है.

केदारनाथ धाम मार्ग पर भूस्खलन में दबने से पांच श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी। रूद्रप्रयाग

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के चलते सोनप्रयाग के समीप हुए भूस्खलन में पांच लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई. हादसे में तीन लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है. राहत एवं बचाव कार्य जारी है. अपर ज़िलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया, "सोमवार शाम क़रीब साढ़े सात बजे सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ यात्री मलबे में दब गए." "ये यात्री भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से गुज़रते हुए गौरीकुंड से सोनप्रयाग की ओर आ रहे थे."

सूचना मिलने पर पर पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और डीडीआरएफ की ओर से संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया. ज़िलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने कहा, "रेस्क्यू के दौरान देर रात

को इस स्थान से तीन लोग घायल अवस्था में निकाले गए जबकि एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला जिसको डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया." "बीती रात के समय ख़राब मौसम और लगातार पहाड़ से मलबा-पत्थर आने के कारण रेस्क्यू टीमों को अपना कार्य करने में दिक्कतें आईं और रेस्क्यू कार्य रोकना पड़ा." "जनपद पुलिस के स्तर से यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शाम के 06:30 बजे के बाद आवाजाही बिल्कुल बंद कर दी गई थी.

भाजपा नेता पुत्र की ऑडी ने वाहनों को मारी टक्कर

पूरे मामले को लेकर विपक्ष आक्रामक, नेता पुत्र को बचाने के लिए ड्राइवर को फंसाने की खबर

एजेंसी। नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में तेज रफ्तार ऑडी ने अलग-अलग जगहों पर कई वाहनों को टक्कर मार दी. पुलिस ने चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. रिपोर्ट के अनुसार, ऑडी कार महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले के बेटे के नाम पर पंजीकृत होने की जानकारी सामने आई है. यह घटना नागपुर के रामदासपेठ इलाके की है. सीताबल्डी थाने में मामला दर्ज किया गया है. गिरफ्तार लोगों की पहचान चालक अर्जुन हावरे और रोनित चित्तमवार के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि शराब के नशे की वजह से ये घटना हुई है. पुलिस ने दोनों आरोपियों की मेडिकल जांच भी कराई है. रिपोर्ट का इंतजार है.

ऐसी खबर है कि नेता के बेटे को बचाने के लिए ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. सीताबल्डी थाने की इंस्पेक्टर अनामिका मिर्झापुरे ने कहा कि यह घटना रात में सेंटर प्वाइंट होटल के सामने हुई है. एक तेज रफ्तार कार दो कार और एक बाइक को टक्कर मारके भाग गई थी. दो आरोपियों अर्जुन हावरे और रोनित चित्तमवार को गिरफ्तार कर लिया गया है. उनकी मेडिकल जांच कराई गई है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है. सीताबल्डी थाने के एक अधिकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार ऑडी ने पहले शिकायतकर्ता जितेंद्र सोनकांबले की कार को देर रात एक बजे टक्कर मारी थी. इसके बाद एक मोपेड को टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार दो युवक घायल हो गए. हालांकि, यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई. इस पूरे मामले पर को लेकर विपक्ष आक्रामक है. चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि कार मेरे बेटे के नाम पर है, घटना की निष्पक्ष जांच की जाए, जो दोषी हो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए.

संजय राउत बोले- ड्राइवर की अदला-बदली की गई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने नागपुर हिट एंड रन मामले पर उन्होंने कहा कि एक अमीर आदमी का बेटा शराब के नशे में सड़क पर लोगों को कुचल रहा है, लेकिन उस अमीर आदमी के बेटे का नाम एफआईआर में नहीं है. अगर इस राज्य में कानून एक जैसा है, तो यह बताया जाना चाहिए कि नागपुर में हिट एंड रन का क्या मामला है. उस मामले में कार किसकी है? किसके नाम पर है? कार कौन चला रहा था? उन्होंने कहा कि ड्राइवर की अदला-बदली की गई, ये सब रिकॉर्ड में है. गाड़ी की नेम प्लेट क्यों हटाई गई? अगर बावनकुले के परिवार का इस दुर्घटना से कोई लेना-देना नहीं है, तो इसे क्यों छिपाया जा रहा है? कार चलाने वाला राजकुमार नशे में था और उसे बचाया जा रहा है.

हरियाणा : भाजपा ने पेहोवा से बदला उम्मीदवार

एजेंसी। चंडीगढ़

भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर 21 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है. मंगलवार को जारी अपनी दूसरी लिस्ट में भाजपा ने पेहोवा से अपना उम्मीदवार बदल कर जय भगवान शर्मा (डीडी शर्मा) को प्रत्याशी घोषित किया है. दरअसल, भाजपा ने अपनी पहली सूची में पेहोवा से सरदार कमलजीत सिंह अजराना को उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पार्टी ने इस सीट से नए उम्मीदवार को मैदान में उतारा है. पार्टी ने अपनी दूसरी लिस्ट में मुस्लिम उम्मीदवारों को भी मैदान में उतारा है. भाजपा ने मंगलवार को जारी अपनी दूसरी लिस्ट में नारायणगढ़ से पवन सैनी, पुंडरी से सतपाल जाम्बा, असंध से योगेंद्र राणा, गनौर से देवेंद्र कौशिक, राई से कृष्णा गहलावत, बरौदा से प्रदीप सांगवान, जुलाना से कैप्टन योगेश बैरागी, नरवाना से कृष्ण कुमार बेदी, डबवाली से सरदार बलदेव सिंह मांगीयाना, ऐलनाबाद से अमीर चंद मेहता, रोहतक से मनीष ग्रोवर, नारनौल से ओम प्रकाश यादव, बावल से कृष्ण कुमार, पटौदी से बिमला चौधरी, नूंह से संजय सिंह, फिरोजपुर झिरका से नसीम अहमद को उम्मीदवार बनाया है.

'आप' ने जारी की दूसरी लिस्ट, 9 उम्मीदवारों को दिया टिकट

नयी दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को अपने प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट भी जारी कर दी. पार्टी ने दूसरी लिस्ट में 9 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है. अब तक ''आप'' 29 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुका है. आम आदमी पार्टी ने साढौरा से रीता बामनिया, थानेसर से कृष्ण बजाज को चुनावी मैदान में उतारा है. इसके अलावा पार्टी ने इंद्री से हवा सिंह, रतिया से मुख्तियार सिंह बाजीगर, आदमपुर से एडवोकेट भूपेंद्र बेनीवाल को अपना उम्मीदवार बनाया है. आप ने बरवाला से प्रोफेसर छत्रपाल सिंह, बावल से जवाहर लाल, फरीदाबाद से प्रवेश मेहता और तिगांव से अबाश चंदेला को टिकट दिया है. आप ने सोमवार को अपनी पहली लिस्ट जारी की थी.

वियतनाम में यागी तूफान ने छोड़े तबाही के निशान, अब तक 82 लोगों की मौत

यागी तूफान की वजह से वियतनाम में आए भूस्खलन के बाद से अब तक 82 लोगों की जान जा चुकी है. -एजेंसी

अच्छी पहल ऑस्ट्रेलिया सरकार डिजिटल प्लेटफार्मों तक पहुंच के लिए न्यूनतम आयु लागू करने का कानून बनाएगी

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगेगा बैन

एजेंसी। कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मंगलवार को बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की योजना की घोषणा की. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार 2024 में सोशल मीडिया और अन्य संबंधित डिजिटल प्लेटफार्मों तक पहुंच के लिए न्यूनतम आयु लागू करने का कानून पेश करेगी. प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा, ''हम जानते हैं कि सोशल मीडिया सामाजिक नुकसान पहुंचा रहा है. यह बच्चों को असली दोस्तों और असली अनुभवों से दूर कर रहा

है.' इस कानून को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ विचार-विमर्श के बाद तैयार किया जाएगा, लेकिन उनकी प्राथमिकता न्यूनतम आयु 16 वर्ष निर्धारित करने की है.

अगस्त में ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के एक सर्वे के अनुसार, 61 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने 17 साल से कम आयु के लोगों तक सोशल मीडिया की पहुंच को प्रतिबंधित करने का समर्थन किया. दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर पीटर मालिनौस्कास ने पूर्व संघीय न्यायाधीश रॉबर्ट फ्रेंच को 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी रास्ते तलाशने का काम सौंपा. पीएम ने कहा कि संघीय सरकार कानून का मसौदा तैयार करते समय रॉबर्ट फ्रेंच की समीक्षा पर विचार करेगी.

बता दें कि कई अध्ययनों में सोशल मीडिया के उपयोग और अवसाद के बीच घनिष्ठ संबंध पाया गया है. एक अध्ययन के अनुसार, मध्यम से गंभीर अवसाद लक्षण वाले युवाओं में सोशल मीडिया का उपयोग करने की संभावना लगभग दोगुनी थी.

सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव और अभिभावकों के लिए सलाह

शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं : सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के परिणामस्वरूप स्वास्थ्यप्रद, वास्तविक दुनिया की गतिविधियों पर कम समय व्यय किया जाता है. सोशल मीडिया फीड्स को स्क्रॉल करते रहने की आदत-जिसे 'वैम्पिंग' कहा जाता है, के कारण नींद की कमी की समस्या उत्पन्न होती है.

सामाजिक संबंध : किशोरावस्था सामाजिक कौशल विकसित करने का एक महत्वपूर्ण समय होता है, लेकिन, चूंकि किशोर अपने दोस्तों के साथ आमने-सामने कम समय बिताते हैं, इसलिये उनके पास इस कौशल के अभ्यास के कम अवसर होते हैं. जानकार मानते हैं कि तकनीक के दो पहलू हैं. जहां वो जानकारी का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, वहीं इसके दुष्परिणाम भी हैं. ऐसे में इसका संतुलित इस्तेमाल होना बेहद ज़रूरी है.

अभिभावकों को सलाह : छोटे बच्चों को स्मार्टफ़ोन से दूर रखें. बच्चे को स्मार्टफ़ोन या टैबलेट देने की उम्र तय करें. अगर बच्चा किसी और दूसरे दोस्त के पास स्मार्टफ़ोन होने का तर्क दे तो उससे बात करें और समझाएं. अगर बच्चों को अपने दोस्तों से कनेक्टेड रहना ही है तो घर में लैंडलाइन लगाएँ या केवल ऐसा मोबाइल फ़ोन दें जिससे केवल बात और मैसेज किया जा सके. अगर बच्चे की पढ़ाई के लिए मोबाइल ज़रूरी है तो स्क्रीन टाइम को नियंत्रित कीजिए. स्कूलों में असाइनमेंट ऑनलाइन दिए जाते हैं तो ऐसे में आप एक प्रिंटर ख़रीदिए क्योंकि ये आपके लिए बच्चे पर होने वाले नुक़सान से सस्ता होगा. इस रिपोर्ट में ये कहा गया है कि जितनी देरी से बच्चों को स्मार्टफ़ोन मिलता है, उतना ही कम उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर होता है.

देश में बीते 15 महीने के दौरान पहली बार घटी बिजली की मांग

- रिसर्च एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट- हाइड्रो एनर्जी का उत्पादन बढ़ा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में बिजली की अधिकतम मांग अगस्त महीने में घटकर 217 गीगावाट रह जाने का अनुमान है, जो एक साल पहले 238 गीगावाट थी. मंगलवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. रिसर्च एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में अगस्त में बिजली की मांग सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत गिरकर 144 बिलियन यूनिट्स (बीयू) रह गई है. बिजली की मांग में कमी ऐसे समय पर देखने को मिल रही है, जब अगस्त में औसत से 7 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है.

बीते महीने जुलाई में बिजली की मांग में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली थी. अप्रैल से अगस्त अवधि के दौरान सालाना आधार पर बिजली की मांग में 7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है. अगस्त 2024 में बिजली का अनुमानित उत्पादन 155 बीयू का रहा है. इसमें सालाना आधार पर 3 प्रतिशत की गिरावट हुई है. इसके अलावा कोयला और रिन्यूएबल एनर्जी में क्रमशः 3 और 13 प्रतिशत की गिरावट हुई है. हालांकि, बारिश अच्छी होने के कारण हाइड्रोपावर जनरेशन में 7.6 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है. बारिश कम होने के कारण इससे पहले दो महीने लगातार हाइड्रोपावर उत्पादन में कमी हुई थी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)